धनबाद
गुरुवार 25.06.2026
मूल्य-₹ 2.50
वर्ष-32 अंक-123 पृष्ठ- 12
ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष-11
संवत 2083

झारखण्ड से प्रकाशित सर्वाधिक लोकप्रिय दैनिक

# बिहार ऑब्जर्वर

## झारखंड में स्वास्थ्य सेवाओं को मिलेगा नया बल सीएम ने 262 अभ्यर्थियों को सौंपे नियुक्ति पत्र

### जनता के पैसे से मिलता है वेतन, ईमानदारी और समर्पण से निभाएं जिम्मेदारी : हेमंत सोरेन

**रांची (एजेंसी):** मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने बुधवार को प्रोजेक्ट भवन में आयोजित समारोह में स्वास्थ्य विभाग की विभिन्न सेवाओं के २६२ नवनियुक्त अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र सौंपे। इस दौरान उन्होंने नवनियुक्त कर्मियों को संबोधित करते हुए कहा कि यह केवल नौकरी प्राप्त करने का अवसर नहीं, बल्कि जनता की सेवा का एक महत्वपूर्ण दायित्व है। सरकार ने युवाओं को अपनी व्यवस्था का हिस्सा बनाया है और अब उनकी जिम्मेदारी है कि वे पूरी निष्ठा, ईमानदारी और संवेदनशीलता के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन करें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज का दिन सभी चयनित अभ्यर्थियों और उनके परिवारों के लिए खुशी का अवसर है। लंबे समय से रोजगार और भविष्य को लेकर जो चिंताएं थीं, वे अब समाप्त हो गई हैं। उन्होंने कहा कि नौकरी मिलने के साथ ही जिम्मेदारियां भी बढ़ जाती हैं। सरकार ने भरोसा जताते हुए उन्हें महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी है और उम्मीद है कि वे जनता की उम्मीदों पर खरे उतरेंगे।

हेमंत सोरेन ने कहा कि सरकारी कर्मचारियों को मिलने वाला वेतन जनता के कर और संसाधनों से आता है। इसलिए प्रत्येक कर्मचारी का यह नैतिक दायित्व है कि वह अपने कार्य को केवल

नौकरी नहीं, बल्कि जनसेवा के रूप में देखे। उन्होंने कहा, जिस काम के लिए आपको चुना गया है, उसे पूरी ईमानदारी, निष्ठा और समर्पण के साथ करना चाहिए। गलती किसी से भी हो सकती है, लेकिन अपने कर्तव्यों के प्रति लापरवाही नहीं होनी चाहिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वास्थ्य सेवा ऐसा क्षेत्र है जहां कर्मचारियों की कार्यशैली सीधे आम लोगों के जीवन और स्वास्थ्य को प्रभावित करती है। ऐसे में मरीजों और उनके परिजनों के प्रति संवेदनशील व्यवहार रखना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार स्वास्थ्य व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए लगातार काम कर रही है और नई नियुक्तियां उसी प्रयास का हिस्सा हैं। उन्होंने कहा कि सरकार का लक्ष्य राज्य के अंतिम व्यक्ति तक बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाना है। इसके लिए अस्पतालों में मानव संसाधन की कमी को दूर करने के साथ-साथ आधारभूत सुविधाओं को भी सुदृढ़ किया जा रहा है। नवनियुक्त कर्मियों की भूमिका इस लक्ष्य को हासिल करने में महत्वपूर्ण होगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य के विकास में युवाओं की भागीदारी सबसे महत्वपूर्ण है। रोजगार उपलब्ध कराकर सरकार ने युवाओं को राज्य निर्माण की प्रक्रिया से जोड़ा है। अब यह युवाओं की जिम्मेदारी है कि वे अपने कार्य और व्यवहार से जनता का विश्वास जीतें तथा स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता को बेहतर बनाने में योगदान दें। समारोह के अंत में मुख्यमंत्री ने सभी नवनियुक्त अभ्यर्थियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि उनका समर्पण, कार्य संस्कृति और सेवा भाव ही झारखंड की प्रगति तथा जनता के विश्वास को और मजबूत करेगा।

स्वास्थ्य विभाग के तहत बुधवार को प्रोजेक्ट भवन में आयोजित नियुक्ति पत्र वितरण समारोह के अवसर पर विशिष्ट अतिथि स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने कहा कि राज्य में स्वास्थ्य व्यवस्था को और मजबूत करने के लिए जल्द ही बड़े पैमाने पर नियुक्तियां की जाएंगी। उन्होंने बताया कि जेपीएससी के माध्यम से १२०० चिकित्सकों की नियुक्ति प्रक्रिया शीघ्र पूरी होगी, जबकि ७५०० एएनएम और जीएनएम की भी बहाली की जाएगी।

## +2 में अपग्रेड होंगे झारखंड के 765 सरकारी स्कूल, सीएम हेमंत ने दी मंजूरी

**रांची (एजेंसी):** झारखंड के ७६५ हाईस्कूल और मिडिल स्कूलों को +२ विद्यालय में अपग्रेड किया जाएगा। सरकार का तर्क है कि इससे गांव, पंचायत, नगरपालिका और दुर्गम भौगोलिक क्षेत्र में रहने वाले छात्र-छात्राओं को विशेष रूप से फायदा होगा। बताया गया है कि कई पंचायतों और प्रखंडों में +२ स्कूल नहीं होने से मैट्रिक के बाद कई बच्चे, खासतौर पर लड़कियां पढ़ाई छोड़ देती हैं। इसी ड्रॉपआउट को रोकने के लिए सरकार ने यह फैसला किया है।

गौरतलब है कि अभी झारखंड में कुल ८०१ सरकारी प्लस-टू स्कूल हैं, लेकिन अभी भी कई ऐसे इलाके हैं, जहां इसकी जरूरत थी। बताया जा रहा है कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने भी इस प्रस्ताव को मंजूरी दी है। दरअसल, इस समय स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के मातहत ही है। +२ स्कूल के अपग्रेडेशन के लिए स्कूलों के चयन के लिए जिला और राज्य-स्तरीय समिति का स्वरूप तय कर लिया गया है। सरकार ने जानकारी दी है कि इस योजना में सालाना करीब १,१०९ करोड़ रुपये अतिरिक्त खर्च हो सकता है।

उल्लेखनीय है कि नई शिक्षा नीति २०२० में प्रस्तावित स्कूली शिक्षा व्यवस्था के ढांचे और सुझावों के मुताबिक वर्तमान की १०+२ की स्कूली शिक्षा व्यवस्था की जगह ५+३+३+४ की व्यवस्था हो रही है। आचार्य, प्रधानाचार्य और शिक्षकेतर कर्मियों की नियुक्ति एवं सेवाशर्त नियमावली-२०२५ भी अधिसूचित हो गई है।

जानकारी के मुताबिक, जहां हाईस्कूल नहीं है, वहां उसी पंचायत के अंतर्गत उच्च विद्यालय या मध्य विद्यालय को +२ स्कूलों में अपग्रेड किया जाएगा। उन्हीं स्कूलों को अपग्रेड किया जाएगा, जिनके पास कम से कम १ एकड़ जमीन हो। दुर्गम भौगोलिक क्षेत्र जहां पहाड़, पठार, जंगल या नदी है, पक्का पुल नहीं है, वहां के हाईस्कूल या मिडिल स्कूल को अपग्रेड किया जाएगा। वहां ३ किमी की परिधि में स्कूलों के ८वीं कक्षा में नामांकित बच्चों की संख्या कम से कम १०० होनी चाहिए। स्कूलों को अपग्रेड करने के लिए उपायुक्त की अध्यक्षता में बनी जिलास्तरीय समिति से प्रस्ताव और अनुशंसा मिलने पर उत्क्रमण की समीक्षा माध्यमिक शिक्षा निदेशक के स्तर पर राज्यस्तरीय समिति करेगी।

उत्क्रमण और संरचना विक्सस के लिए भवन निर्माण विभाग एवं उर्जा विभाग के अधिसूचित दर पर ४ कमरे बनेंगे और प्रत्येक कमरे में ३० बेंच-डेस्क लगेगा। इसके लिए प्रति विद्यालय ६६ लाख ५३ हजार ५०० रुपये खर्च किए जाएंगे। ७६५ स्कूलों को अपग्रेड करने पर कुल ५०९ करोड़ रुपये खर्च होंगे। इसके अलावा प्राचार्य और माध्यमिक आचार्य पद पर अपग्रेड होने पर करीब ६०० करोड़ रुपये अतिरिक्त वार्षिक खर्च का अनुमान है।

## कोलकाता में निर्माणाधीन गोदाम ढहा, 4 की मौत

### 21 का रेस्क्यू; सेना भी बचाव में जुटी

**कोलकाता (ईएमएस):** दक्षिण कोलकाता के तारातला ट्रांसपोर्ट डिपो के पास बुधवार दोपहर १२:०७ बजे निर्माणाधीन गोदाम का शेड गिर गया। हादसे में अब तक ४ लोगों की मौत हो चुकी है। मलबे में दबे २१ लोगों का रेस्क्यू कर लिया गया है। अभी भी ४० से ज्यादा लोगों के मलबे में दबे होने की आशंका है। इस वजह से मौत का आंकड़ा बढ़ सकता है। हादसे के वक्त गोदाम में कितने लोग मौजूद थे, इसकी जानकारी सामने नहीं आई है।

पुलिस के साथ एनडीआरएफ और सेना के जवान भी रेस्क्यू कर रहे हैं। गैस कटर से लोहे के पोल को काटा जा रहा है। मलबे और लोहे की रॉड को हटाने के लिए क्रेन मंगाई गई है। स्थानीय लोगों के मुताबिक, हादसे के वक्त गोदाम में कांक्रीट ढलाई का काम चल रहा था।

**मेरा पैर काट लो लेकिन मुझे बचा लो**

हादसे के बाद बचाव कार्य के दौरान एक युवक अंकित सिंह ने मलबे में फंसे एक मजदूर को ढूंढने में अहम भूमिका निभाई। उसने घायल मजदूर का पैर पकड़कर बचाव दल को उसकी सही जगह तक पहुंचने में मदद की, जिसके बाद रेस्क्यू टीम ने उसे बाहर निकालने का प्रयास तेज कर दिया। मलबे में फंसा मजदूर दर्द से कराहते हुए बार-बार कह रहा था कि मैंने अपना पैर खो दिया है, अगर जरूरत हो तो बाकी हिस्सा काटकर मुझे बाहर निकालो, बस मेरी जान बचा लो।

## टीएमसी और उद्धव शिवसेना के बागियों पर फैसला मानसून सत्र से पहले

**नई दिल्ली (ईएमएस):** लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला जल्द ही तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) और शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे गुट) के बागी सांसदों से जुड़े मामलों पर बड़ा फैसला ले सकते हैं। यह निर्णय संसद के आगामी मानसून सत्र से पहले आने की संभावना है।

सूत्रों के अनुसार, इन मामलों में दलबदल विरोधी कानून के तहत कार्यवाही की प्रक्रिया चल रही है, और स्पीकर दोनों दलों की दलीलों तथा कानूनी पहलुओं की जांच के बाद निर्णय लेंगे। टीएमसी और शिवसेना (यूबीटी) दोनों ने अपने-अपने बागी सांसदों के खिलाफ स्पीकर के समक्ष याचिकाएं दाखिल की हैं।

टीएमसी की ओर से आरोप लगाया गया है कि कुछ सांसद पार्टी से अलग होकर दूसरी राजनीतिक इकाई के साथ गठबंधन या विलय की कोशिश कर रहे हैं, जिसे पार्टी ने दलबदल माना है। वहीं शिवसेना (यूबीटी) ने भी अपने बागी सांसदों के खिलाफ सख्त रुख अपनाते हुए स्पीकर से हस्तक्षेप की मांग की है। इस बीच, स्पीकर कार्यालय दोनों पक्षों को सुनने और कानूनी राय लेने की प्रक्रिया में है। माना जा रहा है कि आने वाला पैसला संसद में राजनीतिक समीकरणों पर भी असर डाल सकता है, खासकर विपक्षी गठबंधन और सत्तापक्ष के बीच चल रहे तनाव के बीच। कुल मिलाकर, यह मामला संसद सत्र से पहले एक महत्वपूर्ण राजनीतिक मोड़ माना जा रहा है, जिस पर सभी दलों की नजरें टिकी हैं।

## खामेनेई के अंतिम संस्कार में पीएम मोदी को न्योता

### ईरानी राष्ट्रपति ने भेजा संदेश

**नई दिल्ली (ईएमएस):** ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियान ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को ईरान आने का निमंत्रण दिया है।

यह निमंत्रण ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई के अंतिम संस्कार कार्यक्रम में शामिल होने के लिए भेजा गया है।

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार ईरानी राष्ट्रपति की ओर से भेजे गए संदेश में भारत और ईरान के ऐतिहासिक एवं रणनीतिक संबंधों का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री मोदी की उपस्थिति को महत्वपूर्ण बताया गया है। दोनों देशों के बीच ऊर्जा, व्यापार, क्षेत्रीय सुरक्षा और संपर्क परियोजनाओं को लेकर

लंबे समय से घनिष्ठ सहयोग रहा है। अयातुल्ला अली खामेनेई ईरान की राजनीतिक और धार्मिक व्यवस्था के सबसे प्रभावशाली नेता रहे हैं।

उनके निधन के बाद ईरान में राष्ट्रीय शोक घोषित किया गया और दुनिया के कई देशों के नेताओं तथा प्रतिनिधियों को अंतिम विदाई समारोह में शामिल होने का निमंत्रण भेजा गया है।

भारत और ईरान के संबंधों के लिहाज से यह निमंत्रण कूटनीतिक दृष्टि से भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। पश्चिम एशिया में बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव, ऊर्जा सुरक्षा और क्षेत्रीय स्थिरता के मुद्दों के बीच दोनों देशों के बीच संवाद लगातार बना हुआ है। हालांकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस कार्यक्रम में स्वयं शामिल होंगे या भारत की ओर से किसी उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल को भेजा जाएगा, इस संबंध में अभी तक कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है।

## अभिषेक बनर्जी नहीं जा सकेंगे विदेश

**कोलकाता (ईएमएस):** तृणमूल कांग्रेस के सांसद अभिषेक बनर्जी के लिए मुसीबतों का दौर खत्म होने का नाम नहीं ले रहा है। कलकत्ता हाई कोर्ट ने टीएमसी नेता की उस याचिका पर सुनवाई अगले हफ्ते सोमवार के लिए टाल दी है, जिसमें उन्होंने मेडिकल कारणों से विदेश जाने की इजाजत मांगी थी। इस मामले का जिक्र दिन में जस्टिस सौगत भट्टाचार्य की बेंच के सामने किया गया था, लेकिन उन्होंने तत्काल सुनवाई करने से इनकार कर दिया और कहा कि इस याचिका पर अगले हफ्ते बात की जाए। अभिषेक आंखों के इलाज के लिए एक हफ्ते के लिए विदेश जाना चाहते हैं।

## एअर इंडिया का विमान पाक एयरस्पेस में घुसा

**अमृतसर(ईएमएस):** एअर इंडिया की एक फ्लाइट सोमवार रात रास्ता भटककर पाकिस्तान के हवाई क्षेत्र में जा घुसी। इसे पाकिस्तान की एयर ट्रैफिक अथॉरिटी ने चेतावनी देकर वापस भेजा। विमान ने दिल्ली से उड़ान भरी थी और इसे अमृतसर लैंड होना था। पाकिस्तान के एयर स्पेस से जब फ्लाइट लौटी तब तक अमृतसर एयरपोर्ट पर ट्रैफिक बढ़ गया था, ऐसे में इसे वापस दिल्ली भेज दिया गया। एयरपोर्ट अधिकारियों ने बताया है कि तकनीकी खराबी के कारण यह फ्लाइट रास्ता भटक गई थी।

## सिक्किम में बारिश का कहर, भूस्खलन से पश्चिमी जिले का संपर्क टूटा

**गंगटोक (ईएमएस):** सिक्किम में लगातार हो रही मूसलाधार बारिश ने जनजीवन को बुरी तरह प्रभावित कर दिया है। पश्चिमी सिक्किम में कई स्थानों पर हुए भूस्खलन के कारण ग्यालशिंग-लेगशिप मार्ग पूरी तरह बंद हो गया है, जिससे पश्चिम सिक्किम जिला मुख्यालय का राज्य के अन्य हिस्सों से संपर्क टूट गया है। पिछले २४ घंटों के दौरान ग्यालशिंग में ९५.२ मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई। भारी बारिश के कारण पहाड़ियों से मलबा और बड़ी-बड़ी चट्टानें सड़कों पर आ गिरीं, जिससे वाहनों की आवाजाही पूरी तरह ठप हो गई। प्रशासन ने लोगों से अनावश्यक यात्रा से बचने की अपील की है। जिलाधिकारी तेनजिंग डेंजोंगपा ने मीडिया को जानकारी दी, कि मंगलवार रात करीब नौ बजे भूस्खलन की सूचना मिली थी। सबसे बड़ा भूस्खलन ग्यालशिंग शहर से लगभग दो किलोमीटर दूर ओमकुंज क्षेत्र में हुआ। इसके बाद प्रशासन ने जेसीबी और अन्य मशीनों की मदद से मलबा हटाने का अभियान शुरू किया।

## कमजोर मानसून और एल नीनो का असर: भारत में चीनी की कीमतों में बढ़ोतरी की आशंका

**नई दिल्ली (ईएमएस):** भारत में आने वाले समय में चीनी की कीमतों में तेज़ उछाल देखने को मिल सकता है। इसका कारण कमजोर मानसून, एल नीनो प्रभाव और गन्ना उत्पादन में संभावित गिरावट बताया जा रहा है। विशेषज्ञों का मानना है कि अगर बारिश सामान्य से कम रही तो देश में गन्ने की पैदावार प्रभावित होगी, जिससे चीनी की सप्लाई पर दबाव बढ़ेगा।

रिपोर्ट के अनुसार, भारत में गन्ने की खेती मुख्य रूप से मानसून पर निर्भर है और कमजोर बारिश से महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश और कर्नाटक जैसे प्रमुख उत्पादक राज्यों में उत्पादन घट सकता है। इसके साथ ही पहले से चल रही एथेनॉल उत्पादन नीति भी गन्ने की उपलब्धता को प्रभावित कर रही है, क्योंकि कई मिलें गन्ने का उपयोग इथेनॉल उत्पादन में कर रही हैं। विशेषज्ञों का यह भी कहना है कि अगर उत्पादन में गिरावट जारी रही तो सरकार को घरेलू आपूर्ति बनाए रखने के लिए और सख्त कदम उठाने पड़ सकते हैं, जिससे बाजार में कीमतें और बढ़ सकती हैं। इस बीच भारत पहले से ही घरेलू कीमतों को नियंत्रित करने के लिए चीनी निर्यात पर प्रतिबंध जैसी नीतियां लागू कर चुका है। बावजूद इसके, मौसम संबंधी जोखिमों के कारण आने वाले महीनों में महंगाई का दबाव बढ़ने की आशंका जताई जा रही है।

## सीआरपीएफ ने डीआईजी को सस्पेंड किया

**नई दिल्ली (ईएमएस):** सीआरपीएफ ने एक सीनियर डीआईजी-रैंक के अधिकारी को सस्पेंड कर दिया है। उन पर आरोप है कि उन्होंने हाल ही में सीएपीएफ बिल पास होने के दौरान सरकार के खिलाफ सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर कंटेंट शेयर किया था। इन फोर्सेज के कैडर अधिकारियों ने इस बिल को भेदभावपूर्ण बताया था।

देश की १० लाख जवानों वाली सेंट्रल आर्म्ड पुलिस फोर्सेज में लीडरशिप की भूमिका निभाने वाले लगभग १५,००० कैडर अधिकारियों में से यह अपनी तरह का पहला मामला है। अधिकारियों ने बताया कि जिस अधिकारी पर कार्रवाई हुई है, वे अगरतला में फोर्स के त्रिपुरा सेक्टर हेडक्वार्टर में तैनात डिप्टी इंस्पेक्टर जनरल (डीआईजी) बीसी पात्रा हैं। १९९४-बैच के सीआरपीएफ कैडर अधिकारी पात्रा, फेडरल काउंटर-टेररिस्ट कमांडो फोर्स एनएसजी के साथ डेप्युटेशन पर काम करने के बाद अप्रैल में सेंट्रल रिजर्व पुलिस फोर्स (सीआरपीएफ) में लौटे थे।

## रिहाई के लिए पीएमओ में लगाई गुहार

### रुस से क्रूड ऑयल लेकर लौट रहे कैप्टन को किया गया था गिरफ्तार

**रामनगर (ईएमएस):** ब्रिटेन में कैद चिल्किया गांव निवासी कैप्टन अजय पंत की रिहाई के लिए पौड़ी सांसद अनिल बलूनी व नैनीताल-ऊधम सिंह नगर के सांसद अजय भटट भी आगे आए है। उन्होंने इस संबंध में अपने स्तर से कार्रवाई शुरू कर दी है। अजय के पिता वीसी पंत ने दिल्ली पीएमओ में उपसचिव मंगेश घिल्डियाल से भी फोन कर गुहार लगाई है। रूस से शिप में क्रूड आयल लेकर गुजरात लौट रहे रामनगर निवासी कैप्टन अजय पंत को इंग्लिश चैनल पार करते समय ब्रिटिश सशस्त्र बल ने गिरफ्तार कर लिया था। तब से परिवार परेशान है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अजय के स्वजन ने सांसद अनिल बलूनी व सांसद अजय भट्ट से भी गुहार लगाई है। बीजेपी के पूर्व प्रदेश मंत्री राकेश नैनवाल ने अजय के पिता वीसी पंत से मामले की जानकारी ली और आश्वस्त किया कि इस संबंध में मदद की जाएगी। पिता वीसी पंत ने भारत सरकार से प्रकरण पर गंभीरता से प्रयास करते हुए उनके बेटे की जल्द रिहाई कराने की गुहार लगाई

है। उनका कहना है कि उनके बेटे ने शिप कंपनी के दिशा-निर्देश का पालन करते हुए अपना पेशे-वर दायित्व निभाया है।

सांसद अनिल बलूनी ने कहा कि कैप्टन अजय के संबंध में स्वजन का मैसेज आया था। इस संबंध मैं भारत के विदेश मंत्रालय के मंत्री से बात करुंगा। इसमें जो भी कानूनी सहायता उपलब्ध करानी होगी, कराई जाएगी।

## सुवेंदु के बयान से टीएमसी में हलचल, सबका साथ सबका विकास नहीं, बल्कि सबका हिसाब होगा

### ममता पर तंज, जो नेता अपने ही बूथ में हार जाए, वह कैसी जननेता

**कोलकाता (ईएमएस):** पश्चिम बंगाल विधानसभा के बजट सत्र के दौरान मुख्यमंत्री शुभेन्दु अधिकारी ने पूर्ववर्ती तृणमूल कांग्रेस सरकार और पूर्व सीएम ममता बनर्जी पर कड़ा प्रहार कर भ्रष्टाचार, सरकारी धन के दुरुपयोग और प्रशासनिक अनियमितताओं के गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने घोषणा की कि उनकी सरकार का मंत्र केवल सबका साथ, सबका विकास नहीं, बल्कि सबका हिसाब भी होगा। सीएम अधिकारी ने दावा किया कि जनता ने तृणमूल कांग्रेस को सबक सिखाया है और अब पिछली सरकार के दौरान हुए हर भ्रष्टाचार की गहन जांच होगी।

मुख्यमंत्री शुभेन्दु अधिकारी ने विधानसभा में दस्तावेज दिखाते हुए आरोप लगाया कि बंगाल ग्लोबल बिजनेस समिट के नाम पर करी ३२४ करोड़ ७० लाख रुपये फिक्की को हस्तांतरित किए थे, जिस पर उन्होंने सवाल उठाया कि क्या सरकारी धन इस तरह

निजी संस्थाओं को दिया जा सकता है। उन्होंने लक्ष्मीर भंडार, उज्जला योजना, वृद्धावस्था पेंशन, शिक्षाश्री, मेधाश्री, मनरेगा और अल्पसंख्यक छात्रवृत्ति जैसी अनेक कल्याणकारी योजनाओं में भारी अनियमितताओं का जिक्र कर पूछा कि आखिर जनता के पैसे को किसने लूटा। उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार में शामिल किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा और वर्तमान सत्र में ऐसा विधेयक लाएगा, जिसके तहत दोषियों की संपत्तियां जब्त कर उनकी नीलाम कर सके। उन्होंने हरिश मुखर्जी रोड और हरिश चटर्जी स्ट्रीट स्थित आलीशान मकानों में बेघर लोगों को बसाने की बात कहकर ममता और अभिषेक बनर्जी के आवासों की ओर इशारा किया।

सीएम अधिकारी ने तृणमूल कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी को भ्रष्टाचार का मुख्य सूत्रधार बताया। उन्होंने बीरभूम की पत्थर खदानों का उदाहरण देकर कहा कि उनकी सरकार ने केवल एक महीने में ८३ करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त किया है, जबकि पिछली सरकार पूरे वर्ष में केवल सात करोड़ रुपये का राजस्व दिखाती थी। उन्होंने आरोप लगाया कि शेष धन कैमैक्स स्ट्रीट के जरिए दुबई पहुंचाया जाता था, और चुनाव से पहले जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के एक ठेकेदार ने आइपैक को १० करोड़ रुपये दिए थे।

# संपादकीय

## एआई और फिंगरप्रिंट सिस्टम होने के बाद भी जांच कमजोर

जब वैज्ञानिक आधार पर आरोप-पत्र तैयार होंगे और आधुनिक तकनीक की मदद से पुख्ता साक्ष्य जुटाए जाएंगे, तो समय पर न्याय मिलने की संभावना भी कई गुना बढ़ जाएगी। किसी भी आपराधिक मामले में समय पर न्याय तभी सुनिश्चित हो पाता है, जब जांच प्रक्रिया में तेजी लाई जाए और उसमें गंभीरता एवं निष्पक्षता हो। आज के दौर में जांच-पड़ताल में तकनीक की भी अहम भूमिका है। खासकर कृत्रिम मेधा यानी एआई के तहत ऐसे उपकरण विकसित किए जा चुके हैं, जिनकी मदद से अपराधियों की धर-पकड़ और साक्ष्य जुटाना काफी आसान हो गया है। मगर सवाल है कि देश में जांच एजेंसियां क्या इस तरह की तकनीक का व्यापक स्तर पर इस्तेमाल कर रही हैं या नहीं? केंद्रीय गृह मंत्री की ओर से हाल में दी गई जानकारी से यही लगता है कि जांच प्रक्रिया में तकनीक का उपयोग अभी प्रारंभिक स्तर पर है। गृह मंत्री ने कहा कि आपराधिक मामलों में राष्ट्रीय स्वचालित फिंगरप्रिंट पहचान प्रणाली का अभी केवल 10 प्रतिशत ही इस्तेमाल किया जा रहा है। इसका उपयोग अपराधियों की पहचान करने के लिए किया जाता है। इसके जरिए अपराध स्थलों से एकत्र किए गए नमूनों और साक्ष्यों का डेटाबेस तैयार किया जा सकता है, लेकिन यह आश्चर्यजनक है कि आखिर जांच एजेंसियां इस पर पर्याप्त ध्यान क्यों नहीं दे रही हैं।



राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के आंकड़ों से पता चलता है कि संज्ञेय अपराधों से जुड़े मामलों में राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में दोषसिद्धि दर वर्ष 2018 और 2019 में करीब 66 प्रतिशत थी। हालांकि उसके बाद से जांच एजेंसियों को कई तरह की तकनीकों से लैस किया गया है, लेकिन दोषसिद्धि दर में अपेक्षित सुधार नजर नहीं आया है। विशेषज्ञों के मुताबिक दोषसिद्धि दर कम होने के प्रमुख कारणों में जांच प्रक्रिया का धीमा होना, मामलों की गंभीरता को नजरअंदाज करना और साक्ष्यों की कमी शामिल है। कई बार अपराधी इसलिए बरी हो जाते हैं, क्योंकि अभियोजन पक्ष आरोपों को सबूतों के आधार पर साबित करने में नाकाम रहता है। यह अफसोसनाक है कि तकनीकी सुविधाओं के बावजूद जांच एजेंसियां वैज्ञानिक पहलुओं का ध्यान रखकर जांच नहीं करतीं, जिससे न्याय की उम्मीद भी धुंधली पड़ जाती है। ऐसे में जरूरी है कि आपराधिक मामलों की जांच प्रक्रिया को लेकर अलग से एक निगरानी तंत्र स्थापित किया जाए, जो इस बात पर नजर रखे कि जांच में तकनीक का कितना इस्तेमाल किया जा रहा है।

राष्ट्रीय स्वचालित फिंगरप्रिंट पहचान प्रणाली की बात की जाए तो इसका इस्तेमाल केवल अपराधियों को खोजने तक सीमित नहीं होना चाहिए। यह प्रक्रिया तभी सफल हो सकती है, जब अपराध स्थल से एकत्र फिंगरप्रिंट के माध्यम से व्यापक डेटाबेस तैयार किया जाए। यह दो-तरफा प्रणाली है, जो अपराधी की पहचान करने में बेहद उपयोगी है, लेकिन अपराध तभी साबित हो सकता है, जब पर्याप्त डेटा उपलब्ध हो।

इसका एक पहलू यह भी है कि जांच एजेंसियों को नई तकनीकों से लैस तो कर दिया गया है, लेकिन उनके इस्तेमाल की जानकारी बहुत कम कर्मियों को होती है। ऐसे में उपलब्ध उपकरणों के उपयोग के लिए व्यापक स्तर पर प्रशिक्षण देने की जरूरत है। जब वैज्ञानिक आधार पर आरोप-पत्र तैयार होंगे और आधुनिक तकनीक की मदद से पुख्ता साक्ष्य जुटाए जाएंगे, तो समय पर न्याय मिलने की संभावना भी कई गुना बढ़ जाएगी। इसके अलावा जांच एजेंसियों में हर स्तर पर जवाबदेही तय करना भी बेहद जरूरी है। अगर किसी मामले में जांच के स्तर पर लापरवाही या चूक होती है, तो संबंधित अधिकारी और कर्मचारी को भी जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए।

## तापमान बढ़ने की रफ्तार ने बढ़ाई चिंता अब खतरे की नई घंटी है जलवायु संकट

जलवायु परिवर्तन और वैश्विक तापमान को लेकर दुनिया भर में हुए वैज्ञानिक अध्ययनों में दी गई चेतावनियों को शायद कभी गंभीरता से नहीं लिया गया है। कागजों में भले ही कई तरह के कार्यक्रमों और योजनाओं का खाका तैयार किया गया है, लेकिन जमीनी स्तर पर इन्हें प्रभावी तरीके से लागू करने की तत्परता नजर नहीं आती। यही वजह है कि वैश्विक तापमान लगातार बढ़ता जा रहा है। विश्व मौसम विज्ञान संगठन की ओर से हाल ही में जारी एक रिपोर्ट में कहा गया है कि एशिया क्षेत्र में वर्ष 1991 से 2025 के दौरान तापमान वृद्धि दर 1961 से 1990 की तुलना में लगभग दोगुनी रही। इसमें वर्ष 2025 अब तक के सबसे गर्म वर्षों में से एक के रूप में उभरा है। इसके नतीजतन प्राकृतिक आपदाओं में तेजी आई है, जिससे न केवल आर्थिक बल्कि मानवीय क्षति में भी बढ़ोतरी हुई है। सवाल है कि



आखिर पर्यावरण संरक्षण के जरिए जलवायु परिवर्तन को रोकने के उपायों को लेकर हर स्तर पर लापरवाही क्यों बरती जा रही है? गौरतलब है कि जलवायु विशेषज्ञ पहले भी एशिया सहित पूरी दुनिया में बढ़ते तापमान को लेकर सचेत करते रहे हैं। अगर तापमान को स्थिर नहीं रखा गया तो इसके नतीजे दूरगामी और भयावह हो सकते हैं। विश्व मौसम विज्ञान संगठन की रिपोर्ट से पता चलता है कि एशिया के अधिकांश हिस्सों में औसत तापमान बढ़ रहा है। ऐसे में भारत समेत क्षेत्र के अन्य देशों को सजग होने की जरूरत है। इस रिपोर्ट को इसलिए भी गंभीरता से लेने की आवश्यकता है क्योंकि इसमें बताया गया है कि वर्ष 2025 के दौरान एशिया के लगभग सभी समुद्री क्षेत्रों में भीषण लू चली। स्वाभाविक रूप से इसका प्रभाव कई देशों पर पड़ा है। पूर्वी और पश्चिमी एशिया से लेकर दक्षिण एशिया तक बढ़ती प्राकृतिक आपदाएं जनजीवन को बुरी तरह प्रभावित कर रही हैं। इस स्थिति से निपटने के लिए न केवल सरकारी बल्कि सामाजिक स्तर पर भी गंभीरता से प्रयास करने की जरूरत है। अगर समय रहते कारगर कदम नहीं उठाए गए तो निकट भविष्य में जलवायु संकट एक ऐसी चुनौती बनकर सामने खड़ा होगा, जिससे निपटना आसान नहीं होगा।

## आज का कार्टून

# क्या अब अपनी थाली पर भी सवाल उठाने का समय है?

> भारत में भी ऐसी जागरूकता का विस्तार होना चाहिए। किसी मसाले या फल के निर्यात पर प्रतिबंध लगने की खबर कुछ दिनों तक सुर्खियों में रहती है, फिर गायब हो जाती है। लेकिन उसके बाद क्या हुआ? जांच का परिणाम क्या निकला? दोषी कौन था? सुधारात्मक कदम क्या उठाए गए? इन सवालों पर शायद ही कभी निरंतर निगरानी दिखाई देती हो। लोकतंत्र में जवाबदेही तभी संभव है, जब लोग सवाल करते रहें। आखिरकार, यह मुद्दा केवल व्यापार, कृषि या स्वास्थ्य का नहीं है। यह भारत की विश्वसनीयता का प्रश्न है। हम दुनिया की सबसे बड़ी आबादी वाले देशों में हैं। हम वैश्विक खाद्य आपूर्ति श्रृंखला में बड़ी भूमिका निभाना चाहते हैं। हम कृषि निर्यात बढ़ाने की बात करते हैं, लेकिन वैश्विक बाजार में सफलता केवल उत्पादन से नहीं, विश्वास से मिलती है। यदि हमारी नीतियां केवल निर्यात बढ़ाने पर केंद्रित रहें और गुणवत्ता सुनिश्चित करने पर नहीं, तो हम बार-बार ऐसे संकटों का सामना करेंगे। आज जरूरत है कि हम पूरे मुद्दे को चेतावनी की तरह लें।

**अभिषेक कुमार सिंह**

जब जापान भारतीय आमों की खेप लौटा देता है, सीमा पर नेपाल ट्रकों को रोक देता है, चीन भारतीय चावल पर सवाल उठाता है और यूरोपीय संघ बार-बार भारतीय खाद्य उत्पादों में खतरनाक अवशेषों की मौजूदगी की चेतावनी देता है, तब यह मान लेना भूल होगी कि समस्या केवल निर्यात से जुड़े किसी पहलू की है।

असल दिक्कत हमारी थाली, हमारे खेत, हमारे घर और हमारी नियामक व्यवस्था से जुड़ी है। दुनिया भारतीय खाद्य उत्पादों को खारिज कर रही है, तो उसके लिए विभिन्न देशों के खान-पान से जुड़े नियम जिम्मेदार हैं। ये घटनाएं साबित करती हैं कि विकसित देशों से लेकर नेपाल जैसे अपेक्षाकृत गरीब देश की सरकार को भी अपने नागरिकों की सेहत की चिंता है। यह सवाल हमारे लिए ज्यादा बड़ा होना चाहिए कि क्या हम खुद अपने भोजन और परिवेश की सुरक्षा को लेकर गंभीर हैं?



भारत कृषि प्रधान देश है। हम इस पर गर्व भी करते हैं। अरसे से दुनिया भर के बाजारों और घरों में अपनी पैठ बना चुके भारतीय मसाले, चावल, चाय, फल और सब्जियां केवल व्यापारिक वस्तुएं नहीं हैं, बल्कि हमारी सांस्कृतिक पहचान का हिस्सा रही हैं। सदियों पहले भारतीय मसालों ने यूरोपीय देशों को आकर्षित किया था। इस सांस्कृतिक पहचान का तकाजा था कि हमारे आम को फलों का राजा कहा गया और बासमती ने विश्व बाजार में अलग पहचान बनाई, लेकिन आज वही गुणवत्ता के सवालों से घिरे दिखाई दे रहे हैं।

हर बार जब ऐसा कोई मामला सामने आता है, तो बहस दो ध्रुवों में बंट जाती है। एक पक्ष कहता है कि दूसरे देश भारतीय उत्पादों को बदनाम करने की साजिश कर रहे हैं। दूसरा पक्ष इसे भारतीय व्यवस्था की विफलता बताता है। सच्चाई शायद इन दोनों के बीच कहीं है। अंतरराष्ट्रीय व्यापार में प्रतिस्पर्धा और राजनीति दोनों होती हैं, लेकिन यह भी उतना ही सच है कि यदि हमारे उत्पाद लगातार विभिन्न देशों की प्रयोगशालाओं में असफल पाए जा रहे हैं, तो समस्या की गंभीर जांच आवश्यक है।

कई बार जिन रसायनों की मौजूदगी विदेशी एजेंसियां बताती हैं, वे ऐसे पदार्थ होते हैं जिन्हें दुनिया के अनेक देशों में खतरनाक माना जा चुका है। क्लोरपाइरीफॉस जैसे कीटनाशकों को कई देशों ने प्रतिबंधित कर दिया है। एथिलीन ऑक्साइड को कैंसरकारी माना जाता है। सीसा, पारा और कैडमियम जैसी भारी धातुएं मानव स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा हैं। यदि इनकी उपस्थिति हमारे खाद्य उत्पादों में बार-बार सामने आ रही है, तो यह केवल व्यापारिक नुकसान का विषय नहीं, बल्कि सार्वजनिक स्वास्थ्य का भी सवाल है।

भारत में खाद्य सुरक्षा की चर्चा अक्सर तभी तेज होती है, जब कोई देश आपत्ति उठाता है। तब जांच समितियां बनती हैं, नमूने लिए जाते हैं और बयान जारी होते हैं। मगर यह पूछने वाला कोई नहीं होता कि यदि वही उत्पाद भारतीय बाजार में बिक रहे थे, तो उनके बारे में पहले क्यों नहीं सोचा गया?

जहां तक फल-सब्जियों और अन्य खाद्य पदार्थों में कीटनाशकों की उपस्थिति की बात है, तो इससे जुड़ी स्थिति के लिए केवल किसान जिम्मेदार नहीं हैं। जब खाद्य उत्पादों में अवशेष पाए जाते हैं, तो सबसे पहले उंगली किसानों पर उठाई जाती है। जबकि वास्तविकता कहीं अधिक जटिल है।

खेत से लेकर उपभोक्ताओं की थाली तक की पूरी आपूर्ति श्रृंखला में अनेक चरण होते हैं - भंडारण, परिवहन, प्रसंस्करण, पैकेजिंग और वितरण। किसी भी स्तर पर होने वाली लापरवाही उत्पाद की गुणवत्ता को प्रभावित कर सकती है। उदाहरण के लिए आम आदि फलों को पकाने के लिए उपयोग किए जाने वाले कुछ रसायन या भंडारण के दौरान संक्रमण रोकने वाले पदार्थ भी गुणवत्ता संबंधी समस्याओं का कारण बन सकते हैं। यदि कोई रसायन किसी उत्पाद में पाया जाता है, तो उसका स्रोत केवल खेत नहीं, बल्कि आपूर्ति श्रृंखला का कोई दूसरा चरण भी हो सकता है। इसलिए दोषारोपण की राजनीति से अधिक आवश्यक है वैज्ञानिक जांच और जवाबदेही की संस्कृति।

भारत की सबसे बड़ी चुनौती नियमन की प्रभावशीलता है। हमारे पास कानून हैं, प्रयोगशालाएं हैं, निरीक्षण तंत्र है, लेकिन प्रश्न यह है कि क्या वे पर्याप्त हैं? क्या देश के हर हिस्से में उत्पादों की नियमित और पारदर्शी जांच हो रही है? क्या जांच के परिणाम सार्वजनिक किए जाते हैं? क्या उपभोक्ता को यह जानने का अधिकार है कि कौन-सा उत्पाद मानकों पर खरा नहीं उतरा?

आज आवश्यकता केवल नियम बनाने की नहीं, बल्कि भरोसा पैदा करने की है। यदि किसी उत्पाद की पूरी यात्रा यानी खेत से बाजार तक डिजिटल रूप से दर्ज हो, तो समस्या का स्रोत पहचानना आसान होगा। दुनिया के अनेक देशों में ऐसी व्यवस्थाएं विकसित हो रही हैं। भारत को भी इस दिशा में गंभीरता से आगे बढ़ना चाहिए।

इसके साथ ही हमें खाद्य सुरक्षा के प्रश्न को केवल निर्यात तक सीमित नहीं रखना चाहिए। अक्सर देखा गया है कि जो उत्पाद विदेश भेजे जाते हैं, उनकी गुणवत्ता पर अधिक ध्यान दिया जाता है, जबकि घरेलू बाजार अपेक्षाकृत कम निगरानी में रहता है। यह दृष्टिकोण बदलना होगा। भारत के नागरिकों को वही गुणवत्ता और सुरक्षा मिलनी चाहिए, जिसकी अपेक्षा विदेशी उपभोक्ताओं के लिए की जाती है।

समाधान केवल अधिक रसायनों में नहीं, बल्कि बेहतर विज्ञान में है। उपभोक्ताओं की भूमिका भी कम महत्वपूर्ण नहीं है। जब तक नागरिक केवल कीमत देखकर उत्पाद खरीदेंगे और गुणवत्ता या सुरक्षा के सवाल नहीं पूछेंगे, तब तक बाजार पर दबाव नहीं बनेगा। विकसित देशों में उपभोक्ता संगठन और नागरिक समूह खाद्य सुरक्षा के मुद्दों पर लगातार सक्रिय रहते हैं।

भारत में भी ऐसी जागरूकता का विस्तार होना चाहिए। किसी मसाले या फल के निर्यात पर प्रतिबंध लगने की खबर कुछ दिनों तक सुर्खियों में रहती है, फिर गायब हो जाती है। लेकिन उसके बाद क्या हुआ? जांच का परिणाम क्या निकला? दोषी कौन था? सुधारात्मक कदम क्या उठाए गए? इन सवालों पर शायद ही कभी निरंतर निगरानी दिखाई देती हो। लोकतंत्र में जवाबदेही तभी संभव है, जब लोग सवाल करते रहें।

आखिरकार, यह मुद्दा केवल व्यापार, कृषि या स्वास्थ्य का नहीं है। यह भारत की विश्वसनीयता का प्रश्न है। हम दुनिया की सबसे बड़ी आबादी वाले देशों में हैं। हम वैश्विक खाद्य आपूर्ति श्रृंखला में बड़ी भूमिका निभाना चाहते हैं। हम कृषि निर्यात बढ़ाने की बात करते हैं, लेकिन वैश्विक बाजार में सफलता केवल उत्पादन से नहीं, विश्वास से मिलती है।

यदि हमारी नीतियां केवल निर्यात बढ़ाने पर केंद्रित रहें और गुणवत्ता सुनिश्चित करने पर नहीं, तो हम बार-बार ऐसे संकटों का सामना करेंगे। आज जरूरत है कि हम पूरे मुद्दे को चेतावनी की तरह लें। खेतों से लेकर रसोई तक, भंडारण से लेकर निर्यात तक और घरेलू कीटनाशकों से लेकर खाद्य सुरक्षा मानकों तक, हर स्तर पर व्यापक पुनर्विचार की आवश्यकता है।

यह केवल सरकारी एजेंसियों का काम नहीं, बल्कि किसानों, उद्योगों, वैज्ञानिकों और उपभोक्ताओं सभी की साझा जिम्मेदारी है। अन्यथा, हम यह भ्रम पालते रहेंगे कि हम कीटों और संक्रमणों के खिलाफ युद्ध जीत रहे हैं, जबकि धीरे-धीरे अपने ही स्वास्थ्य और अपनी ही साख को नुकसान पहुंचा रहे होंगे।

# अब समुद्र पर भी राज करेगा भारत...

> कोलकाता के श्यामा प्रसाद मुखर्जी बंदरगाह पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भारतीय नौसेना को तीन ताकतवर स्वदेशी युद्धपोत दुनागिरी, संशोधक और अग्रय सौंपेंगे। यह नौसेना में सिर्फ तीन नए जहाजों के शामिल होने का कार्यक्रम नहीं, बल्कि हिंद महासागर में भारत की बढ़ती समुद्री ताकत और आत्मनिर्भर रक्षा क्षमता का बड़ा प्रदर्शन भी माना जा रहा है। स्वदेशी तकनीक से बने ये तीनों युद्धपोत समुद्री युद्ध, समुद्री निगरानी और पनडुब्बियों से मुकाबले में भारतीय नौसेना को नई ताकत देने वाले साबित होंगे।

**नीरज कुमार दुबे**

इन तीनों युद्धपोतों की सबसे बड़ी खासियत यह है कि इन्हें भारतीय नौसेना के युद्धपोत डिजाइन ब्यूरो ने तैयार किया है और कोलकाता स्थित गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स ने निर्मित किया है। इन जहाजों में 75 प्रतिशत से अधिक स्वदेशी सामग्री का उपयोग हुआ है। इस परियोजना में दो सौ से अधिक सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योगों की भागीदारी ने यह स्पष्ट कर दिया है कि भारत अब रक्षा आयात पर निर्भर रहने वाला देश नहीं, बल्कि अत्याधुनिक युद्धक क्षमता विकसित करने वाली शक्ति बन चुका है। हम आपको बता दें कि तीनों प्लेटफार्म अपने आप में अलग सामरिक जिम्मेदारियां निभाने वाले समुद्री हथियार हैं। दुनागिरी जहां गहरे समुद्र में आक्रामक युद्ध क्षमता का प्रतीक है, वहीं संशोधक समुद्री खुफिया और महासागरीय जानकारी जुटाने का अत्याधुनिक साधन है। दूसरी ओर अग्रय तटीय क्षेत्रों में दुश्मन की पनडुब्बियों का शिकार करने वाला घातक हथियार है। इन तीनों को एक साथ नौसेना में शामिल करना इस बात का संकेत है कि भारत अब समुद्री सुरक्षा को केवल युद्ध तक सीमित नहीं देख रहा, बल्कि निगरानी, सूचना वर्चस्व और समुद्री प्रभुत्व की व्यापक रणनीति पर काम कर रहा है।

हम आपको बता दें कि दुनागिरी परियोजना सत्रह ए के तहत निर्मित पांचवां स्टील्थ युद्धपोत है। इसकी बनावट ऐसी है कि दुश्मन के राडार इसे आसानी से पकड़ नहीं सकते। इसमें ब्रह्मोस सुपरसोनिक प्रहारक मिसाइलें और मध्यम दूरी की वायु रक्षा प्रणाली तैनात है। इसका अर्थ यह है कि यह युद्धपोत समुद्र से दुश्मन के जहाजों, ठिकानों और हवाई खतरों पर एक साथ हमला करने में सक्षम है। हिंद महासागर में चीन की बढ़ती मौजूदगी और पाकिस्तान की नौसैनिक गतिविधियों को देखते हुए दुनागिरी का शामिल होना भारतीय नौसेना की मारक क्षमता को कई गुना बढ़ाने वाला कदम माना जा रहा है।

रणनीतिक नजरिये से देखें तो यह युद्धपोत भारत की ब्लू वाटर क्षमता को मजबूत करेगा। ब्लू वाटर क्षमता का मतलब केवल तटों की रक्षा नहीं, बल्कि हजारों किलोमीटर दूर समुद्री क्षेत्रों में भी सैन्य प्रभाव बनाए रखना होता है। भारत लंबे समय से हिंद महासागर क्षेत्र में अपनी निर्णायक मौजूदगी स्थापित करना चाहता है और दुनागिरी उसी दिशा में एक मजबूत कदम है।

वहीं संशोधक का महत्व अपेक्षाकृत शांत लेकिन अत्यंत गहरा है। यह विशाल सर्वेक्षण पोत समुद्र की सतह के नीचे की दुनिया का मानचित्र तैयार करेगा। इसमें स्वचालित जलयान, दूर नियंत्रित यंत्र और अत्याधुनिक सर्वेक्षण प्रणाली लगी हुई हैं। यह समुद्री गहराई, समुद्र तल की बनावट, जलधाराओं और भूभौतिकीय आंकड़ों का संग्रह करेगा।

सामरिक दृष्टि से यह जानकारी युद्ध के समय बेहद महत्वपूर्ण होती है। पनडुब्बियों की आवाजाही, समुद्री सुरंगों की पहचान और नौसैनिक मार्गों की सुरक्षा इसी तरह के आंकड़ों पर निर्भर करती है। यही कारण है कि समुद्री सर्वेक्षण पोतों को आधुनिक नौसैनिक युद्ध का मौन हथियार कहा जाता है। नागरिक उपयोग में भी संशोधक समुद्री व्यापार मार्गों, बंदरगाह विकास और आपदा प्रबंधन के लिए अहम भूमिका निभाएगा।



साथ ही अग्रय भारतीय नौसेना की तटीय सुरक्षा रणनीति का सबसे तेज और घातक हिस्सा माना जा रहा है। यह अर्णाला श्रेणी का पनडुब्बी रोधी युद्धपोत है, जिसे उथले समुद्री क्षेत्रों में दुश्मन की पनडुब्बियों का पता लगाने और उन्हें नष्ट करने के लिए तैयार किया गया है। इसमें हल्के टॉरपीडो, स्वदेशी रॉकेट प्रक्षेपक और उथले पानी में काम करने वाली सोनार प्रणाली लगी है।

देखा जाये तो आज के दौर में पनडुब्बियां समुद्री युद्ध का सबसे खतरनाक हथियार मानी जाती हैं। चीन हिंद महासागर में लगातार अपनी पनडुब्बियों की गतिविधियां बढ़ा रहा है। पाकिस्तान भी चीनी सहयोग से अपनी पनडुब्बी क्षमता मजबूत कर रहा है। ऐसे में अग्रय जैसे युद्धपोत भारत की समुद्री सीमाओं के लिए सुरक्षा कवच साबित होंगे। खासकर बंगाल की खाड़ी और अरब सागर जैसे संवेदनशील क्षेत्रों में इसकी भूमिका निर्णायक मानी जा रही है।

देखा जाये तो इन तीनों युद्धपोतों का एक साथ नौसेना में शामिल होना केवल सैन्य उपलब्धि नहीं, बल्कि रणनीतिक संदेश भी है। भारत दुनिया को यह बता रहा है कि वह अब समुद्री शक्ति संतुलन में निर्णायक भूमिका निभाने के लिए तैयार है। हिंद महासागर क्षेत्र में चीन की विस्तारवादी नीति, समुद्री व्यापार मार्गों की सुरक्षा, ऊर्जा आपूर्ति की रक्षा और समुद्री निगरानी जैसे मुद्दों ने नौसैनिक ताकत को पहले से कहीं अधिक महत्वपूर्ण बना दिया है।

सबसे महत्वपूर्ण पहलू यह है कि भारत ने यह क्षमता विदेशी तकनीक के सहारे नहीं, बल्कि अपने दम पर विकसित की है। आत्मनिर्भर भारत अभियान का वास्तविक चेहरा अब रक्षा क्षेत्र में दिखाई देने लगा है। युद्धपोत निर्माण से लेकर हथियार प्रणालियों तक स्वदेशीकरण का यह विस्तार आने वाले वर्षों में भारत को वैश्विक रक्षा निर्यातक भी बना सकता है। बहरहाल, कोलकाता में होने वाला यह समारोह इसलिए ऐतिहासिक है क्योंकि यह केवल जहाजों का शामिल होना नहीं, बल्कि भारत की समुद्री महत्वाकांक्षा, सैन्य आत्मविश्वास और रणनीतिक उभार का सार्वजनिक उद्घोष है। हिंद महासागर में अब भारत केवल चौकसी नहीं करेगा, बल्कि नेतृत्व की भूमिका निभाने की तैयारी में दिखाई दे रहा है।

# धनबाद में अब तक 74.73 प्रतिशत मतदाताओं का मैपिंग संपन्न : डीसी

**धनबाद (कासं) :** विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआइआर) को लेकर जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त आदित्य रंजन ने पत्रकार वार्ता का आयोजन कर मीडिया को बताया कि एसआइआर प्रक्रिया में धनबाद के ७४.७३ प्रतिशत मतदाताओं का मैपिंग संपन्न हुआ है। इसमें सिंदरी विधानसभा के ८३.३४ प्रतिशत निरसा के ८५.०४ प्रतिशत धनबाद के ५६.६७ प्रतिशत, झरिया के ६३.६४ प्रतिशत, टुंडी के ८५.७९ प्रतिशत एवं बाघमारा विधानसभा के ८०.४६ प्रतिशत मतदाताओं का मैपिंग कर लिया गया है। जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने बताया कि जिले के २१ लाख १५ हजार ९९७ मतदाताओं में से १५ लाख ८१ हजार ३६४ मतदाताओं की मैपिंग हो गई है। जबकि ५ लाख ३४ हजार ६३३ मतदाताओं की मैपिंग नहीं हुई है। वहीं सिंदरी विधानसभा में ७५८८४, निरसा में ६९८०६, धनबाद में ६०६०७, झरिया में ५०७७०, टुंडी में ६३८७३ व बाघमारा विधानसभा में ५२४६७ मतदाताओं सहित ३७३४०७ मतदाताओं में विसंगतियां पाई गई। एसआइआर की विशेषताओं पर प्रकाश डालते हुए जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने मीडिया को बताया कि सभी विधानसभा के ईआरओ यह सुनिश्चित करेंगे कि एसआइआर के दौरान कोई भी योग्य नागरिक छूटा नहीं है तथा किसी भी अयोग्य व्यक्ति को शामिल नहीं किया गया है। उन्होंने बताया कि एसआइआर के दौरान जो भी मतदाता अपना गणना प्रपत्र जमा करेंगे उन्हें पिछले इंसेंटिव रिवीजन के साथ मैपिंग के साथ या बिना मैपिंग के ड्राफ्ट मतदाता सूची में शामिल किया जाएगा।

साथ में बताया कि जिन मतदाता ने साइन करने से मना कर दिया है और जिन मतदाता का नाम एब्सेंट, शिफ्टेड, डेथ या डुप्लीकेट लिस्ट में है, उनके गणना प्रपत्र को ड्राफ्ट मतदाता सूची में शामिल नहीं किया जाएगा। वही वैसे मतदाताओं को सुनवाई का मौका दिए बिना ड्राफ्ट रोल से किसी का नाम नहीं हटाया जाएगा। किसी भी प्रभावित व्यक्ति के लिए दो लेवल की अपील का प्रावधान है। जबकि नए मतदाता को डिक्लेरेशन फॉर्म के साथ फॉर्म ६ भी जमा करना होगा। जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने बताया कि यदि कोई भी भारतीय नागरिक है और उनका नाम वर्तमान मतदाता सूची में पंजीकृत नहीं है तो वे फॉर्म ६ एवं घोषणा पत्र के साथ जन्मतिथि के अनुसार स्वयं अथवा स्वयं के साथ माता या पिता या स्वयं के साथ माता एवं पिता दोनों का दस्तावेज देना होगा।

उन्होंने बताया कि यदि किसी का जन्म १ जुलाई १९८७ से पहले भारत में हुआ है तो उनको सिर्फ स्वयं का दस्तावेज देना होगा। यदि जन्म १ जुलाई १९८७ से २ दिसंबर २००४ के बीच भारत में हुआ है तो उनका स्वयं के साथ माता अथवा पिता में से किसी एक का दस्तावेज देना होगा। जबकि यदि किसी का जन्म २ दिसंबर २००४ के बाद भारत में हुआ है तो उनको स्वयं के साथ माता एवं पिता दोनों के दस्तावेज देने होगा।

उन्होंने बताया कि यदि किसी का जन्म भारत के बाहर हुआ है एवं उनके मातापिता भारतीय नागरिक हैं तो उनको, उनके जन्म वाले देश में स्थित भारतीय दूतावास से जारी जन्म प्रमाण पत्र देना होगा। वहीं यदि उनका जन्म भारत के बाहर हुआ है एवं उनके माता-पिता भारत के नागरिक नहीं है तो उनको नागरिकता



प्रमाण पत्र देना होगा। जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने बताया कि यदि किसी का या एवं उनके मातापिता का नाम गत एसआइआर की मतदाता सूची में दर्ज नहीं है तो वेकिसी भी केंद्रीय/राज्य/सार्वजनिक क्षेत्र के नियमित कर्मचारी अथवा पेंशनभोगी को जारी किया गया कोई भी पहचान पत्र/पेंशन भुगतान आदेश। २.०१.०७.१९८७ से पूर्व भारत में सरकार/स्थानीय प्राधिकरण/बैंक/डाकघर/एलआईसी/ सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों द्वारा जारी किया गया कोई भी पहचान पत्र/प्रमाणपत्र/दस्तावेज, सक्षम प्राधिकारी द्वारा जारी जन्म प्रमाण पत्र, पासपोर्ट्, मान्यता प्राप्त बोर्ड/विश्वविद्यालय द्वारा जारी मैट्रिकुलेशन अथवा शैक्षणिक प्रमाण पत्र, सक्षम प्राधिकारी द्वारा जारी स्थायी निवास प्रमाण पत्र, वन अधिकार प्रमाण पत्र, सक्षम प्राधिकारी द्वारा जारी ओबीसी/एससी/एसटी अथवा अन्य जाति प्रमाण पत्र, राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर (जहाँ भी मौजूद हो), राज्य/स्थानीय प्राधिकारियों द्वारा तैयार किया गया परिवार रजिस्टर, सरकार द्वारा जारी भूमि/मकान आवंटन प्रमाण पत्र (खतियान की प्रति) अथवा आधार की प्रति देने पर ऊपर बताए गए ११ दस्तावेजों में से किसी एक की स्वसत्यापित प्रति भी जमा कर सकते है।

पत्रकार वार्ता के दौरान विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम की समय सारणी पर प्रकाश डालते हुए जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने मीडिया को बताया कि २० से २९ जून तक प्रशिक्षण एवं मुद्रण कार्य संपन्न किया जा रहा है। ३० से २९ जुलाई तक बीएलओ द्वारा घरघर भ्रमण करेंगे। २९ जुलाई तक मतदान केंद्रों का राशनलाइजेशन पूरा कर लिया जाएगा। ५ अगस्त को प्रारूप मतदाता सूची का प्रकाशन किया जाएगा। ५ अगस्त से ४ सितंबर तक दावा एवं आपत्ति करने के लिए समय निर्धारित किया गया है। ५ अगस्त से ३ अक्टूबर तक दावों एवं आपत्तियों का निपटान किया जाएगा। जबकि ७ अक्टूबर २०२६ को अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन किया जाएगा।

जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने बताया कि विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम को त्रुटि रहित एवं समय पर संपन्न कराने के लिए उप निर्वाचन पदाधिकारी, सभी निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी, सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी, अतिरिक्त सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी, बीएलओ, बीएलओ सुपरवाइजर, बूथ लेवल एजेंट २, वलिंटियर्स को प्रशिक्षित किया गया है।

जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने बताया कि कोई भी मतदाता वेबसाइट पर २००३ के मतदान केंद्र की जानकारी, २००३ की मतदाता सूची को डाउनलोड, २००३ की मतदाता सूची में अपना नाम, अनमैप्ड मतदाता की सूची, बीएलओ का नाम और मोबाइल नंबर एवं देख सकता है। जबकि पिछले एसआइआर में अपना नाम, मतदाता सूची से अपना नाम डिलीट करने, वोटर कार्ड में सुधार इत्यादि कर सकता है।

मीडिया को मतदान केंद्रों की जानकारी देते हुए जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने बताया कि राशनलाइजेशन के बाद जिले में पहले २३७२ मतदान केंद्र थे उसमें ११२ केंद्रों की बढ़ोतरी के साथ अब यह २४८४ हो गए हैं। इसमें कुछ विधानसभा में मतदान केंद्रों में बढ़ोतरी हुई है जबकि कुछ विधानसभा में मतदान केंद्रों की संख्या कम हुई है।

पत्रकार वार्ता के समापन से पूर्व जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने जिले के सभी मतदाताओं को विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम में बीएलओ एवं बीएलओ सुपरवाइजर को सहयोग कर अपना नाम मतदाता सूची में अवश्य रुप से मैपिंग कराने की अपील की। पत्रकार वार्ता में जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त आदित्य रंजन, उप विकास आयुक्त सन्नी राज, उप निर्वाचन पदाधिकारी कालिदास मुंडा, निदेशक डीआरडीबी राजीव रंजन, जिला शिक्षा पदाधिकारी अभिषेक झा,जिला जनसंपर्क पदाधिकारी सुनील कुमार सिंह के अलावा बड़ी संख्या में प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के प्रतिनिधि मौजूद थे।

# जिला प्रशासन की टीम ने किया विभिन्न कोचिंग संस्थानों का निरीक्षण

**धनबाद (कासं) :** छात्रों की सुरक्षा से खिलवाड़ और अग्नि सुरक्षा मानकों की अनदेखी करने वाले कोचिंग संस्थानों के खिलाफ जिला प्रशासन ने सख्त रुख अख्तियार कर लिया है। उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी आदित्य रंजन के निर्देश पर एसडीएम लोकेश बारंगे के नेतृत्व में जिला प्रशासन की विशेष टीमों ने शहर के विभिन्न क्षेत्रों में संचालित कोचिंग संस्थानों का औचक निरीक्षण किया।

इस दौरान टीम ने सिटी सेंटर तथा सरायढेला के विभिन्न कोचिंग संस्थानों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कई नामी और छोटे कोचिंग संस्थानों में सुरक्षा नियमों की गंभीर कमियां पाई गई। इसके बाद प्रशासन ने त्वरित कार्रवाई करते हुए कई संस्थानों को सभी जरूरी सुरक्षा मानक पूरे होने तक तत्काल प्रभाव से बंद करने के निर्देश जारी किए हैं। जिसकी लिखित हस्ताक्षर किए हुए दस्तावेज संबंधित कोचिंग संचालकों से प्राप्त की गई। जांच के दौरान पाया गया कि कई संस्थानों में न तो आग बुझाने के पर्याप्त इंतजाम थे और न ही आपातकालीन निकास की व्यवस्था थी।कई कोचिंग सेंटरों में वेंटिलेशन की भारी कमी थी और क्षमता से दोगुना बच्चों को एक साथ बिठाया जा रहा था, जो किसी भी आपात स्थिति में बेहद खतरनाक साबित हो सकता है।

एसडीएम ने तत्काल सभी बच्चों को कोचिंग संस्थानों से बाहर किया। जिन संस्थानों में कमियां पाई गईं, उन्हें सभी मानक पूरा करने तक संस्थान बंद करने का निर्देश दिया गया है। जब तक वे जिला अग्निशमन विभाग से नो ऑब्जेक्शन सर्टिफिकेट और सभी मानक पूरे नहीं कर लेते, तब तक वहां कक्षाओं के संचालन पर पूरी तरह रोक रहेगी। अनुमंडल पदाधिकारी लोकेश बारंगे ने कहा कि छात्रों की सुरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। व्यावसायिक लाभ के लिए बच्चों की जान को जोखिम में डालने की अनुमति किसी को नहीं दी जा सकती। यह अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा। सभी कोचिंग संचालक जल्द से जल्द सरकारी गाइडलाइंस के तहत अपनी सुरक्षा व्यवस्था दुरुस्त कर लें, अन्यथा उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

मौके पर एसडीएम लोकेश बारंगे, जिला आपदा प्रबंधन पदाधिकारी संजय झा, अंचल अधिकारी राम प्रवेश कुमार, जिला अग्निशमन पदाधिकारी लक्षण प्रसाद, नगर निगम के पदाधिकारी, जिला सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी आलोक कुमार मिश्रा समेत थाना प्रभारी, विद्युत विभाग के भी पदाधिकारी मौजूद रहे।

# डालसा के प्रयासों से गुमशुदा बुजुर्ग अपने परिवार से मिले

**धनबाद (कासं) :** झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण (झालसा), रांची के तत्वावधान में चलाए जा रहे विश्व बुजुर्ग दुर्व्यवहार जागरूकता अभियान के तहत जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (डालसा), धनबाद की पहल से एक गुमशुदा बुजुर्ग को उनके परिजनों से मिलाया गया। डालसा, सचिव सह अवर न्यायाधीश मयंक तुषार टोपनो ने बताया कि विगत २१ जून को धनबाद रेलवे स्टेशन पर अधिकार मित्र मनोज कुमार, सीता कुमारी एवं संदीप कुमार द्वारा एक असहाय वृद्ध व्यक्ति सिमोनतो दास (६१), निवासी जामताड़ा, का रेस्क्यू किया गया। उस समय वृद्ध व्यक्ति अत्यंत परेशान, भूखे एवं प्यासे अवस्था में पाए गए थे। मामले की सूचना मिलने पर, प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश निकेश कुमार सिन्हा अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, धनबाद के निर्देशानुसार उन्हें तत्काल आवश्यक सहायता उपलब्ध कराई गई तथा सुरक्षित रूप से मिशनरीज ऑफ चैरिटी, मेमको मोड़, धनबाद में ठहराया गया।

इसके बाद डालसा की रेस्क्यू टीम ने सक्रियता दिखाते हुए




बुजुर्ग के घर एवं परिजनों का पता लगाया।

टीम के प्रयासों से उनके परिवार से संपर्क स्थापित किया गया। विगत सोमवार को परिजनों को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कार्यालय, धनबाद बुलाया गया, जहां सचिव द्वारा सभी औपचारिकताएं पूरी करने के बाद सिमोनतो दास को सुरक्षित उनके परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया। इस अवसर पर सचिव, डालसा ने कहा कि जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की पूरी टीम जरूरतमंद, असहाय, बुजुर्ग एवं वंचित व्यक्तियों को सहायता और न्याय दिलाने के लिए हमेशा तत्पर है। उन्होंने कहा कि समाज के कमजोर एवं असहाय लोगों तक कानूनी सहायता और आवश्यक सहयोग पहुंचाना प्राधिकरण की प्राथमिकता है। इस सफल पहल की परिजनों ने सराहना करते हुए डालसा की टीम के प्रति आभार व्यक्त किया।

# बीपीएससी में पतिपत्नी ने शानदार सफलता हासिल की

**झरिया (ससे) :** कहते हैं कि अगर सपने बड़े हों और हौसले मजबूत, तो मुश्किल रास्ते भी मंजिल तक पहुंचा ही देते हैं। झरिया के चौथाई कुल्ही, भालगोड़ा २ नंबर चानक निवासी विकास कुमार सिंह और उनकी पत्नी कोमल कुमारी सिंह ने कुछ ऐसा ही कर दिखाया है। ७०वीं बीपीएससी परीक्षा के परिणाम में दोनों ने सफलता हासिल कर पूरे क्षेत्र का नाम रोशन किया है। विकास कुमार सिंह का चयन प्रखंड पंचायती राज पदाधिकारी के पद पर हुआ है। उन्होंने १०५८वीं रैंक हासिल की है। वहीं उनकी पत्नी कोमल कुमारी सिंह ने ४८९वीं रैंक प्राप्त कर डीएसपी पद के लिए चयनित होकर बड़ी उपलब्धि हासिल की है। इस दंपति की सफलता की सबसे खास बात यह है कि दोनों ने अपनी शादी के ठीक अगले दिन बीपीएससी की प्रारंभिक परीक्षा दी थी। जहां शादी के बाद ज्यादातर लोग नई जिंदगी की शुरुआत और पारिवारिक रस्मों में व्यस्त होते हैं, वहीं विकास और कोमल अपने सपनों को पूरा करने के लिए परीक्षा केंद्र पहुंचे थे। उस समय लिया गया यह फैसला आज उनकी





जिंदगी की सबसे बड़ी सफलता बन गया है। बेगुसराय की रहने वाली कोमल कुमारी सिंह पहले राजस्व कर्मचारी के पद पर कार्यरत थीं, लेकिन उनका सपना प्रशासनिक सेवा में जाने का था। इसी सपने को पूरा करने के लिए उन्होंने नौकरी छोड़कर पूरी तरह प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी शुरू की और दूसरे प्रयास में डीएसपी बनने का मुकाम हासिल किया।

वहीं विकास कुमार सिंह ने अपनी सफलता का श्रेय परिवार के सहयोग और मार्गदर्शन को दिया है। उन्होंने बताया कि उनके बड़े भाई सूरज कुमार सिंह ने हर मुश्किल दौर में उनका हौसला बढ़ाया और लक्ष्य से भटकने नहीं दिया। प्रखंड पंचायती राज पदाधिकारी के लिए चयनित अभ्यर्थी। विकास और कोमल की यह कहानी उन युवाओं के लिए प्रेरणा है, जो अपने सपनों को पूरा करने के लिए संघर्ष कर रहे है। दोनों ने साबित कर दिया कि मेहनत, धैर्य और मजबूत इरादों के सामने कोई भी चुनौती बड़ी नहीं होती।

# बजरंगबली मंदिर का प्राणप्रतिष्ठा व भंडारा आयोजित

**सिंदरी (ससे) :** बीआईटी सिंदरी परिसर स्थित नवनिर्मित बजरंगबली मंदिर में मंदिर समिति की ओर से भंडारे का आयोजन किया गया। इससे पूर्व कलश यात्रा तथा विधिविधान के साथ प्राणप्रतिष्ठा और १२ घंटे के अखंड कीर्तन का आयोजन हुआ था।

भंडारे में मुख्य अतिथि के रूप में जनता मजदूर संघ के महामंत्री अभिषेक सिंह शामिल हुए। जन अधिकार मंच के अध्यक्ष ने अंगवस्त्र



ओढ़ाकर उनका स्वागत किया। कार्यक्रम में सुनील सिंह, देवनन्दन सिंह, प्रभात श्रीवास्तव, मेघा, अजय सिंह, रमेश सिंह, ललित, राजेश सिंह, संजित, मनोज पंडित समेत बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

# आरोपियों के घर पुलिस ने चिपकाया इश्तेहार

**पुटकी (ससे) :** मुनीडीह ओपी क्षेत्र के मझलाडीह, कारीटांड, निवासी कविता कुमारी और शांति कुमारी पिता मधु मोची के मकान पर मुनीडीह ओपी के एएसआई लाल धारी रजक ने



इश्तेहार चस्पा किया। कांड संख्या जीआर ८९२/२०१८ के दोनों नामजद आरोपी हैं। दोनों फरार चल रहे हैं।

# हीरापुर के बीपीएससी में 95वीं रैंक हासिल कर एसडीएम बने शुभम

**धनबाद (कासं) :** धनबाद जिले के लिए गर्व की बात है कि जमुई के पैतृक निवासी एवं



वर्तमान में हीरापुर स्थित प्रोफेसर कॉलोनी, चीरागोड़ा धनबाद में रहने वाले शुभम कुमार का चयन बिहार लोक सेवा आयोग (बीपीएससी) परीक्षा में ९५वीं रैंक के साथ सदर अनुमंडल दंडाधिकारी (एसडीएम) पद पर हुआ है। उनकी इस उपलब्धि से परिवार, शुभचिंतकों तथा पूरे क्षेत्र में हर्ष का माहौल है। शुभम कुमार के दादा भगवान लाल बरनवाल तथा पिता प्रदीप बरनवाल हैं। उनकी माता उषा देवी हैं। परिवार मूल रूप से जमुई जिले के झुण्डों खेरा क्षेत्र के निवासी है। उनके पिता हीरापुर के पार्क मार्केट स्थित माधव अपार्टमेंट में व्यवसाय करते हैं।

शुभम की प्रारंभिक शिक्षा धनबाद में हुई। उन्होंने वर्ष २०१३ में जीजीसीईटी सेंट जेवियर्स स्कूल से मैट्रिक तथा इंटरमीडिएट की पढ़ाई पूरी की। इसके बाद उन्होंने दिल्ली विश्वविद्यालय के केशव महाविद्यालय से कंप्यूटर साइंस में स्नातक किया। स्नातक के बाद उन्होंने दिल्ली में रहकर संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) की तैयारी की और दो वर्ष पूर्व केंद्रीय सिविल सेवा परीक्षा के साक्षात्कार चरण तक पहुंचने में सफलता प्राप्त की थी। बाद में उन्होंने सेवा कर अधिकारी के रूप में गुजरात में अपनी सेवाएं दीं। वर्तमान में वे सीबीएसई के पटना जोन में अधीक्षक के पद पर कार्यरत हैं।

लगातार मेहनत, लगन और दृढ़ संकल्प के बल पर उन्होंने बीपीएससी परीक्षा में सफलता हासिल कर एसडीएम पद प्राप्त किया है। बरनवाल युवा मंच धनबाद ने शुभम कुमार को बीपीएससी में ९५वां स्थान लाने पर इन्हें और इनके माता पिता को शॉल मोमेंटो एवं बुके देकर सम्मानित किया।

बरनवाल युवा मंच धनबाद के अध्यक्ष मनोज कुमार बरनवाल ने उन्हें बधाई देते हुए इनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी। उनकी उपलब्धि को युवाओं के लिए प्रेरणादायक बताते हुए कहा कि कठिन परिश्रम और निरंतर प्रयास से किसी भी लक्ष्य को हासिल किया जा सकता है।

# मोहर्रम को लेकर पुलिस ने निकाला फ्लैग मार्च

**धनबाद (कासं) :** आगामी मोहर्रम पर्व को शांतिपूर्ण, सुरक्षित एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न



कराने को लेकर धनबाद पुलिस पूरी तरह सक्रिय हो गई है। वरीय पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार के निर्देश पर सिटी एसपी ऋत्विक श्रीवास्तव के नेतृत्व में पुलिस कंट्रोल रूम से व्यापक फ्लैग मार्च निकाला गया। फ्लैग मार्च का उद्देश्य आम लोगों में सुरक्षा की भावना मजबूत करना, संवेदनशील क्षेत्रों में पुलिस की मौजूदगी दर्ज कराना तथा असामाजिक तत्वों को स्पष्ट संदेश देना था कि पर्व के दौरान कानून व्यवस्था से खिलवाड़ करने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी। फ्लैग मार्च में सिटी हॉक्स की टीम, विभिन्न थानों के पुलिस पदाधिकारी, जवान तथा पुलिस वाहन शामिल रहे। मार्च पुलिस कंट्रोल रूम से प्रारंभ होकर हिल कॉलोनी, पम्पू तालाब, बरमसिया पुल, गजुआटांड, गोल बिल्डिंग, मनाईटांड, डुमरियाटांड, टिकियापाड़ा, रेलवे सिनेमा रोड, स्टेशन साउथ साइड, बैंक मोड़, नया बाजार, कमर मखदूमी रोड, रहमतगंज, आरा मोड़, शमशेर नगर, आजाद नगर, भारत चौक, पांडरपाला, पॉलिटेकनिक रोड, बेकारबांध, सिटी सेंटर तथा रणधीर वर्मा रोड सहित शहर के कई प्रमुख एवं संवेदनशील इलाकों से होकर गुजरा। फ्लैग मार्च के दौरान पुलिस अधिकारियों ने विभिन्न स्थानों पर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया और स्थानीय लोगों से संवाद भी किया। अधिकारियों ने लोगों से शांति और भाईचारे के साथ मोहर्रम मनाने की अपील करते हुए कहा कि किसी भी प्रकार की अफवाह पर ध्यान न दें तथा संदिग्ध गतिविधियों की सूचना तत्काल पुलिस को दें। सोशल मीडिया पर भ्रामक या आपत्तिजनक पोस्ट करने वालों पर भी पुलिस की विशेष नजर है। धनबाद पुलिस द्वारा मोहर्रम को लेकर विशेष सुरक्षा योजना तैयार की गई है। पर्व के दौरान संवेदनशील स्थानों पर अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती, गश्ती दलों की सक्रियता, त्वरित कार्रवाई दल की उपलब्धता तथा सीसीटीवी, ड्रोन और अन्य तकनीकी माध्यमों से निगरानी सुनिश्चित की जा रही है। पुलिस अधिकारियों को अपनेअपने क्षेत्रों में लगातार भ्रमण करने तथा स्थिति पर पैनी नजर रखने का निर्देश दिया गया है। शहर के अलावा ग्रामीण और कोयलांचल क्षेत्रों में भी सुरक्षा व्यवस्था को लेकर विशेष सतर्कता बरती जा रही है। इसी क्रम में झरिया, कतरास और गोविंदपुर क्षेत्र में भी स्थानीय पुलिस के नेतृत्व में फ्लैग मार्च निकाला गया। इन क्षेत्रों में पुलिस ने प्रमुख चौकचौराहों, बाजारों तथा संवेदनशील इलाकों का भ्रमण कर आम नागरिकों को सुरक्षा का भरोसा दिलाया और शांति बनाए रखने की अपील की।

फ्लैग मार्च में सिटी एसपी ऋत्विक श्रीवास्तव के साथ डीएसपी विधिब्यवस्था प्रकाश सोय, डीएसपी ट्रैफिक रोहित साव, डीएसपी सीसीआर प्रदीप साव समेत कई थाना प्रभारी, पुलिस पदाधिकारी और बड़ी संख्या में जवान मौजूद थे। अधिकारियों ने कहा कि मोहर्रम के दौरान जिले में विधिब्यवस्था बनाए रखना सर्वोच्च प्राथमिकता है और किसी भी परिस्थिति से निपटने के लिए पुलिस पूरी तरह तैयार है।

## मोहर्रम को ले पुलिस ने किया मॉक ड्रिल का आयोजन

**धनबाद (कासं) :** मोहर्रम पर्व को शांतिपूर्ण, सुरक्षित एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने को लेकर धनबाद पुलिस ने अपनी तैयारियां तेज कर दी हैं। वरीय पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार के निर्देशानुसार पुलिस केंद्र धनबाद में एक विशेष मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया। मॉक ड्रिल का नेतृत्व सिटी एसपी ऋत्विक श्रीवास्तव एवं ग्रामीण एसपी एस. मोहम्मद याकूब ने किया।



मॉक ड्रिल के दौरान पुलिस बल की त्वरित प्रतिक्रिया क्षमता, भीड़ नियंत्रण, संवेदनशील परिस्थितियों से निपटने की रणनीति तथा आपातकालीन हालात में समन्वित कार्रवाई की तैयारियों का आकलन किया गया। जवानों को विभिन्न परिस्थितियों में कानूनब्यवस्था बनाए रखने के तरीकों का व्यावहारिक प्रशिक्षण भी दिया गया। वरीय अधिकारियों ने जवानों को निर्देश दिया कि मोहर्रम के दौरान सभी संवेदनशील क्षेत्रों में विशेष सतर्कता बरती जाए तथा किसी भी प्रकार की अफवाह या असामाजिक गतिविधि पर तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। साथ ही पर्व के दौरान आम लोगों की सुरक्षा, यातायात व्यवस्था और शांति बनाए रखने के लिए पुलिस बल को पूरी तरह मुस्तैद रहने को कहा गया।

इस अवसर पर डीएसपी सीसीआर प्रदीप कुमार साव, ट्रैफिक डीएसपी रोहित कुमार साव, सार्जेंट मेजर अवधेश कुमार सहित कई पुलिस पदाधिकारी एवं जवान मौजूद रहे। अधिकारियों ने मॉक ड्रिल में शामिल जवानों की तैयारियों का जायजा लिया तथा आवश्यक दिशानिर्देश दिए। धनबाद पुलिस ने स्पष्ट किया है कि मोहर्रम के दौरान जिले भर में सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए है। संवेदनशील क्षेत्रों में अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती, लगातार गश्ती, सीसीटीवी निगरानी तथा वरीय अधिकारियों द्वारा नियमित मॉनिटरिंग की जा रही है ताकि पर्व शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हो सके।

# दिव्यांगजनों के बीच बैटरी चालित ट्राई साइकिल का वितरण



बोकारो (ससे): दिव्यांगजनों को आत्मनिर्भर बनाने एवं उनके जीवन को सुगम बनाने के उद्देश्य से आज दिनांक २४ जून, २०२६ को समाहरणालय परिसर से सीएसआर (कॉरपोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी) मद के तहत बैटरी चालित ट्राई साइकिल वितरण कार्यक्रम* का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जिले के चयनित १६ दिव्यांग लाभुकों के बीच बैटरी चालित ट्राई साइकिल का वितरण किया गया। इस अवसर पर उपस्थित उपायुक्त अजय नाथ झा ने कहा कि दिव्यांगजनों को समाज की मुख्यधारा से जोड़ना प्रशासन की प्राथमिकता है।

बैटरी चालित ट्राई साइकिल मिलने से लाभुकों की आवाजाही आसान होगी तथा वे अपने दैनिक कार्यों को अधिक स्वतंत्रता एवं ज्यादा सक्षम रूप से कर सकेंगे। इससे शिक्षा, रोजगार एवं सामाजिक गतिविधियों में उनकी भागीदारी भी बढ़ेगी। मौके पर उप विकास आयुक्त शताब्दी मजूमदार, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी रवि कुमार, सीईओ बीपीएससीएल सुधीर कुमार व्यास, प्रभारी पदाधिकारी सीएसआर सह जिला आपदा प्रबंधन पदाधिकारी श्री शक्ति कुमार उपस्थित थे।

उपायुक्त अजय नाथ झा ने कहा कि दिव्यांगजन समाज का अभिन्न अंग हैं और उन्हें आत्मनिर्भर एवं सम्मानजनक जीवन प्रदान करना जिला प्रशासन की प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि सीएसआर मद से उपलब्ध कराई गई बैटरी चालित ट्राई साइकिल दिव्यांगजनों की दैनिक गतिविधियों को सुगम बनाने के साथ-साथ उनकी गतिशीलता और आत्मविश्वास को बढ़ाने में सहायक होगी। उन्होंने आगे कहा कि जिला प्रशासन दिव्यांगजनों के कल्याण एवं सशक्तिकरण के लिए प्रतिबद्ध है। सरकार की विभिन्न योजनाओं का लाभ पात्र लाभुकों तक पहुंचाने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। साथ ही उन्होंने लाभुकों से ट्राई साइकिल का सावधानीपूर्वक उपयोग करने तथा इसका रखरखाव सुनिश्चित करने की अपील की।

कार्यक्रम के दौरान लाभुकों को ट्राई साइकिल के सुरक्षित संचालन एवं रखरखाव संबंधी आवश्यक जानकारी भी दी गई। प्रभारी पदाधिकारी सीएसआर सह जिला आपदा प्रबंधन पदाधिकारी शक्ति कुमार ने कहा कि सरकार एवं जिला प्रशासन दिव्यांगजनों के सशक्तिकरण के लिए लगातार कार्य कर रहा है तथा विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र लोगों तक पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है।

लाभुकों ने बैटरी चालित ट्राई साइकिल प्राप्त कर खुशी व्यक्त की और जिला प्रशासन एवं सहयोगी संस्थाओं के प्रति आभार जताया। उन्होंने कहा कि इस सुविधा से उन्हें आवागमन में होने वाली कठिनाइयों से काफी राहत मिलेगी और वे अपने कार्यों को अधिक सहजता से कर सकेंगे।

# बीएसएल सर्वश्रेष्ठ लर्निंग एंड डेवलपमेंट पुरस्कार से सम्मानित




बोकारो (ससे): बोकारो इस्पात संयंत्र के लर्निंग एंड डेवलपमेंट विभाग ने सेल के एलएंडडी सम्मेलन ज्ञान उत्सव २.० के तहत आयोजित एचआर-एलएंडडी इनिशिएटिव्स प्रतियोगिता (वर्ष २०२५-२६) में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए 'सर्वश्रेष्ठ लर्निंग एंड डेवलपमेंट पुरस्कार' प्राप्त कर एक और उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है।

मैनेजमेंट ट्रेनिंग इंस्टिट्यूट, रांची द्वारा १९ जून २०२६ को ऑनलाइन माध्यम से इस प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था। इसमें सेल के सभी एकीकृत इस्पात संयंत्रों और इकाइयों ने अपनी नवोन्मेषी तथा प्रभावशाली एलएंडडी रणनीतियों को प्रस्तुत किया। ड्राइविंग परफॉर्मेंस थ्रू लर्निंग विषय पर आधारित इस प्रतियोगिता में, बीएसएल के एलएंडडी विभाग ने अपनी अनूठी शिक्षण पहलों, क्षमता निर्माण कार्यक्रमों और परिणामोन्मुखी विकास रणनीतियों पर आधारित प्रभावशाली प्रस्तुति के माध्यम से प्रथम स्थान प्राप्त किया।

इस प्रतियोगिता में बीएसएल का प्रतिनिधित्व एजीएम (एचआर-एलएंडडी) श्री अमित आनंद तथा एजीएम (एचआर-एलएंडडी) श्री राकेश बाबू वेलपुरी ने किया। उन्होंने बीएसएल की प्रौद्योगिकी-सक्षम एवं डिजिटल लर्निंग, नेतृत्व विकास, कौशल उन्नयन तथा कर्मचारी क्षमता निर्माण से जुड़ी उत्कृष्ट कार्यप्रणालियों को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया, जो कार्यबल की दक्षता और संगठनात्मक प्रदर्शन को सुदृढ़ करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

यह प्रतिष्ठित पुरस्कार २३ जून २०२६ को एमटीआई, रांची में आयोजित ज्ञान उत्सव २.० सम्मेलन के उद्घाटन समारोह के दौरान मुख्य अतिथि सेल के निदेशक (कार्मिक) श्री के. के. सिंह द्वारा बीएसएल की मुख्य महाप्रबंधक (एचआर-एलएंडडी) सुश्री नीता बा को प्रदान किया गया। इस सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य ज्ञान-साझाकरण, नवाचार और संगठनात्मक अधिगम की संस्कृति को बढ़ावा देना था। इस अवसर पर सेल की विभिन्न इकाइयों के वरिष्ठ अधिकारी, विषय विशेषज्ञ और अग्रणी परामर्शदाता संस्थाओं के प्रतिनिधि भी उपस्थित थे। बीएसएल की यह शानदार सफलता संगठन में निरंतर सीखने, नवाचार और पेशेवर विकास के प्रति उसकी दृढ़ प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

साथ ही, यह परिचालन उत्कृष्टता और सतत विकास के लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए आधुनिक शिक्षण पद्धतियों के प्रभावी उपयोग में बीएसएल की अग्रणी भूमिका को भी रेखांकित करती है।

## आईटीआई मोड़ के समीप हाईवे पर चला वाहन जांच अभियान

बोकारो (ससे): अनुमंडल पदाधिकारी चास प्रांजल ढांडा के निर्देश पर आईटीआई मोड़ के समीप राष्ट्रीय राजमार्ग पर विशेष वाहन जांच अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान *ओवरलोडिंग, वैध परिवहन दस्तावेजों एवं अन्य मोटर वाहन अधिनियम से संबंधित प्रावधानों की गहन जांच की गई।

जांच के क्रम में कार्यपालक दंडाधिकारी चास जया कुमारी एवं मोटर वाहन निरीक्षक के द्वारा कुल २५ ओवरलोड वाहनों की जांच की गई। नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर संबंधित वाहनों के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए लगभग २.५० लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया। प्रशासन ने स्पष्ट किया कि सड़क सुरक्षा, यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने तथा राजस्व क्षति को रोकने के उद्देश्य से ऐसे अभियान आगे भी निरंतर जारी रहेंगे। वाहन मालिकों एवं चालकों से निर्धारित मानकों के अनुरूप ही माल परिवहन करने तथा सभी आवश्यक दस्तावेज साथ रखने की अपील की गई है।

# सेल ने भारत की नौसैनिक ताकत को दी मजबूती



नई दिल्ली (ससे): इस्पात मंत्रालय के अधीन केंद्रीय सार्वजनिक उपक्रम और महारत्न कंपनी, स्टील अथॉरिटी ऑफ इण्डिया लिमिटेड ने भारतीय नौसेना के हाल ही में कमीशन किए गए तीन अत्याधुनिक जहाजों - उन्नत स्टील्थ फ्रिगेट आईएनएस दूनागिरी , एंटी-सबमरीन वारफेयर शैलो वॉटर क्राफ्ट आईएनएस अग्रय , और सर्वेक्षण पोत (लार्ज) आईएनएस संशोधक के निर्माण के लिए पूरे ५,७०० टन विशेष स्टील की आपूर्ति अकेले करके देश की नौसैनिक क्षमताओं को मजबूत करने में एक बार फिर से महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इन तीनों उन्नत जहाजों को २१ जून, २०२६ को कोलकाता के श्यामा प्रसाद मुखर्जी पोर्ट पर आयोजित एक ऐतिहासिक समारोह के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा औपचारिक रूप से भारतीय नौसेना में शामिल (कमिशन) किया गया

सेल ने इन तीनों अत्याधुनिक जहाजों के लिए विशेष गुणवत्ता की डीएमआर २४९- ग्रेड हॉट-रोल्ड शीट और प्लेट की सप्लाई की है। कंपनी ने इस डिफेंस ग्रेड स्टील का उत्पादन और आपूर्ति अपने बोकारो, भिलाई और राउरकेला इस्पात संयंत्रों के जरिये बेहद ही सावधानीपूर्वक किया है, जो इस बात का प्रमाण है कि ड-खड के पास देश की समुद्री सुरक्षा की बुनियादी जरूरतों को पूरा करने के लिए बेहतरीन और आधुनिक तकनीकी क्षमता है।

सेल देश के 'आत्मनिर्भर भारत' और 'मेक इन इंडिया' अभियानों को लगातार आगे बढ़ा रहा है। सेल देश के महत्वपूर्ण नौसैनिक प्लेटफार्मों के लिए विशेष स्टील का उत्पादन करके, भारत के रक्षा स्वदेशीकरण का एक अभिन्न हिस्सा बन गया है। देश की रक्षा क्षेत्र की उभरती जरूरतों को देखते हुए, ड-खड ने डीएमआर ग्रेड प्लेटों का उत्पादन बढ़ाने हेतु अपनी प्लेट-उत्पादन सुविधाओं, विशेषकर राउरकेला स्टील प्लांट के 'स्पेशल प्लेट प्लांट' में पहले से ही अतिरिक्त पहल लागू किए हैं। यह रणनीतिक कदम रक्षा-ग्रेड स्टील के क्षेत्र में भारत के बढ़ते आयात प्रतिस्थापन में साफ दिखाई देता है।

सेल के शानदार ट्रैक रिकॉर्ड में ऐतिहासिक स्वदेशी विमान वाहक आईएनएस विक्रांत के साथ-साथ विशिष्ट प्रोजेक्ट १७-स्टील्थ फ्रिगेट्स - आईएनएस नीलगिरि, आईएनएस हिमगिरि और आईएनएस उदयगिरि के लिए स्टील की आपूर्ति शामिल है। इसके अलावा, ड-खड का विशेष स्टील आईएनएस अजय, आईएनएस निस्तार और आईएनएस अंजदीप जैसे शक्तिशाली जहाजों की रीढ़ है। इन उन्नत युद्धपोतों का सफल समावेश भारत की समुद्री संप्रभुता और क्षमताओं में एक निर्णायक मील का पत्थर है।

सेल अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक डॉ. अशोक कुमार पंडा ने कहा, भारत के रक्षा क्षेत्र के एक प्रमुख भागीदार के रूप में, सेल देश की आत्मनिर्भरता की जरूरतों के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है। कंपनी ने पहले से ही रक्षा क्षेत्र की लगातार बढ़ती जरूरतों को ध्यान में रखते हुए, डीएमआर ग्रेड प्लेटों की उत्पादन क्षमता को बढ़ाने पर ज़ोर दिया, विशेषकर राउरकेला स्टील प्लांट के स्पेशल प्लेट प्लांट पर ध्यान केंद्रित किया है। इन उच्च-क्षमता वाली डीएमआर २४९- स्टील प्लेटों की आपूर्ति न केवल भारत की रणनीतिक स्वतंत्रता को मजबूती प्रदान करती है, बल्कि सेल की अत्याधुनिक तकनीकी विशेषज्ञता को भी प्रमाणित करती है।

# नई पीढ़ी को सामाजिक सद्भाव की परंपरा से अवगत कराएं : डीसी

बोकारो (ससे): जिले में मुहर्रम पर्व को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने को लेकर जिला प्रशासन पूरी तरह तत्पर एवं सतर्क है। इसी क्रम में बुधवार को उपायुक्त अजय नाथ झा एवं पुलिस अधीक्षक नाथू सिंह मीना ने जरीडीह प्रखंड के टांडबालीडीह - जैनामोड़, कसमार प्रखंड के बुंडु - मोचरो - कसमार बाजार सहित विभिन्न क्षेत्रों का दौरा कर *दोनों समाज के लोगों एवं समाज के प्रबुद्धजनों के साथ संवाद किया।

इस अवसर पर उपायुक्त अजय नाथ झा ने सभी से आपसी सद्भाव एवं भाईचारे के साथ पर्व मनाने की अपील की। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया के माध्यम से फैलने वाली किसी भी प्रकार की अफवाह पर ध्यान न दें और न ही उसे आगे प्रसारित करें। उन्होंने कहा कि *बोकारो की पहचान आपसी सौहार्द एवं सामाजिक समरसता रही है, जिसे सभी को मिलकर बनाए रखना है। उन्होंने दोनों समाज के लोगों से एक-दूसरे के पर्व-त्योहारों में सहभागिता निभाने, ईद की सेवइयां बांटने तथा महावीरी अखाड़ा के लड्डू साझा कर भाईचारे की मिसाल कायम करने का आह्वान किया।

उपायुक्त ने मुहर्रम के दौरान निकाले जाने वाले ताजिया की ऊंचाई निर्धारित मानकों के अनुरूप रखने का निर्देश दिया। कहा कि सभी ताजिया जुलूस पूर्व निर्धारित एवं स्वीकृत रूट के अनुसार ही निकाले जाएं। किसी भी परिस्थिति में रूट में परिवर्तन की अनुमति नहीं होगी। सभी ताजिया एवं अखाड़ा समितियों को निर्धारित समय-सारिणी का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

उन्होंने कहा कि किसी भी प्रकार की संदिग्ध गतिविधि अथवा अफवाह की जानकारी तत्काल जिला नियंत्रण कक्ष, नजदीकी थाना के थाना प्रभारी, संबंधित प्रखंड विकास पदाधिकारी/ अंचलाधिकारी अथवा सीधे उपायुक्त एवं पुलिस अधीक्षक को दें, ताकि त्वरित कार्रवाई की जा सके।

उपायुक्त ने समाज के बुजुर्गों एवं गणमान्य नागरिकों से अपील करते हुए कहा कि वे नई पीढ़ी को त्योहारों की परंपरा, सामाजिक सौहार्द एवं भाईचारे के महत्व से अवगत कराएं। उन्होंने कहा कि किसी भी परिस्थिति में कोई भी कानून को अपने हाथ में नहीं लेना चाहिए। विधि-व्यवस्था बिगाड़ने वालों के विरुद्ध कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाती है, जिसका प्रतिकूल प्रभाव संबंधित व्यक्ति के भविष्य, शिक्षा, रोजगार एवं व्यवसाय पर पड़ता है।

इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक नाथू सिंह मीना ने भी समाज के लोगों से संवाद करते हुए प्रशासन को पूर्ण सहयोग देने की अपील की। उन्होंने कहा कि जिले में शांति एवं सौहार्द बनाए रखने के लिए प्रशासन प्रतिबद्ध है। किसी भी प्रकार से विधि-व्यवस्था बिगाड़ने अथवा सामाजिक सौहार्द को प्रभावित करने का प्रयास करने वालों के विरुद्ध सख्त से सख्त कार्रवाई की जाएगी।

उन्होंने सभी लोगों से जिम्मेदार नागरिक की भूमिका निभाते हुए शांतिपूर्ण वातावरण बनाए रखने तथा किसी भी आपत्तिजनक सूचना या गतिविधि की जानकारी तत्काल प्रशासन को देने का आग्रह किया। मौके पर संबंधित प्रखंडों के बीडीओ/ सीओ, एसडीओ/ एसडीपीओ व अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

# ईसीआर जीएम ने किया तिलैया-कोडरमा रेलखंड का निरीक्षण



हाजीपुर (ससे): पूर्व मध्य रेलवे के महाप्रबंधक श्री छत्रसाल सिंह द्वारा २४.०६.२०२६ को पटना-बख्तियारपुर-राजगीर-तिलैया-बंधुआ-कोडरमा रेलखंड का विंडो ट्रेलिंग निरीक्षण किया । निरीक्षण के दौरान महाप्रबंधक ने रेलखंड के विभिन्न स्टेशनों, पुल-पुलियों, ओएचई प्रणाली, पथ-रचना तथा ट्रैक की संरक्षा एवं मजबूती का अवलोकन किया । निरीक्षण के दौरान उन्होंने कोडरमा स्टेशन पर अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत निर्माणाधीन नए स्टेशन भवन एवं विकसित की जा रही यात्री सुविधाओं का जायजा लिया तथा कार्यों की प्रगति की समीक्षा की ।

इसके उपरांत गझंडी-गुरपा रेलखंड के मध्य स्थित तीनों सुरंगों (टनलों) से कोयला से लदे बीओबीआरएन रेक का सफलतापूर्वक परिचालन कराया गया । इस महत्वपूर्ण परिचालन के दौरान महाप्रबंधक महोदय स्वयं इंजन में उपस्थित रहे तथा संपूर्ण प्रक्रिया का प्रत्यक्ष अवलोकन किया । इस फूट प्लेट निरीक्षण के दौरान प्रधान मुख्य परिचालन प्रबंधक श्रीमती इंदु रानी दुबे एवं धनबाद के मंडल रेल प्रबंधक श्री अखिलेश मिश्र सहित अन्य उच्चाधिकारीगण उपस्थित थे ।

इस घाट सेक्शन में बीओबीआर रेक के परिचालन प्रारंभ करने के उद्देश्य से इस टनल का रीडिजाइन और डाइमेंशन बढ़ाने का चुनौतीपूर्ण कार्य किया जा रहा है । पिछले महीने ही महाप्रबंधक श्री छत्रसाल सिंह द्वारा गुरपा-गझंडी घाट सेक्शन में डाउन लाइन में खाली बीओबीआर रेक के परिचालन के ट्रायल का निरीक्षण किया गया था । चुनौतीपूर्ण गुरपा-गझंडी घाट सेक्शन में बीओबीआर रेक से परिचालन प्रारंभ हो जाने से बाढ़ एवं बरौनी एन.टी.पी.सी प्लांट्स के लिए वैगन टर्नराउंड में सुधार होगा तथा रेक की उपलब्धता बढ़ जाने से ज्यादा लोडिंग संभव हो पाएगा । निरीक्षण के अंत में महाप्रबंधक महोदय गया जं. पहुंचे जहां उन्होंने गया जं. पर चल रहे स्टेशन पुनर्विकास से संबंधित कार्यों का जायजा लिया तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए । पुनर्विकसित स्टेशन भवन आकर्षक डिजाइन के साथ उन्नत एवं आधुनिक यात्री सुविधाओं से युक्त होगा । गया जं. के निरीक्षण के दौरान पं.दीन दयाल उपाध्याय जं. के मंडल रेल प्रबंधक श्री उदय सिंह मीना सहित अन्य अधिकारीगण भी उपस्थित थे ।

## रोटरी क्लब दुर्गापुर सेंट्रल द्वारा एक रोटरी बोर्ड की स्थापना

दुर्गापुर (ससे): रोटरी क्लब ऑफ दुर्गापुर सेंट्रल ने आज २४ जून २०२६ को दुर्गापुर एयरपोर्ट की मैन रोड पर स्थित स्टोनज़िया के प्रांगण में रोटरी का एक नया फोर वे टेस्ट बोर्ड की स्थापना की । रोटरी क्लब ऑफ दुर्गापुर सेंट्रल की और से लगाया गया यह दूसरा फोर वे टेस्ट बोर्ड है । पहला दुर्गापुर स्थित सुब डिविशनल अस्पताल में गाठ फरवरी में लगाया गया था। यह नया फोर वे टेस्ट बोर्ड दुर्गापुर एयरपोर्ट जाने-आने वाली आम जनता के लिए रोटरी की सार्वजनिक छवि को बढ़ाएगा। रोटरी क्लब ऑफ दुर्गापुर सेंट्रल के अध्यक्ष मंतार सिंह, कोषाध्यक्ष छगन पटेल, मुकेश अग्रवाल, इंद्रनील मुखर्जी, अजय पॉल एवं संदीप रॉय के साथ फोर वे टेस्ट बोर्ड के उद्घाटन के दौरान उपस्थित थे।

# मुहर्रम को ले नावाडीह पुलिस प्रशासन ने किया भ्रमण

नावाडीह (बेरमो) (ससे): मुहर्रम पर्व को शांतिपूर्वक संपन्न कराने को ले नावाडीह पुलिस प्रशासन ने कमर कस ली है । हाल के दिनों संपन्न शांति समिति की बैठक में प्रशासन ने अपना कड़ा रुख से सभी को अवगत करा दिया है । इसी कड़ी को तहत बुधवार को नावाडीह सीओ अभिषेक कुमार, बीडीओ प्रशांत कुमार हेम्ब्रम, थाना प्रभारी अमित कुमार सोनी सुरही, खूंटा आदि गांव का भ्रमण कर ग्रामीणों से बातचीत की । सीओ अभिषेक कुमार ने सख्त चेतावनी देते हुए कहा कि पर्व के दौरान अशांति फैलाने की दु:साहस करने वाले को किसी भी हाल में बख्शा नहीं जाएगा ।

## हाइवा के चपेट में आकर अज्ञात युवक की मौत

नावाडीह (बेरमो) (ससे): नावाडीह प्रखंड अंतर्गत चिरुडीह पंचायत के अंबेडकर मोड़ के समीप बुधवार को एक दर्दनाक सड़क हादसे में एक अज्ञात युवक की मौत हो गई। समाचार लिखे जाने तक मृतक की पहचान नहीं हो सकी है । प्राप्त जानकारी के अनुसार चिरुडीह के समीप उक्त युवक पैदल चल रहा था । इसी दौरान राह गुजर रहे हाईवा वाहन संख्या जेएच१०बीटी ६९४१ की चपेट में आ गया । जिससे युवक गंभीर रुप से जख्मी हो गए । मौके पर जुटे ग्रामीणों के प्रयास से जख्मी युवक को प्राथमिक उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र नावाडीह में भर्ती कराया गया । यहां डा आयुषी जयसवाल ने जांचोपरांत युवक को मृत घोषित कर दिया । घटना की जानकारी मिलते ही नावाडीह पुलिस घटनास्थल पहुंच दुर्घटना ग्रस्त हाइवा को अपने कब्जे में ले ली है ।

# गरगा पुल स्थित अमृत पार्क से धर्मशाला मोड़ तक आयोजित होगी रैली



बोकारो (ससे): निषिद्ध मादक पदार्थों की रोकथाम एवं नशामुक्त समाज के निर्माण को लेकर जिला प्रशासन द्वारा संचालित दस दिवसीय जागरूकता अभियान के समापन अवसर पर सूचना एवं जनसंपर्क विभाग, बोकारो के तत्वावधान में गुरुवार, २५ जून २०२६ को एक जागरूकता रैली का आयोजन किया जाएगा।

यह रैली प्रातः ०७ बजे से गरगा पुल स्थित अमृत पार्क से प्रारंभ होकर धर्मशाला मोड़ तक जाएगी। रैली का उद्देश्य युवाओं एवं आम नागरिकों को नशीले पदार्थों के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करना तथा समाज को नशामुक्त बनाने के लिए सामूहिक जनभागीदारी को प्रोत्साहित करना है। रैली में उपायुक्त अजय नाथ झा, पुलिस अधीक्षक नाथू सिंह मीना सहित जिला स्तरीय सभी पदाधिकारी, विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मी, छात्र-छात्राएं, स्वयंसेवी संस्थाओं के प्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में आमजन भाग लेंगे। प्रशासन ने जिलेवासियों से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में जागरूकता रैली में शामिल होकर नशामुक्त एवं स्वस्थ समाज के निर्माण के इस जन जागरूकता अभियान को सफल बनाने में अपना योगदान दें।

डी.बी. पब्लिकेशन्स प्रा. लि. के लिए जोड़ाफाटक रोड, धनबाद से राजेन्द्र कुमार अग्रवाल द्वारा मुद्रित एवं अंजना अग्रवाल द्वारा प्रकाशित. संपादक - गणेश मिश्रा. फोन - 9431726337
e-mail : biharobserver@gmail.com RNI No- 58991/95. * पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन एवं प्रकाशन के लिए गणेश मिश्रा जिम्मेवार होंगे एवं समस्त विवाद धनबाद न्यायालय के अधीन होंगे

# भाजपा का प्रबुद्ध नागरिक सम्मेलन, राष्ट्र निर्माण के महासंकल्प का आह्वान

**धनबाद (कासं)** : भारतीय जनता पार्टी धनबाद महानगर इकाई की ओर से कोयला नगर स्थित कम्युनिटी हॉल में प्रबुद्ध नागरिक सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। सम्मेलन में शिक्षाविदों, चिकित्सकों, व्यवसायियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं एवं अन्य प्रबुद्ध नागरिकों ने भाग लेकर राष्ट्र निर्माण और विकास में अपनी सक्रिय भूमिका निभाने का संकल्प लिया। सम्मेलन को संबोधित करते हुए रघुवर दास ने कहा कि पिछले १२ वर्षों में देश ने आधारभूत संरचना, आर्थिक विकास और जनकल्याणकारी योजनाओं के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं। उन्होंने कहा कि भारत आज वैश्विक स्तर पर एक मजबूत आर्थिक शक्ति के रूप में उभर रहा है और आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य को लेकर निरंतर आगे बढ़ रहा है।

कार्यक्रम में धनबाद के पूर्व सांसद पी एन सिंह, सांसद दुल्लू महतो, धनबाद विधायक राज सिन्हा सहित भाजपा के कई वरिष्ठ नेता एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे। वक्ताओं ने संगठन की मजबूती और सरकार की विकास योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने की आवश्यकता पर जोर दिया। १२ साल विश्वास के, विकास के, जनकल्याण के सम्मेलन में केंद्र सरकार की उपलब्धियों और भविष्य की विकास योजनाओं पर विस्तार से चर्चा की गई। नेताओं ने नागरिकों से विकास और राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिकों और प्रबुद्ध वर्ग की उपस्थिति रही। सम्मेलन के समापन पर उपस्थित लोगों ने देश को विकास की नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने और राष्ट्र निर्माण के संकल्प को मजबूत करने की प्रतिबद्धता दोहराई।

# नशा मुक्ति भारत अभियान के तहत शपथ व योग सत्र आयोजित

**धनबाद (कासं)** : अंतर्राष्ट्रीय मादक पदार्थ दुरुपयोग एवं अवैध तस्करी विरोधी दिवस के अवसर पर चलाए जा रहे नशा मुक्ति भारत अभियान के तहत आईआईटीआईएसएम धनबाद में ऑफलाइन शपथ ग्रहण कार्यक्रम और विशेष योग एवं वेलनेस सत्र का आयोजन किया गया। गौरतलब है कि संस्थान में विगत १७ जून से ही ऑनलाइन मास प्लेज ड्राइव चल रही है। इसके तहत छात्रावासों और कैम्पस के अन्य प्रमुख स्थानों पर क्यूआर कोड युक्त पोस्टर लगाए गए हैं, जिनके माध्यम से छात्र, शिक्षक और कर्मी नशामुक्त समाज के निर्माण का संकल्प ले रहे हैं। आयोजित कार्यक्रम में प्रतिभागियों ने सामूहिक रूप से ऑफलाइन शपथ भी ली और नशे से दूर रहने तथा दूसरों को भी इसके प्रति जागरूक करने का संकल्प दोहराया। इसके बाद योग एवं वेलनेस के माध्यम से नशे की लत का उन्मूलन विषय पर विशेष योग सत्र आयोजित किया गया। सत्र के दौरान विभिन्न योगासन और प्राणायाम का अभ्यास कराया गया। प्रतिभागियों को बताया गया कि योग न केवल शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाता है, बल्कि युवाओं को नशे जैसी बुरी आदतों से दूर रखने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। अभियान के तहत पौधारोपण, पोस्टर, निबंध और स्लोगन प्रतियोगिताओं सहित अन्य जागरूकता गतिविधियां भी आयोजित की जा रही हैं।

# टाटा मैजिक व टेंपो के बीच टक्कर, चालक घायल

**कतरास (ससे)** : कतरास गोशाला पुल के समीप टाटा मैजिक और टेंपो के बीच आमनेसामने की जोरदार टक्कर हो गई। हादसे में दोनों वाहनों के चालक घायल हो गए। दुर्घटना के बाद कुछ समय के लिए सड़क पर यातायात प्रभावित रहा। जानकारी के अनुसार टाटा मैजिक धनबाद की ओर से आ रही थी, जबकि टेंपो लिलोरी मंदिर मुख्य द्वार से काको मोड़ की ओर जा रहा था। इसी दौरान दोनों वाहनों के बीच जोरदार भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी तेज थी कि दोनों वाहनों के अगले हिस्से क्षतिग्रस्त हो गए और चालक घायल हो गए। टाटा मैजिक चालक अनिल यादव ने बताया कि वह अपनी लेन में रांची की ओर जा रहे थे, तभी सामने से आ रहे टेंपो से उनकी गाड़ी की टक्कर हो गई। हादसे के बाद स्थानीय लोगों ने घायलों की मदद की और पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही कतरास थाना पुलिस मौके पर पहुंची और दुर्घटनाग्रस्त वाहनों को सड़क किनारे हटवाकर यातायात को सामान्य कराया। पुलिस की तत्परता से सड़क पर लंबा जाम लगने से बच गया। फिलहाल पुलिस दुर्घटना के कारणों की जांच कर रही है और दोनों पक्षों से जानकारी जुटाई जा रही है।

# तोपचांची में नवस्थापित डायलिसिस केंद्र का उद्घाटन

**धनबाद (कासं)** : तोपचांची में नवस्थापित डायलिसिस केंद्र का विधायक टुंडी मथुरा प्रसाद महतो, उपायुक्त आदित्य रंजन तथा उप विकास आयुक्त सन्नी राज ने संयुक्त रूप से फीता काटकर उद्घाटन किया।

इस अवसर पर विधायक ने कहा कि यह केंद्र क्षेत्र के मरीजों को बेहतर एवं सुलभ स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि स्वस्थ एवं सशक्त समाज के निर्माण के लिए राज्य सरकार ऐसी जनहितकारी पहलें निरंतर जारी रखने के लिए प्रतिबद्ध है।

उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाना राज्य सरकार की प्राथमिकता है। तोपचांची में इस डायलिसिस केंद्र के खुलने से गरीब और मध्यमवर्गीय परिवारों पर पड़ने वाला आर्थिक बोझ कम होगा और समय पर इलाज मिलने से कई जानें बचाई जा सकेंगी। इस अवसर पर उपायुक्त ने कहा कि इस केंद्र के शुरू होने से अब स्थानीय मरीजों को डायलिसिस के लिए धनबाद या अन्य शहरों के चक्कर नहीं काटने पड़ेंगे। उन्होंने कहा कि इस केंद्र में सरकार की स्वास्थ्य योजनाओं (जैसे आयुष्मान भारत) के तहत पात्र मरीजों को निःशुल्क डायलिसिस की सुविधा मिलेगी। केंद्र में अत्याधुनिक डायलिसिस मशीनें और जीवन रक्षक उपकरण लगाए गए हैं, ताकि मरीजों को उच्च स्तरीय चिकित्सा मिल सके। मरीजों की देखभाल के लिए प्रशिक्षित तकनीशियन और विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम तैनात की गई है।

इस अवसर पर सिविल सर्जन डॉ. आलोक विश्वकर्मा, उपाधीक्षक डॉ. संजीव कुमार प्रसाद, प्रखंड विकास पदाधिकारी, अंचलाधिकारी, अस्पताल के चिकित्सा प्रभारी, कई स्थानीय जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे। ग्रामीणों ने सरकार और प्रशासन के इस कदम की सराहना करते हुए इसे क्षेत्र के लिए एक मील का पत्थर बताया है।

# अखण्ड हरिकीर्तन का समापन

**केंदुआ (ससे)** : केंदुआपुल झरिया रोड हनुमान मंदिर में चार दिवसीय श्री श्री २४ घण्टा अखण्ड हरिकीर्तन का समापन हवन, महाआरती व विशाल भंडारा के साथ किया गया। इस अनुष्ठान को सफल बनाने में स्थानीय चालक संघ एवं दुकानदारों का अहम् योगदान रहा। भंडारा में सैकड़ों लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया।

# झारखंड बांग्ला भाषा उन्नयन समिति की बैठक

**बलियापुर (ससे)** : सिंदूरपुर स्थित शिव मंदिर प्रांगण में झारखंड बांग्ला भाषा उन्नयन समिति की बैठक बेंगू ठाकुर की अध्यक्षता में हुई। मुख्य अतिथि रेखा मंडल ने ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कहा कि झारखंड में बांग्ला भाषा के लोगों की अधिकता होने के बावजूद झारखंड में सरकार द्वारा बांग्ला भाषी लोगों को नजरअंदाज किया जाता है जबकि झारखंड के बांग्ला भाषाभाषी के लोग देश की स्वतंत्रता आंदोलन में बढ़ चढ़कर भाग लिए थे। उन्होंने कहा कि बांग्ला भाषा के लोगों को यदि सम्मान नहीं दिया गया तो समिति के लोग आंदोलन करने को बाध्य होंगे। बैठक में मौसमी मुखर्जी, सुमित्रा मुखर्जी, भारतीय मुखर्जी, झूमा मुखर्जी, बरनाली मुखर्जी, मोमिता, गोविंद ठाकुर आदि थे।

# ठनका गिरने से चार मवेशियों की मौत

**बलियापुर (ससे)** : सुबरिया गांव में ठनका गिरने से घर के बाहर खूंटे में बंधा चार मवेशी की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार सुबरिया निवासी बहादुर गोप ने अपने मवेशियों को अपने खलिहान में खूंटे में बांध रखा था। शाम करीब ४ बजे जोरदार बारिश के दौरान ठनका गिरा और चारों मवेशी की मौत वहीं हो गई। जिसमें एक जोड़ा बैल, एक दुधारू गाय एवं एक बछड़ा की मौत हो गई। इस घटना से किसान बहादुर गोप को भारी नुकसान हुआ है। खेती के इस मौसम में मवेशियों के मर जाने से उन्हें खेती कार्य करने की चिंता सता रही है। ठनका से मारे मवेशियों की कीमत दो लाख से भी अधिक बताई जाती है। पीड़ित किसान ने जिला प्रशासन से आवश्यक सहायता की मांग किया है।

# दिशोम गुरु को पद्म भूषण मिलने पर झामुमो कार्यकर्ताओं ने मनायी खुशी

**जोड़ापोखर (ससे)** : झारखंड आंदोलन के महानायक एवं झारखंड के भगवान कहे जाने वाले दिशोम गुरु शिबू सोरेन को मरणोपरांत महामहिम राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा पद्म भूषण सम्मान से सम्मानित किए जाने की पर झारखंड मुक्ति मोर्चा धनबाद महानगर एवं झरिया नगर के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने हर्ष व्यक्त किया। इस अवसर पर सभी कार्यकर्ताओं ने एकदूसरे को मिठाई खिलाकर अपनी खुशी का इजहार किया तथा दिशोम गुरु के संघर्षपूर्ण जीवन और झारखंड राज्य निर्माण में उनके ऐतिहासिक योगदान को स्मरण किया।

कार्यकर्ताओं ने कहा कि यह सम्मान केवल स्व. शिबू सोरेन का नहीं, बल्कि पूरे झारखंड, झारखंड आंदोलन के लाखों संघर्षशील कार्यकर्ताओं तथा जल, जंगल और जमीन की रक्षा के लिए हुए लंबे जनसंघर्षों का सम्मान है। उनके जीवन का संघर्ष आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणास्रोत बना रहेगा। मिठाई वितरण एवं खुशी समारोह में मुख्य रूप से झारखंड मुक्ति मोर्चा धनबाद महानगर के उपाध्यक्ष मदन राम, झरिया नगर सचिव दिलीप महतो, झरिया नगर युवा मोर्चा अध्यक्ष अवधेश यादव, झरिया नगर उपाध्यक्ष जाहिद शेख, जीतू शर्मा सहित अनेक कार्यकर्ता उपस्थित थे।

# पूर्व विधायक के पुत्र प्रशांत ने बलियापुर का नाम किया रोशन

**बलियापुर (ससे)** : सिंदरी विधानसभा के पूर्व विधायक इन्द्रजीत महतो व भाजपा नेत्री तारा देवी के पुत्र प्रशांत कुमार महतो ने सीए इंटरमीडिएट (चार्टर्ड एकाउंटेंट) मई २०२६ में सफलता हासिल किए जाने से सिंदरी विधानसभा क्षेत्र के लोगों में हर्ष हैं। प्रशांत कुमार महतो शुरू से ही मेधावी छात्र रहे हैं। साथ ही साथ समाज के कार्यों में भी भाग लेते हैं। बधाई देने वालों में प्रमुख पिंकी देवी, उप प्रमुख आशा देवी, जिलाध्यक्ष मोहन कुंभकार, पूर्व जिलाध्यक्ष घनश्याम प्रोवर, आशीष मुखर्जी, विद्युत चक्रवर्ती, सुनील मोदक, हरे कृष्ण रवानी, मंटू रवानी, गोरांग मंडल, उत्तम चौबे, रामदेव पांडेय, लायंस क्लब के अध्यक्ष देवव्रत मुखर्जी, गिरधारी लाल अग्रवाल, राजेश मुखर्जी, खगेन पांडेय, अशोक कुमार श्रीवास्तव आदि शामिल हैं।

# कोयला भवन में मिशन सीआईएल: रिफ़ॉर्म, ट्रांसफ़ॉर्म, परफ़ॉर्म एंड इन्फ़ॉर्म विषय पर संगोष्ठी

**धनबाद (कासं)** : 'मिशन सीआईएल २०२६ : रिफ़ॉर्म, ट्रांसफ़ॉर्म, परफ़ॉर्म एंड इन्फ़ॉर्म विषय पर आज कोयला भवन मुख्यालय में एक विशेष सतर्कता संवादात्मक सत्र-सहसंगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट वक्ता के रूप में मुख्य सतर्कता अधिकारी (सीवीओ, सीआईएल) ब्रजेश कुमार त्रिपाठी ने सहभागिता करते हुए सतर्कता, सुशासन, पारदर्शिता, उत्तरदायित्व, संस्थागत ईमानदारी, नैतिक आचरण, कार्यदक्षता, कार्यक्षमता तथा संगठनात्मक उत्कृष्टता जैसे विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर अपने विस्तृत एवं प्रेरणादायी विचार साझा किए। उन्होंने बदलते कार्य परिवेश में सतर्कता को केवल एक नियंत्रण तंत्र न मानकर संगठन की कार्यसंस्कृति का अभिन्न अंग बनाने पर बल दिया और उपस्थित प्रतिभागियों के बीच इससे जुड़े महत्वपूर्ण पहलुओं, व्यावहारिक उदाहरणों एवं प्रेरक दृष्टांतों के माध्यम से आवश्यक जानकारी प्रदान की।

इस अवसर पर सीएमडी बीसीसीएल मनोज कुमार अग्रवाल, निदेशक (मानव संसाधन) मुरली कृष्ण रमैया, निदेशक (तकनीकी/संचालन) संजय कुमार सिंह, निदेशक (तकनीकी/परियोजना एवं योजना) राजीव कुमार सिन्हा, सीवीओ दीसि पटेल, महाप्रबंधक (सतर्कता) एन. के. ठाकुर, महाप्रबंधक (समन्वय) अरिंदम मुस्तफी, महाप्रबंधक (सुरक्षा एवं बचाव) धनराज आखरे, महाप्रबंधक (मानव संसाधन) कुमार मनोज सहित सभी क्षेत्रीय महाप्रबंधक, परियोजना पदाधिकारी, कोयला भवन मुख्यालय के महाप्रबंधकगण, विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, अधिकारी एवं कर्मी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में महाप्रबंधक (सतर्कता) सीआईएल, एन. आर. श्रीवास्तव ने भी अपनी सहभागिता की।

कार्यक्रम की शुरुआत पारंपरिक दीप प्रज्वलन तथा मुख्य अतिथि, ब्रजेश त्रिपाठी के स्वागत के साथ की गई। सीएमडी मनोज अग्रवाल ने श्री त्रिपाठी का शॉल, श्रीफल, पुष्पगुच्छ एवं मोमेंटो देकर स्वागत किया। कोल इंडिया कॉर्पोरेट गीत के पश्चात स्वागत संबोधन प्रस्तुत करते हुए सीवीओ, बीसीसीएल दीसि पटेल ने कार्यक्रम की रूपरेखा एवं उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए कहा कि विश्व की सबसे बड़ी कोयला उत्पादक कंपनी कोल इंडिया लिमिटेड उच्च पेशेवर दक्षता, पारदर्शिता, उत्तरदायित्व तथा नैतिक मूल्यों पर आधारित कार्यसंस्कृति को निरंतर सुदृढ़ करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि मिशन सीआईएल२०२६ के अंतर्गत सतर्कता को संगठन की कार्यप्रणाली का अभिन्न अंग बनाते हुए उत्कृष्ट प्रशासन, सुशासन एवं जवाबदेही को बढ़ावा देने के उद्देश्य से इस संवादात्मक कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है।

इसके उपरांत निदेशक (मानव संसाधन) मुरली कृष्ण रमैया, निदेशक (तकनीकी/संचालन) संजय कुमार सिंह तथा निदेशक (तकनीकी/परियोजना एवं योजना) राजीव कुमार सिन्हा ने भी विषय पर अपने विचार व्यक्त किए। निदेशकगण ने इस अवसर पर कहा कि पारदर्शी, उत्तरदायी एवं भ्रष्टाचारमुक्त कार्यसंस्कृति किसी भी संस्थान की दीर्घकालिक प्रगति, विश्वसनीयता तथा सतत विकास का आधार होती है। उन्होंने कार्यस्थल पर नैतिक मूल्यों, पारदर्शिता तथा सामूहिक उत्तरदायित्व की भावना को सुदृढ़ करने तथा सभी कार्मिकों द्वारा इसे अपने आचरण में ढालने की आवश्यकता पर बल दिया।

अपने संबोधन में सीएमडी, बीसीसीएल मनोज कुमार अग्रवाल ने पावरप्वाइंट प्रस्तुति के माध्यम से बीसीसीएल की हालिया उपलब्धियों, वर्तमान पहलों एवं भविष्य की कार्ययोजनाओं का विस्तृत विवरण प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि बीसीसीएल द्वारा कोयला गुणवत्ता में निरंतर सुधार की दिशा में उल्लेखनीय प्रगति करते हुए वाशरी क्षमता में निरंतर वृद्धि की जा रही है। इस दिशा में कंपनी की १२ क्षेत्रीय प्रयोगशालाओं को एनएबीएल प्रमाणन प्राप्त हुआ है, जो गुणवत्ता नियंत्रण एवं परीक्षण प्रणाली को और अधिक विश्वसनीय एवं वैज्ञानिक बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने उपभोक्ता संवाद (कंज्यूमर मीट) के माध्यम से कोयला उठाव में हुई वृद्धि, उपभोक्ताओं के बढ़ते विश्वास, गुणवत्ता संबंधी शिकायतों में निरंतर कमी, ऑगर सैंपलिंग के विस्तार हेतु नए क्षेत्रों की पहचान, बाजार विस्तार एवं नीति उदारीकरण जैसे महत्वपूर्ण प्रयासों की जानकारी दी। उन्होंने झरिया मास्टर प्लान (जेएमपी) के तहत विस्थापितों के सफल पुनर्वास, सामाजिक उत्तरदायित्व एवं समावेशी विकास की दिशा में किए जा रहे कार्यों का भी उल्लेख करते हुए कहा कि बीसीसीएल उत्पादन, गुणवत्ता, ग्राहक संतुष्टि, तकनीकी नवाचार एवं सतत विकास के विभिन्न आयामों पर संतुलित रूप से कार्य करते हुए विभिन्न सीएसआर पहलों, सामाजिक गतिविधियों, परियोजना प्रभावित परिवारों के सुरक्षित पुनर्वास तथा रोजगार एवं आजीविका के अवसरों की वृद्धि के माध्यम से संगठन को नई ऊंचाइयों तक ले जाने के लिए प्रतिबद्ध है।

अपने विशिष्ट संबोधन में सीवीओ, सीआईएल ब्रजेश कुमार त्रिपाठी ने कहा कि सतर्कता का मूल आधार ईमानदारी, पारदर्शिता, निष्पक्षता एवं कर्तव्यनिष्ठा है। उन्होंने कहा कि प्रभावी सतर्कता व्यवस्था केवल अनियमितताओं की रोकथाम तक सीमित नहीं होती, बल्कि यह संगठन में विश्वास, जवाबदेही एवं उत्कृष्ट कार्यसंस्कृति के निर्माण का सशक्त माध्यम है। उन्होंने अधिकारियों एवं कर्मचारियों से अपने दैनिक कार्यों में नैतिक मूल्यों, पारदर्शिता एवं उत्तरदायित्व को सर्वोच्च प्राथमिकता देने का आह्वान किया।

उन्होंने कहा कि देश की अग्रणी कोकिंग कोल उत्पादक कंपनी के रूप में बीसीसीएल कोल इंडिया की सभी अनुषंगी कंपनियों में एक विशिष्ट एवं महत्वपूर्ण स्थान रखती है। कंपनी द्वारा कोयला गुणवत्ता के क्षेत्र में निरंतर उल्लेखनीय सुधार दर्ज किया जा रहा है, जो उसके सतत प्रयासों एवं उत्कृष्ट कार्यप्रणाली का प्रमाण है। उन्होंने बीसीसीएल द्वारा कोल बेड मिथेन सहित विभिन्न नवाचार आधारित पहलों की सराहना करते हुए कहा कि तकनीकी नवाचार, संसाधनों के प्रभावी उपयोग, पारदर्शी प्रशासन, गुणवत्ता के प्रति प्रतिबद्धता तथा सतत् सुधार की संस्कृति किसी भी संगठन को प्रतिस्पर्धी एवं भविष्य के लिए सक्षम बनाती है। उन्होंने कहा कि संगठनात्मक उत्कृष्टता तभी संभव है जब प्रत्येक अधिकारी एवं कर्मचारी व्यक्तिगत ईमानदारी, संस्थागत उत्तरदायित्व और टीम भावना के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करे। उन्होंने मिशन सीआईएल २०२६ के उद्देश्यों को साकार करने में प्रत्येक कर्मी की सक्रिय एवं सकारात्मक भागीदारी को महत्वपूर्ण बताया।

समापन सत्र में श्री त्रिपाठी ने उपस्थित सभी अधिकारियों एवं कर्मियों को सत्यनिष्ठा ('इंटीग्रिटी प्रॉमिस') की शपथ दिलाई तथा सभी कार्मिकों को ईमानदारी, निष्पक्षता एवं नैतिक मूल्यों का पालन करते हुए अपने कर्तव्यों के निर्वहन का संकल्प दिलाया।

कार्यक्रम का समापन महाप्रबंधक (सतर्कता) एन. के. ठाकुर द्वारा प्रस्तुत धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ। मंच संचालन वरीय प्रबंधक (सामग्री प्रबंधन/सतर्कता) शादाब अहमद ने किया।

# कृषि पाठशाला निर्माण में अनियमितता का आरोप

**बलियापुर (ससे)** : झारखंड मुक्ति मोर्चा बलियापुर प्रखंड कमिटी के सचिव निर्मल रजवार और कार्यकर्ताओं ने अलकडीहा कृषि फार्म में हो रही भारी अनियमितता को लेकर औचक निरीक्षण किया।

गड़बड़ी उजागर होने के बाद सीधे धनबाद उपायुक्त से गुहार लगाई है। झारखंड मुक्ति मोर्चा बलियापुर प्रखंड कमिटी ने धनबाद के उपायुक्त को पत्र देकर अलकडीहा कृषि फार्म में कृषि विभाग के द्वारा संचालित कृषि पाठशाला निर्माण में घोर अनियमता की उच्च स्तरीय जांच करने की मांग की है। पत्र के माध्यम से निर्मल रजवार ने बताया कि अलकडीहा २२ एकड़ क्षेत्र में है। कृषि विभाग की ओर से किसानों के हित के लिए कृषि पाठशाला का निर्माण कराया जा रहा है, लेकिन निर्माण कार्य में जो जानकारी मिली है, उसमें घटिया सीमेंट बालू और ईट का उपयोग किया जा रहा है। निर्माण कार्य निर्धारित मानकों के अनुरूप नहीं किया जा रहा है। इसलिए इसकी उच्च स्तरीय जांच कराया जाए, जांच होने से जो इसमें अनियमता है वह उजागर हो जाएगा। क्योंकि बलियापुर प्रखंड कृषि प्रधान क्षेत्र है, जहां अधिकांश किसान कृषि पर निर्भर होकर अपने परिवार का भरण पोषण एवं शिक्षा दीक्षा का प्रबंध करते हैं। कृषि क्षेत्र के समुचित विकास एवं किसानों के हितों की रक्षा के लिए यह आवश्यक है कि कृषि विभाग द्वारा संचालित योजनाओं एवं निर्माण कार्यों में पूर्ण पारदर्शिता एवं गुणवत्ता सुनिश्चित की जाए। हम लोगों का मांग है कि इसमें विभाग की ओर से संज्ञान लिया जाए। जिससे इसका लाभ कृषि क्षेत्र के लोगों को मिल सके।

झारखण्ड सरकार

## कार्यालय: जिला मत्स्य पदाधिकारी-सह-मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी, बोकारो

**बोकारो जिलांतर्गत वर्त्तमान में कार्यरत सभी प्रखण्ड/पंचायत स्तरीय मत्स्य जीवी सहयोग/स्वावलम्बी समितियों हेतु आवश्यक सूचना**

**-: प्रस्ताव प्रेषण की अंतिम तिथि: 04.07.2026 :-**

एतद् द्वारा प्रखण्ड/पंचायत स्तरीय मत्स्य जीवी सहयोग/स्वावलम्बी सहकारी समितियों को सूचित किया जाता है कि वर्ष 2026–27 से 2028–29 की अवधि हेतु बोकारो जिला के अबन्दोबस्त जलकरों की अल्पकालीन बन्दोबस्ती की जानी है, जिनकी बन्दोबस्ती 31 मार्च 2026 को समाप्त हो गई है या जो पूर्व से अबन्दोबस्त है। संबंधित जलकरों की सूची जिला मत्स्य कार्यालय, बोकारो के सूचना पट्ट पर देखा जा सकता है।

विभागीय पत्रांक 114 दिनांक 18.01.1992 एवं सहकारिता विभाग, झारखण्ड सरकार के पत्रांक–1410/दि0 29.06.2011 तथा मत्स्य निदेशालय, झारखण्ड रॉंची के पत्रांक 22 दिनांक 03.01.2025 के द्वारा अल्पकालीन बन्दोबस्ती के परिप्रेक्ष्य में अधिनियम 1935 एवं 1996 के अन्तर्गत निबंधित समितियों को समतुल्य करार दिया गया है। तदनुरूप बोकारो जिला में कार्यरत सभी प्रखण्ड/पंचायत स्तरीय मत्स्य जीवी सहयोग समितियों/स्वावलम्बी सहकारी समितियों से अबन्दोबस्त जलकरों की अल्पकालीन बन्दोबस्ती (वर्ष 2026–27 से 2028–29) हेतु प्रस्ताव आमंत्रित किया जाता है, जो प्रस्तावक समिति के क्षेत्राधिकार में अवस्थित हो।

उक्त प्रस्ताव के साथ कार्यकारिणी की बैठक की कार्यवाही, अंकेक्षण प्रतिवेदन, निर्वाचन प्रमाण पत्र एवं सहायक निबंधक, सहयोग समितियाँ/जिला सहकारिता पदाधिकारी के द्वारा निर्गत स्वच्छता प्रमाण–पत्र एवं बकाया रहित प्रमाण पत्र समर्पित किया जाना अनिवार्य है।

यदि कोई जलकर एक से अधिक मत्स्य जीवी सहयोग समितियों के क्षेत्राधिकार में अवस्थित हो तथा ऐसी सभी समितियां बन्दोबस्ती की अर्हता पूरी करती हो, तो वैसी स्थिति में इन समितियों के बीच सीमित डाक कराकर उच्चतम बोली लगाने वाली समिति के साथ जलकर की बन्दोबस्ती की जाएगी।

PR 381072 (fish)2026-27 *D बन्दोबस्ती का प्रस्ताव (स्वच्छता प्रमाण पत्र के साथ) विज्ञापन प्रकाशित की गई थी जिसमें समिति के द्वारा बन्दोबस्ती से संबंधित प्रस्ताव जमा नहीं होने के कारण पुनः तिथि 04.07.2026 तक कार्यालय कार्य दिवस पर जिला मत्स्य कार्यालय, बोकारो में जमा किया जा सकता है। निर्धारित तिथि तक प्रखण्ड/पंचायत स्तरीय मत्स्य जीवी सहयोग समितियों/स्वावलम्बी सहकारी समितियों से जलकरों की बन्दोबस्ती का प्रस्ताव प्राप्त नहीं होगा, उनके खुले डाक से बन्दोबस्ती की प्रक्रिया प्रारम्भ की जाएगी।

राजस्व बकायेदार (पूर्व एवं चालू वर्ष का) समिति के प्रस्ताव को अस्वीकृत किया जाएगा।

जिला मत्स्य पदाधिकारी–सह–
मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी, बोकारो

PR 383139 Fish (26-27)_D



## कार्यालय अनुमण्डल पदाधिकारी, बगोदर-सरिया (गिरिडीह)

ई–मेल :sdm.bagodar-jhr@gov.in

**–: सभी मुहर्रम अखाड़ा समितियों को सामान्य निर्देश :–**

इस वर्ष मुहर्रम त्यौहार 26.06.2026 को मनाए जाने की सूचना है। मुहर्रम में विधि–व्यवस्था संधारण करने के उद्धेश्य से बगोदर–सरिया अनुमण्डल क्षेत्र के सभी मुहर्रम अखाड़ा समिति (लाईसेंसी तथा गैरलाईसेंसी) को निम्नलिखित सामान्य निर्देश दिया जा रहा है, जिसका अनुपालन किया जाना आवश्यक है :–

1. माननीय उच्च न्यायालय, झारखण्ड, राँची में दायर वाद W.P.(PIL) N. 1997 of 2019 में दिनांक 16.07.2024 को पारित आदेश के आलोक में मुहर्रम जुलूस में डी०जे० का प्रयोग पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा ;
2. मुहर्रम जुलूस में उपयोग होने वाले ध्वनि विस्तारक यंत्र का उपयोग केवल त्यौहार से संबंधित नारा/गीत अदि के प्रसारण के लिए किया जाएगा। किसी भी परिस्थिति में दूसरे धर्म/पंथ की भावना को आहत करने वाला किसी भी कन्टेन्ट तथा उत्तेजक/भड़काउ/अश्लील गाने/विवादास्पद भाशण एवं नारे का प्रसारण नहीं किया जाएगा ;
3. जुलूस में सम्मिलित होने वाले ताजिया का निर्माण विद्युत्तरोधी सामग्री से करेंगे तथा स्टील, लोहा इत्यादि वस्तु का प्रयोग नहीं करेंगे ताकि विद्युत प्रवाह से कोई अप्रिय घटना घटित न हो ; विद्युत प्रवाहित तारों के सम्पर्क में ना आए, अतः ताजिया तथा झण्डे की उँचाई तारों से कम के कम पॉच–छः फिट कम रखी जानी चाहिए ;
4. जुलूस लाईसेंसी मार्ग या निर्धारित मार्ग के अलावे किसी भी परिस्थिति में दुसरे रूट में भ्रमण नहीं करेगा;
5. अखाड़ा समिति द्वारा अपने स्तर से पर्याप्त संख्या में वोलिंटियर्स को रखते हुए उनकी सूची स्थानीय थाना में देना होगा साथ हीं वोलिंटियर्स की पहचान हेतु अलग ड्रेस/पहचान पत्र के साथ जुलूस में उपस्थित रहेंगे।
6. जुलूस में अखाड़ा समिति के द्वारा अपने स्तर से पर्याप्त संख्या में वोलिंटियर्स को रखते हुए उनकी सूची स्थानीय थाना में देना होगा साथ हीं वोलिंटियर्स का पहचान हेतु अलग ड्रेस/पहचान पत्र के साथ जुलूस में उपस्थित रहेंगे।
7. जुलूस अपने निर्धारित समय से निकले एवं निर्धारित समय पर समाप्त होना चाहिए ;
8. जुलूस में अनजान लोगों के शामिल होने पर प्रतिबंध रहेगा, यदि कोई अनजान व्यक्ति या व्यक्यिों का समूह जुलूस में शामिल होते है तो इसकी सूचना अविलंब थाना प्रभारी को देना होगा ;
9. सोशल मिडिया पर भड़काउ पोस्ट/बिना सत्यापित कोई जानकारी/खबर आदि पर नजर रखते हुए इसे वायरल होने से बचाने को प्रयास किया जएगा। कोई भी अफवाह का सत्यापन हेतु थाना प्रभारी अथवा प्रखण्ड विकास पदाधिकारी/अंचल अधिकारी/वरीय पदाधिकारी से सम्पर्क कर तुरंत इसकी जानकारी देना आवश्यक होगा ;
10. किसी प्रकार की अप्रिय घटना कारित होने/या होने की संभावना की सूचना अविलंब थाना प्रभारी अथवा प्रखण्ड विकास पदाधिकारी/अंचल अधिकारी/वरीय पदाधिकारी/नियंत्रण कक्ष को देना आवश्यक होगा ;
11. जुलूस में आग का खेल, खतरनाक करतब इत्यादि वर्जित रहेगा ;
12. जुलूस को एम्बूलेंस, आवश्यक सेवा, स्कूली बच्चों के वाहन इत्यादि को आवागमन का स्थान देना होगा ; मार्ग अवरूद्ध नहीं करेंगे।
13. यदि जुलूस के मार्ग में बिजली का तार लटका/झूला हुआ हो, जिससे विद्युत स्पर्शाघात होने की संभावना हो, तो इसकी सूचना संबंधित थाना प्रभारी, प्रखण्ड विकास पदाधिकारी, अंचल अधिकारी एवं विद्युत विभाग को अविलंब देना सुनिश्चित करेंगे।

अनुमण्डल पदाधिकारी,
बगोदर–सरिया

PR 383180 Giridih(26-27).D



झारखण्ड सरकार

## कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग (पशुपालन प्रभाग)

कार्यालयः जिला पशुपालन पदाधिकारी, बोकारो।

ई–मेल– ahdbkr@gmail.com

**-: आम-सूचना :-**

सरकार के सचिव, कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग (पशुपालन प्रभाग) झारखण्ड, राँची के स्वीकृत्यादेश संख्या 08 रा0 (वि0) दिनांक 05.06.2026 एवं मुख्य अनुदेशक पशुपालन विद्यालय गौरियाकरमा, हजारीबाग के पत्रांक 109 प0पा0 दिनांक 17.06.2026 के द्वारा वित्तीय वर्ष 2026–27 हेतु प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी पशुपालन विद्यालय गौरियाकरमा, हजारीबाग में बोकारो जिला के पशुपालकों (महिला/पुरुष) को ज्ञान व अनुभव में बृद्धि, पशुपालन के नये तकनिकों के पशुपालकों के समक्ष प्रसार के लिए बकरी पालन, सूकर पालन, कुक्कुट पालन एवं भेंड़ पालन विषयों पर पाँच दिवसीय निःशुल्क आवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जाना है। जो निम्न प्रकार है:–

आवेदनकर्त्ता के लिए निम्न शर्तें :–

1. आवेदक संबंधित प्रखण्ड का निवासी हो।
2. आवेदन पत्र जिला पशुपालन कार्यालय, बोकारो /संबंधित प्रखण्ड पशुपालन पदाधिकारी/भ्रमणशील पशुचिकित्सा पदाधिकारी से प्राप्त कर पूर्ण रुप से भर कर एवं अनुशंसा करा कर जिला पशुपालन कार्यालय, बोकारो में जमा करेंगें।

वित्तीय वर्ष 2026–27 में पशुपालन विद्यालय गौरियाकरमा हजारीबाग में पशुपालन प्रशिक्षण से संबंधित लक्ष्य एवं प्रशिक्षण अवधि की विवरणी।

| क्र0 सं0 | प्रशिक्षण का विषय | लक्ष्य | प्रशिक्षण की तिथि |
|---|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 |
| 1 | बकरी पालन | 100 | दिनांक– 27.07.2026 से 31.07.2026 |
| | | | दिनांक– 28.09.2026 से 02.10.2026 |
| | | | दिनांक– 21.12.2026 से 25.12.2026 |
| | | | दिनांक– 01.03.2027 से 05.03.2027 |
| | कुक्कुट पालन | 100 | दिनांक– 17.08.2026 से 21.08.2026 |
| | | | दिनांक– 26.10.2026 से 30.10.2026 |
| | | | दिनांक– 18.01.2027 से 22.01.2027 |
| | | | दिनांक– 22.03.2027 से 26.03.2027 |
| | सुकर पालन | 50 | दिनांक– 06.07.2026 से 10.07.2026 |
| | | | दिनांक– 30.11.2026 से 04.12.2026 |
| | भेंड़ पालन | 25 | दिनांक– 07.09.2026 से 11.09.2026 |
| | | | दिनांक– 08.02.2027 से 12.02.2027 |

अतः आप सभी पशुपालक भाईयों एवं बहनों से अनुरोध है कि आर्थिक स्थिति सुधार करने तथा ग्रामीण स्तर पर स्व–नियोजित कर आत्मनिर्भर बनने एवं पलायन को रोकने के उद्देश्य से चल रहें प्रशिक्षण कार्यक्रम का लाभ उठावें।

निवेदकः
जिला पशुपालन पदाधिकारी
बोकारो।

PR 383144 (Animal Husbandry) 26-27 (D)



## OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER

DRINKING WATER & SANITATION DIVISION TENUGHAT

**Very Short Term e-procurement Notice**

Tender reference No.- DWSD/Tenughat/02/2026-27 (2nd Call) DATED: 24.06.2026

| Sl no | Name of the work | Name of Group | Estimated Cost (in Rs.) | Earnest Money (Rs.) | Cost of Tender Paper (Rs.) | Period of Supply |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 |
| 1.1 | Outsourcing for supplying vehicles (Tracker or any other suitable vehicle) and Labours , tools & plants etc. for repair and maintenance of departmental drilled tube wells in **Petarwar** block under D.W.&S Division, Tenughat for the year 2026-27 | RM/DT/1 | 418782.43 | 10000.00 | 750.00 | 04 Month |
| 1.2 | Outsourcing for supplying vehicles (Tracker or any other suitable vehicle) and Labours , tools & plants etc. for repair and maintenance of departmental drilled tube wells in **Kasmar** block under D.W.&S Division, Tenughat for the year 2026-27 | RM/DT/2 | 311095.55 | 8000.00 | 750.00 | 04 Month |
| 1.3 | Outsourcing for supplying vehicles (Tracker or any other suitable vehicle) and Labours , tools & plants etc. for repair and maintenance of departmental drilled tube wells in **Gomia** block under D.W.&S Division, Tenughat for the year 2026-27. | RM/DT/3 | 526469.30 | 13000.00 | 1250.00 | 04 Month |
| 1.4 | Outsourcing for supplying vehicles (Tracker or any other suitable vehicle) and Labours , tools & plants etc. for repair and maintenance of departmental drilled tube wells in **Nawadih & Chandrapura ansh** block under D.W.&S Division, Tenughat for the year 2026-27. | RM/DT/4 | 526469.30 | 13000.00 | 1250.00 | 04 Month |
| 2 | Date & Time of Publication of Tender on Website. | 27.06.2026 at 04:00 PM | | | | |
| 3 | Last Date & Time for Receipt of Bid. (Online) | 06.07.2026 up to 04:00 PM | | | | |
| 4 | Cost of tender Paper and Earnest Money Deposit on submission of bids (if applicable) as per mentioned in Annexure- 1 vide letter No- 120 dt 03.10.2023 by Secretary, Department of Information Technology and e-Governance Government of Jharkhand. | 06.07.2026 up to 04:00 PM | | | | |
| 5 | Date & Time of Opening of Tender | 07.07.2026 at 04:00 PM | | | | |
| 6 | Name & Address of Office inviting tender | Executive Engineer, Drinking Water & Sanitation Division Tenughat | | | | |
| 7 | Contact No. of Procurement Office | 9430308778, 8863832825 | | | | |
| 8 | Helpline No. of e-procurement cell | 0651-248045 | | | | |

Note:- • **No claim shall be entertained because of disputation of internet service being used by the bidders. Bidders are advice to upload their bids well in advance to avoid last minute technical snags. Further details can be seen on website** Http://jharkhandtenders.gov.in

• **Estimated Cost may be increase or decrease.**

**Executive Engineer,**
**Drinking Water & Sanitation Tenughat**

PR 383137 Drinking Water and Sanitation (26-27)_D


# 4 लेबर कोड के विरोध में 1 जुलाई को कोयला उद्योग में आंदोलन

**धनबाद (कासं) :** राष्ट्रीय कोलियरी मजदूर यूनियन के महामंत्री ए के झा , कार्यकारी अध्यक्ष ब्रजेंद्र प्रसाद सिंह, कार्यकारी अध्यक्ष अनुपमा सिंह ने संयुक्त रूप से बयान जारी कर कहा है कि चार लेबर कोड के विरोध में आगामी १ जुलाई को संपूर्ण कोयला उद्योग में फेडरेशन, यूनिट स्तर से कंपनी स्तर तक प्रदर्शन, नारेबाजी, संगोष्ठी, साइकिल/मोटरसाइकिल जुलूस, कार्यस्थल पर नुक्कड़ सभा द्वारा करने का मजबूत फैसला लिया है। कोयला मजदूरों ने हर संकट की घड़ी में देश की ऊर्जा आवश्यकता को पूरा करने, उत्पादन को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा की है। १२वाँ वेज बोर्ड का गठन न करने के पीछे भाजपा सरकार की नियत, सोच और भावना सही नहीं है। कोयला मंत्री से मांग करते हैं कि लेबर कोड को तुरंत निरस्त किया जाए, जो सिर्फ देश के पूंजीपतियों के हित में है। साथ ही कोयला मजदूरों के १२वें वेज बोर्ड की गठन की घोषणकोयला मंत्री तत्काल करें।

उन्होंने कहा कि ४ लेबर कोड कोयला उद्योग, कोयला मजदूर के लिए एक विष के प्याले के समान है। भाजपा सरकार ने कोविड-१९ के दरमियान इस अमानवीय, अनुचित कानून को संसद से पास करने का काम किया। जबकि पूरा देश कोविड-१९ के आतंक के साए में जी रहा था। इस कानून को लाने के पहले भाजपा सरकार ने सारे संसदीय तथा जनतांत्रिक परंपरा को दरकिनार करते हुए ना तो इस मुद्दे पर राजनीतिक विपक्षी दलों से बात की और ना ही मजदूर संगठनों से बात करने का काम किया। बिना किसी लंबे बहस के, बिना किसी ट्रेड यूनियन से बात किए पूंजीपतियों के इशारे पर मजदूरों के हित के विपरीत इस कानून को पास करने का काम किया।

बिहार विधानसभा चुनाव के दौरान महिलाओं को नियोजन देने के नाम पर वर्ल्ड बैंक से जो लोन लिया गया उस राशि को निर्वाचन संहिता का उल्लंघन करते हुए बिहार के कोयला उद्योग में आंदोलन पहली जुलाई को राष्ट्रीय कोलियरी मजदूर यूनियन के महामंत्री ए के झा, कार्यकारी अध्यक्ष ब्रजेंद्र प्रसाद सिंह, कार्यकारी अध्यक्ष अनुपमा सिंह ने संयुक्त रूप से बयान जारी कर कहा है कि चार लेबर कोड के विरोध में आगामी १ जुलाई को संपूर्ण कोयला उद्योग में फेडरेशन, यूनिट स्तर से कंपनी स्तर तक प्रदर्शन, नारेबाजी, संगोष्ठी, साइकिल/मोटरसाइकिल जुलूस, कार्यस्थल पर नुक्कड़ सभा द्वारा करने का मजबूत फैसला लिया है। कोयला मजदूरों ने हर संकट की घड़ी में देश की ऊर्जा आवश्यकता को पूरा करने, उत्पादन को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा की है। १२वाँ वेज बोर्ड का गठन न करने के पीछे भाजपा सरकार की नियत, सोच और भावना सही नहीं है।

कोयला मंत्री से मांग करते हैं कि लेबर कोड को तुरंत निरस्त किया जाए, जो सिर्फ देश के पूंजीपतियों के हित में है। साथ ही कोयला मजदूरों के १२वें वेज बोर्ड की गठन की घोषना कोयला मंत्री तत्काल करें।

# हिमालया बेबीकेयर ने देश भर की 50 हजार नर्सों को किया सम्मानित

**नई दिल्ली (ईएमएस):** स्वास्थ्य सेवा की रीढ़ और मरीजों के लिए जीवनदायिनी बनीं नर्सों के प्रति सम्मान व्यक्त करते हुए देश के प्रतिष्ठित ब्रांड हिमालया बेबीकेयर ने एक व्यापक और प्रेरणादायक पहल की है। कंपनी ने पूरे भारत में स्वास्थ्य सेवाओं में कार्यरत ५०,००० नर्सों को उनके वर्षों के कठिन परिश्रम, करुणा और निस्वार्थ सेवा के लिए सम्मानित किया है।

इस गौरवशाली अभियान का मुख्य आकर्षण नई दिल्ली स्थित राष्ट्रपति भवन में आयोजित राष्ट्रीय फ्लोरेंस नाइटिंगेल पुरस्कार २०२६ समारोह रहा। हिमालया बेबीकेयर को इस प्रतिष्ठित कार्यक्रम में विशेष रूप से आमंत्रित किया गया था, जहाँ देश की महामहिम राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू ने नर्सिंग क्षेत्र की उत्कृष्ट प्रतिभाओं को सम्मानित किया। इस अवसर पर हिमालया की टीम ने पुरस्कार विजेता १५ नर्सों का अभिनंदन करते हुए उनके जज्बे को सलाम किया।

हिमालया बेबीकेयर की यह राष्ट्रव्यापी पहल केवल पुरस्कार विजेताओं तक सीमित नहीं रही, बल्कि इसका दायरा बहुत विस्तृत था। देशभर के विभिन्न सरकारी व निजी अस्पतालों तथा स्वास्थ्य संस्थानों में कार्यरत उन नर्सों को विशेष रूप से सम्मानित किया गया, जिन्होंने १० से २५ वर्षों तक मातृ, नवजात और सामुदायिक स्वास्थ्य देखभाल में अपना अटूट योगदान दिया है। इन नर्सों को विशेष प्रमाण-पत्र और उपहार पैकेट भेंट कर उनके प्रति कृतज्ञता व्यक्त की गई।

हिमालया वेलनेस कंपनी के बेबीकेयर निदेशक चक्रवर्ती एनवी ने इस पहल के मर्म को समझाते हुए कहा कि नर्सें स्वास्थ्य व्यवस्था की आधारशिला हैं। वे जीवन के हर महत्वपूर्ण मोड़ पर मरीजों को ढांढस और भरोसा देती हैं। हिमालया परिवार माताओं और शिशुओं के प्रति नर्सों की भूमिका को गहराई से सराहता है।


## कार्यालय– जिला मत्स्य पदाधिकारी, जामताड़ा

**मत्स्य अण्ड बीज (स्पॉन) हेतु अति अल्पकालीन निविदा सूचना**

एतद् द्वारा मत्स्य निदेशालय, झारखण्ड राँची के ज्ञापांक 639 दिनांक 19.05.2026 के आलोक में वित्तीय वर्ष 2026–27 में तालाब तथा जलाशय मत्स्य का विकास एवं जीर्णोद्वार योजना (प्रस्तावित) के अन्तर्गत चालू वित्तीय वर्ष की भाँति जामताड़ा जिला में प्रशिक्षित मत्स्य बीज उत्पादकों को मत्स्य अण्ड बीज (स्पॉन) की आपूर्ति हेतु इच्छुक फर्म/ प्रतिशठान से मत्स्य अण्ड बीज (स्पॉन) क्रय करने हेतु मुहरबंद निविदा आमंत्रित की जाती है।

1. निविदा दाता का नाम– जिला मत्स्य पदाधिकारी, जामताड़ा।
2. अग्रधन राशि– 1,00,000/–रू0 (क्र0–01 वर्णित नाम से जामताड़ा में भुगतेय बैंक ड्राफ्ट)
3. निविदा प्रपत्र प्राप्ति का स्थान– जिला मत्स्य कार्यालय, जामताड़ा।
4. निविदा प्राप्ति की तिथि 03.07.2026 को अपराह्न 2:00 बजे तक।
5. स्वीकृति आदेश निर्गत होने के उपरान्त निविदा खुलने की तिथि एवं स्थान अलग से प्रकाशन की जायेगी।

निविदा के नियम एवं शर्तें जिला मत्स्य कार्यालय, जामताड़ा के सूचना पट्ट पर एवं जिला के वेवसाइट www.jamtara.nic.in में देखी जा सकती है।

ह0/– जिला मत्स्य पदाधिकारी,
जामताड़ा

PR 383146 (Fish)26-27*D



झारखण्ड सरकार

## धनबाद समाहरणालय, धनबाद

(जिला योजना शाखा)

दूरभाष सं: 7033696868, E-mail:dhanbad.dp@gmail.com

**–:: निविदा सूचना ::–**

एतद् द्वारा इच्छुक निविदादाताओं को सूचित किया जाता है कि धनबाद जिला में स्वास्थ्य विभाग के अंतर्गत कार्यरत सहिया **(Asha Worker)** को मेडिकल किट की आपूर्ति किया जाना है। इसके निमित Gem Portal पर निविदा का आमंत्रित किया गया है।

उक्त निविदा के तहत इच्छुक निविदादाता मेडिकल किट की आपूर्ति के लिए Gem Portal पर आमंत्रित निविदा में दिए गए शर्तों एवं Specification के अनुरूप आपूर्ति हेतु भाग ले सकते है। निविदा के संदर्भ में विशेष जानकारी के लिए **gem.gov.in** में देखा जा सकता है।

**कार्य का नाम – Supply of Medical Kits for Sahiyas (ASHA Workes)**
**बिड संख्या (Bid No-) – GEM/2026/B/7677696**
**दिनांक – 23.06.2026**
**बिड बंद होने की अंतिम तिथि– 09.07.2026**

जिला योजना पदाधिकारी
धनबाद

PR 383185 Planning and Development(26-27).D



झारखण्ड सरकार

## धनबाद समाहरणालय, धनबाद

(जिला योजना शाखा)

दूरभाष सं: 7033696868 E-mail: dhanbad.dp@gmail.com

**-:: निविदा सूचना ::-**

एतद् द्वारा इच्छुक निविदादाताओं को सूचित किया जाता है कि धनबाद जिला के विभिन्न विद्यालयों में थाली एवं ग्लास की आपूर्ति किया जाना है। इसके निमित Gem Portal पर निविदा का आमंत्रित किया गया है।

उक्त निविदा के तहत इच्छुक निविदादाता थाली एवं ग्लास की आपूर्ति के लिए Gem Portal पर आमंत्रित निविदा में दिए गए शर्तों एवं Specification के अनुरूप आपूर्ति हेतु भाग ले सकते है। निविदा के संदर्भ में विशेष जानकारी के लिए gem.gov.in में देखा जा सकता है।

कार्य का नाम – Supply of Kitchen Utensils in Govt- Schools (Dhanbad) Jharkhand
बिड संख्या (Bid No-) – GEM/2026/B/7677259
दिनांक – 23.06.2026
बिड बंद होने की अंतिम तिथि– 04.07.2026

जिला योजना पदाधिकारी
धनबाद

PR 383190 Planning and Development (26-27)_D


# धोखरा में ग्रामीणों की बैठक

**बलियापुर (ससे) :** धोखरा स्थित जाहेर थान परिसर में धोखरा पंचायत के ग्रामीणों की बैठक सिंदरी विधायक चंद्रदेव महतो की उपस्थिति में संपन्न हुई। बैठक में ग्रामीणों ने धोखरा पंचायत को धनबाद प्रखंड से हटाकर बलियापुर प्रखंड में शामिल कराने की मांग विधायक से की गई। ग्रामीणों का कहना है कि धोखरा पंचायत धनबाद प्रखंड के अंतर्गत होने के कारण इस पंचायत के लोगों को प्रखंड मुख्यालय जाने के लिए करीब २७ किलोमीटर की दूरी तय करनी पड़ती है जबकि ८ किलोमीटर दूर बलियापुर प्रखंड मुख्यालय स्थित है। धनबाद प्रखंड मुख्यालय काफी दूर होने के कारण इस पंचायत के लोग अपने प्रखंड कार्यालय तक नहीं जा पाते हैं जबकि धोखरा पंचायत बलियापुर अंचल, साक्षरता कार्यालय एवं यह बलियापुर थाना क्षेत्र के अंतर्गत आता है किंतु प्रखंड मुख्यालय धनबाद होने के कारण इस पंचायत के लोगों को काफी दिक्कतें होती है। इस पर विधायक श्री महतो ने ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कहा कि उन्होंने विधानसभा में धोखरा पंचायत को बलियापुर प्रखंड में शामिल कराने के लिए आवाज भी उठाई है तथा इस संबंध में झारखंड के ग्रामीण विकास मंत्री को पत्र भी प्रेषित किया है। विधायक श्री महतो ने कहा कि इसके लिए वह लगातार प्रयासरत है। बैठक में इस पंचायत के अन्य कई समस्याओं पर भी चर्चा किया गया। बैठक में विधायक प्रतिनिधि सत्येंद्र महतो, शत्रुघ्न महतो, बिसू मांझी, मदन महतो, भूपति महतो, शिवप्रसाद महतो, जुड़न मांझी, विशु सोरेन अनिल महतो, आमोद बाउरी, दिलीप बाउरी आदि थे।

# आंगनबाड़ी केंद्र के नये भवन का उद्घाटन

**गोविंदपुर (ससे) :** आंगनबाड़ी केंद्र गांव भीतर बाउरी टोला के नये भवन का उद्घाटन मुखिया ममता देवी व जयश्री शर्मा ने संयुक्त रूप से किया। सेविका रूपा मोदक, सहायिका अनिता कुमारी, समाजसेवी वीरेंद्र रजक, भाजपा नेता पप्पू विश्वकर्मा, वार्ड सदस्य राजेश कुमार, छोटू बाउरी, राजू बाउरी, विष्णु बाउरी अनिकेत कुमार आदि उपस्थित थे। पिछले वर्ष २५ जुलाई को इस केंद्र की छज्जा का प्लास्टर गिरने से बच्चे बाल-बाल बच गए थे। मामले को लेकर मुखिया ममता देवी डीसी से मिली थी और डीसी के आदेश पर नया आंगनबाड़ी केंद्र का निर्माण हुआ।

# सहायक शिक्षक को दी गई विदाई

**गोविंदपुर (ससे) :** ३७ वर्षों की सेवा के बाद सेवानिवृत्ति पर उच्च विद्यालय जमडीहा के सहायक शिक्षक अख्तर हुसैन की समारोह



पूर्वक विदाई दी गई। विद्यालय परिवार ने उन्हें सम्मानित किया और उपहार प्रदान किया। कार्यक्रम अध्यक्ष पूर्व मुखिया फतेह अली अंसारी एवं प्रधानाध्यापक अजय कुमार महतो ने अख्तर हुसैन को कुशल एवं कर्मठ शिक्षक बताया। मौके पर मवि मयूरनाचना के एचएम खुर्शीद आलम, मवि बाघमारा खुर्द के एचएम संजीव मंडल, नसीम अख्तर मिर्जा, प्रदीप महतो, तारा देवी, अभिजीत कुमार साधु, ताहिर हुसैन, अजीत कुमार, नाजिर अंसारी, सरफुद्दीन अंसारी, सनाउल्लाह अंसारी, सुनील महतो आदि ने अपने विचार रखे। मुखिया गोविंद प्रसाद साव व प्लस टू उच्च विद्यालय नगरकियारी की प्राचार्य डॉ मीरा सिंह ने उनके सुखमय जीवन की कामना की।

# स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

**बलियापुर (ससे) :** घड़बड़ पंचायत भवन में एक निजी अस्पताल धनबाद के सौजन्य से स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया। शिविर में मौजूद डॉक्टर जाफर रसीद एवं उनके टीम द्वारा पचास से अधिक लोगों का स्वास्थ्य जांच किया गया एवं आवश्यक सलाह दी गई। अस्पताल की टीम ने इस दौरान गांव के कई लोगों को अस्पताल की ओर से कार्ड उपलब्ध करवाया गया ताकि अस्पताल पहुंचने पर उसे अस्पताल की ओर से विशेष छूट दिया जा सके।


## कार्यालय:-जिला स्वास्थ्य समिति, जामताड़ा

**–: कार्यालय सूचना :–**

अधोहस्ताक्षरी कार्यालय ज्ञापांक 646(DHS) दिनांक 17.06.2026 के द्वारा आदिम जनजाति समुदाय (PVTG) बाहुल्य ग्रामों के निवासियों को स्वास्थ्य सेवाएँ एवं अन्य राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों के क्रियान्वयन हेतु आयुष चिकित्सक एवं चिकित्सा सहायक का चयन हेतु Walk in Interview दिनांक 25.06.2026 को निर्धारित किया गया है। इस हेतु **PR No.- 382734** दिनांक 20.06.2026 प्रकाशित किया गया था।

उक्त विज्ञापन को अपरिहार्य कारणवश स्थगित किया जाता है। साथ ही Walk in Interview हेतु अगली तिथि की सूचना बाद में दी जायेगी।

ह0/–
सिविल सर्जन–सह–सचिव,
जिला स्वास्थ्य समिति, जामताड़ा

PR 383150 District(26-27).D

# इंजीनियर के ठिकानों पर ईओयू की छापेमारी

पटना,(ईएमएस): बिहार के भवन निर्माण विभाग में तैनात सुपरिटेंडेंट इंजीनियर पवन कुमार के खिलाफ आर्थिक अपराध इकाई (ईओयू) ने बड़ी कार्रवाई करते हुए पटना, भागलपुर, नोएडा और नई दिल्ली समेत कई ठिकानों पर एक साथ छापेमारी की। प्रारंभिक जांच में करोड़ों रुपये की संपत्ति, नकदी और कीमती सामान मिलने की जानकारी सामने आई है।

ईओयू की टीम बुधवार सुबह से पटना के कृष्णापुरी स्थित यमुना अपार्टमेंट के फ्लैट नंबर ३०५/बी में तलाशी अभियान चला रही है। यह तीन बेडरूम का फ्लैट है, जिसकी अनुमानित कीमत तीन करोड़ रुपये से अधिक बताई जा रही है। पवन कुमार पिछले कई वर्षों से इसी फ्लैट में रह रहे हैं।

इसके अलावा पटना स्थित उनके सरकारी कार्यालय, भागलपुर के तिलकामांझी क्षेत्र स्थित आनंदगढ़ कॉलोनी के आवास तथा अन्य परिसरों में भी अलग-अलग टीमों द्वारा जांच की जा रही है। जांच एजेंसी ने नोएडा के सेक्टर-७५ स्थित फ्लैट और फार्म हाउस के साथ नई दिल्ली के द्वारका सेक्टर-१० स्थित आवास को भी छापेमारी के दायरे में लिया है।

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, तलाशी के दौरान अब तक करीब ५.१५ लाख रुपये नकद बरामद किए गए हैं। इसके अलावा सोने-चांदी के बर्तन, आभूषण और अन्य मूल्यवान वस्तुओं के मिलने की भी जानकारी सामने आई है। जांच एजेंसी इन संपत्तियों और निवेशों से जुड़े दस्तावेजों की भी पड़ताल कर रही है। पवन कुमार वर्तमान में भवन निर्माण अंचल-१, पटना में सुपरिटेंडेंट इंजीनियर के पद पर कार्यरत हैं। उनके परिवार में दो पुत्र हैं, जिनमें एक डॉक्टर है, जबकि दूसरा उच्च शिक्षा प्राप्त कर रहा है।

ईओयू अधिकारियों के अनुसार, छापेमारी के दौरान प्राप्त दस्तावेजों, बैंक खातों, अचल संपत्तियों और निवेश संबंधी रिकॉर्ड का मिलान किया जा रहा है। जांच पूरी होने के बाद आय के ज्ञात स्रोतों से अधिक संपत्ति के मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई की जा सकती है। फिलहाल विभिन्न शहरों में छापेमारी और दस्तावेजों की जांच जारी है। एजेंसी की विस्तृत रिपोर्ट आने के बाद संपत्तियों और निवेश से जुड़े अन्य पहलुओं का भी खुलासा होने की संभावना है।

## श्रद्धालुओं ने गंगा नदी में लगाई आस्था की डुबकी

हापुड़,(ईएमएस): गढ़मुक्तेश्वर तहसील क्षेत्र में तीन स्थानों कच्चा घाट लठीरा, पुष्पावती पूठ एवं तीर्थ नगरी ब्रजघाट में गंगा दशहरा पर श्रद्धालु गंगा में डुबकी लगा कर पुण्य अर्जित कर रहे हैं। धार्मिक मान्यता के मुताबिक मां गंगा शिव की जटाओं से निकलकर धरती पर अवतरित हुई थी। इसलिए इस दिन गंगा स्नान का विशेष महत्व है। इस बार पुरुषोत्तम मास होने के कारण ज्येष्ठ मास का गंगा दशहरा पर्व का स्नान दोबारा हो रहा है। तीर्थ नगरी ब्रजघाट, गढ़मुक्तेश्वर के कच्चा घाट लठीरा तथा पुष्पावती पूठ में बुधवार को ब्रह्म मुहूर्त में ही श्रद्धालुओं ने गंगा स्नान किया। गंगा स्नान के बाद श्रद्धालुओं ने मंदिरों में पूजा अर्चना कर रहे हैं। वहीं अनेक श्रद्धालु गंगा स्नान के बाद श्री सत्यनारायण भगवान की कथा का श्रवण कर गरीब एवं असहाय लोगों में अन्न, वस्त्र एवं धन आदि का दान कर रहे हैं।

# भरत तिवारी के परिजनों मिलीं ज्योति सिंह

भोजपुर (एजेंसी): बिहार के भोजपुर जिले में भरत तिवारी नाम के युवक की कथित पुलिस एनकाउंटर में मौत के बाद सियासत गरमा गई है। बुधवार को भोजपुरी सिंगर, अभिनेता और विधान-परिषद सदस्य पवन सिंह की पत्नी ज्योति सिंह ने भरत तिवारी के परिजनों से मुलाकात की। ज्योति सिंह ने कहा कि हम भरत तिवारी को न्याय दिलाने के लिए आवाज उठाएंगे। ज्योति सिंह ने कहा कि यह लोकतंत्र है, और सबको सवाल पूछने, आवाज उठाने, हक मांगने और शिकायत दर्ज कराने का अधिकार है। वह पूरे समाज के लिए लड़ाई लड़ रहे थे, इसलिए उनको न्याय मिलना चाहिए। ज्योति सिंह ने कहा कि हमें अफसोस है कि हम पहले उनकी लड़ाई में साथ नहीं थे।

कथित एनकाउंटर पर सवाल उठाते हुए कहा कि यदि भरत तिवारी ने हथियार फेंक दिया था तो गोली मारने की क्या आवश्यक्ता थी। यदि समस्या गंभीर थी तो उनको गिरफ्तार किया जा सकता था। भरत तिवारी ने हथियार सौंप दिया था तो मुझे नहीं लगता कि एनकाउंटर सही है। उन्होंने कहा कि मामले की जांच पड़ताल होनी चाहिए और मुझे उम्मीद है सरकार दोषियों को कड़ी सजा देगी। गौरतलब है कि बिहार सरकार ने मामले की जांच के लिए न्यायिक आयोग का गठन किया है। आरोपी पुलिसकर्मियों पर केस दर्ज हुआ है।

गौरतलब है कि बिहार के भोजपुर जिला स्थित एक गांव में समाजसेवी होने का दावा करने वाले भरत भूषण तिवारी का हथियार लहराते हुए वीडियो सामने आया था। वह व्यवस्था से काफी नाराज थे। बाढ़ कटाव के बाद राहत के लिए किए जा रहे सरकारी काम से वह नाखुश थे और सुधार की मांग कर रहे थे। पुलिस ने उन्हें समझाने का प्रयास किया और फिर संदिग्ध परिस्थितियों में उनका एनकाउंटर हो गया। पुलिस का तर्क है कि भरत भूषण तिवारी पुलिसवालों पर फायरिंग कर रहे थे, जबकि कथित तौर पर भरत तिवारी के ही फेसबुक लाइव के वीडियो से यह दावा किया गया कि उन्होंने हथियार फेंक दिया था।

## चंपत राय के करीबी के संपत्ति में बंपर आया उछाल

अयोध्या,(ईएमएस): अयोध्या राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम (एसआईटी) ने अपनी जांच रिपोर्ट में बड़ा खुलासा कर मंदिर ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय, ट्रस्टी डॉ. अनिल मिश्रा और निर्माण प्रभारी गोपाल राव सहित १७ लोगों को आरोपी माना है। सूत्रों के मुताबिक, इन सभी के खिलाफ जल्द ही एफआईआर दर्ज होना लगभग तय है।

जांच के दौरान, एसआईटी टीम को दानपात्रों की चाबियां रामशंकर यादव उर्फ टिन्नू के पास मिली हैं, जो इस मामले में एक महत्वपूर्ण सबूत है। टीम मंगलवार को फिर जांच के लिए अयोध्या पहुंच सकती है। एसआईटी ने लगभग १५० इसतरह के सेवादारों और कर्मचारियों को चिह्नित किया है जिनकी आर्थिक स्थिति २२ जनवरी २०२४ को रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के बाद अचानक काफी सुधर गई। इसमें चंपत राय के करीबी फूलकांत मिश्रा भी शामिल हैं, जिनके पास २५ लाख रुपये की कुल कीमत वाली तीन लग्जरी कारें मिली हैं।

एसआईटी ने मंगलवार को अपनी २० पन्नों की शुरुआती जांच रिपोर्ट राज्य सरकार को सौंपी थी, जिसमें १५० लोगों से पूछताछ का विवरण है। रिपोर्ट में एफआईआर दर्ज करने और ट्रस्ट को दुबारा गठित करने की सिफारिश की गई है। साथ ही, किसी सीनियर अफसर को मंदिर का सीईओ नियुक्त करने का सुझाव भी दिया गया है। एसआईटी ने पिछले पांच साल के चढ़ावे का ऑडिट कराने और भविष्य में अनियमितताओं को रोकने के लिए सुझाव दिए हैं, जिसमें ट्रस्ट के पदाधिकारियों की भूमिका पर सवाल उठाए गए हैं।

## एलडीए जांच में 18 अधिकारी और इंजीनियर दोषी

लखनऊ,(ईएमएस): राजधानी लखनऊ के अलीगंज इलाके में तीन मंजिला इमारत में लगी भीषण आग में १५ लोगों की मौत के मामले में बड़ा खुलासा हुआ है। लखनऊ विकास प्राधिकरण (एलडीए) की जांच में १८ अधिकारी और इंजीनियर दोषी साबित हुए हैं। एलडीए उपाध्यक्ष ने इन सभी दोषी अधिकारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की सिफारिश कर अपनी विस्तृत रिपोर्ट शासन को भेज दी है। दोषियों में ५ जोनल अधिकारी सहित कुल १८ इंजीनियर और संबंधित अधिकारी शामिल हैं। इससे पहले, एलडीए ने मामले में एक जूनियर इंजीनियर और एक असिस्टेंट इंजीनियर को निलंबित भी किया था। जांच में सामने आया है कि जिस इमारत में यह हृदय विदारक घटना हुई, वह आवासीय उपयोग के लिए स्वीकृत थी, लेकिन इसका इस्तेमाल कारोबारी गतिविधियों के लिए हो रहा था। बिल्डिंग में आने-जाने का सिर्फ एक ही रास्ता था, जिसमें एयर-कंडीशनिंग पैनल और उलझे हुए तार लगे थे, जिसने इस एक डेथ ट्रैप बना दिया। आग फैलने पर अंदर फंसे लोगों के लिए बाहर निकलने का कोई विकल्प नहीं बचा था। धुआं बाहर निकालने की भी कोई उचित व्यवस्था न होने के कारण अधिकांश लोगों की मौत दम घुटने से हुई।

इतना ही नहीं, २०१६ में अवैध निर्माण के खिलाफ जारी ध्वस्तीकरण आदेश को तत्कालीन विहित प्राधिकारी दुर्गेश श्रीवास्तव द्वारा बाद में निरस्त किया गया था। प्राथमिक जांच रिपोर्ट और एफआईआर के मुताबिक, बिल्डिंग में फायर सेफ्टी के पर्याप्त इंतजाम नहीं थे और आकस्मिक स्थिति में बाहर निकलने के लिए कोई वैकल्पिक या इमरजेंसी एग्जिट नहीं था। बिजली की वायरिंग और विद्युत उपकरण भी असुरक्षित तरीके से लगाए गए थे, जबकि एसी के आउटर यूनिट और अन्य उपकरण भी सुरक्षा मानकों के विपरीत स्थापित थे। इस लापरवाही का आलम यह था कि अग्निशमन और एनडीआरएफ टीम को रेस्क्यू के दौरान दीवारें काटकर अंदर प्रवेश करना पड़ा। जांच में यह भी माना गया है कि बिल्डिंग संचालकों और संबंधित जिम्मेदार लोगों को संभावित खतरे की पूरी जानकारी थी, बावजूद इसके कोई सुरक्षा उपाय नहीं किए गए।

## विपक्ष बेबुनियाद आरोप लगा रहा है : राजभर

लखनऊ,(ईएमएस)। समाजवादी पार्टी (सपा) के प्रमुख और पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव पर लगे जमीन हड़पने के आरोपों से उनका बचाव किया है। यह बचाव इसलिए अनूठा है क्योंकि उन्होंने इन आरोपों को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की आंतरिक राजनीति का हिस्सा बताया। अखिलेश ने दावा किया कि भाजपा मध्य प्रदेश, राजस्थान और उत्तर प्रदेश में अपने मुख्यमंत्रियों को बदलने की एक साजिश रच रही है।

अखिलेश ने इस दौरान उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि योगी ने भी ३०० से ६०० एकड़ ज़मीन हासिल की है। अखिलेश ने भविष्यवाणी की कि २०२७ के विधानसभा चुनावों के बाद उत्तर प्रदेश में मुख्यमंत्री अपने आप बदल जाएंगे।

उन्होंने मोहन यादव के बचाव में कहा कि वह पहले रियल एस्टेट के कारोबार में थे और भाजपा को इसकी जानकारी थी, इसलिए अब इन आरोपों का लगाया जाना भाजपा के तीनों मुख्यमंत्रियों को बदलने का रास्ता खोजने जैसा है। हालांकि, अखिलेश के इन बयानों पर पलटवार भी हुआ। उत्तर प्रदेश के पंचायती राज मंत्री और सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सबसपा) के प्रमुख ओम प्रकाश राजभर ने मुख्यमंत्री आदित्यनाथ का बचाव कर आरोप लगाया कि अखिलेश इसलिए परेशान हैं क्योंकि उन्हें अपने कोचाध्यक्ष के दामाद के परिवहन व्यवसाय से जुड़े राज खुलने का डर है। राजभर ने मोहन का भी बचाव किया, यह कहते हुए कि उनके रियल-एस्टेट व्यवसाय के बारे में सभी जानते हैं और विपक्ष बेबुनियाद आरोप लगा रहा है।

# नवादाबेन गांव में तीन सगे भाइयों की मौत को लेकर मचा था बवाल

आरा,(ईएमएस): भोजपुर जिले में पुलिस मुठभेड़ों को लेकर समय-समय पर सवाल उठते रहे हैं। हाल में शाहपुर थाना क्षेत्र के बिलौटी गांव निवासी भरत भूषण तिवारी की मुठभेड़ में मौत के बाद यह मामला फिर चर्चा में आ गया है। इस घटना की न्यायिक जांच की घोषणा हो चुकी है और मानवाधिकार आयोग ने भी संज्ञान लिया है। इससे पहले भी जिले में दो चर्चित एनकाउंटर को लेकर विवाद खड़ा हो चुका है। दोनों मामलों में मृतकों के स्वजन और स्थानीय लोगों ने पुलिस की कार्रवाई पर सवाल उठाते हुए स्वतंत्र जांच की मांग की थी।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक करीब २० साल पहले गजराजगंज ओपी क्षेत्र के नवादाबेन गांव में तीन सगे भाइयों रामजी सिंह, लक्ष्मण सिंह और भरत सिंह की पुलिस मुठभेड़ में मौत को लेकर जमकर बवाल मचा था। पूरे गांव के लोग सड़क पर उतर आए थे। मृतकों के स्वजन ने उस समय भी राजनीतिक एवं प्रशासनिक दबाव में फर्जी मुठभेड़ किए जाने का आरोप लगाया था। २५ अगस्त २००६ को हुई मुठभेड़ की घटना में विवाद बढ़ने के बाद तत्कालीन टाउन डीएसपी और गजराजगंज थानाध्यक्ष को हटा दिया गया था। इधर, १७ जून २०२६ को शाहपुर थाना क्षेत्र के बिलौटी गांव निवासी भरत भूषण तिवारी की पुलिस मुठभेड़ में मौत के बाद एक बार फिर भोजपुर में पुलिस एनकाउंटर की कार्रवाई सवालों के घेरे में आ गई है।

स्वजन ने घटना को फर्जी मुठभेड़ बताते हुए न्यायिक जांच की मांग की है। इस मामले ने राजनीतिक और सामाजिक स्तर पर भी तूल पकड़ लिया है। कई संगठनों के साथ-साथ भोजपुरी फिल्म जगत की कई हस्तियां भी पीड़ित परिवार के समर्थन में सामने आई हैं। पूरे घटनाक्रम के बीच लंबे समय से उठते रहे सवालों ने एक बार फिर पुलिस मुठभेड़ों की पारदर्शिता, जवाबदेही और निष्पक्ष जांच की जरूरत पर बहस छेड़ दी है।

बता दें शाहपुर क्षेत्र में करीब ३३ साल पहले हुए एक चर्चित पुलिस एनकाउंटर की यादें फिर ताजा हो गई हैं। यह मुठभेड़ थाना क्षेत्र के सहजौली और महरजा गांव के बीच स्थित बाधार में हुई थी, जिसमें सहजौली गांव निवासी करिया तिवारी की मौत हो गई थी। मार्च १९९३ में पुलिस को सूचना मिली थी कि करिया तिवारी अपने तीन साथियों के साथ उस इलाके में छिपा है।

इसके बाद पुलिस ने पूरे क्षेत्र की घेराबंदी कर दी। करिया तिवारी एक बगीचे में पेड़ की आड़ लेकर पुलिस पर फायरिंग कर रहा था। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक दोनों ओर से घंटों गोलीबारी हुई थी। उस समय करीब ३० से ४० पुलिसकर्मी अभियान में शामिल थे और सैकड़ों राउंड गोलियां चली थीं। मुठभेड़ के बाद पुलिस ने करिया तिवारी को मार गिराया था, जबकि उसके तीन साथी गंभीर रूप से घायल हो गए थे। घायलों में करिया तिवारी का भाई और एक पटीदार भी शामिल बताए जाते हैं।

## 5 नए निजी विश्वविद्यालयों को मंजूरी

पटना (ईएमएस): बिहार सरकार ने शिक्षा क्षेत्र में बड़ा कदम उठाते हुए राज्य में पांच नए निजी विश्वविद्यालयों की स्थापना को मंजूरी दे दी है। यह निर्णय मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में लिया गया, जिसमें कुल ४५ प्रस्तावों को स्वीकृति दी गई। जानकारी के अनुसार ये नए निजी विश्वविद्यालय राज्य के पटना, मधुबनी, सिवान, औरंगाबाद और नवादा जिलों में खोले जाएंगे। सरकार का मानना है कि इस फैसले से उच्च शिक्षा के अवसर बढ़ेंगे और छात्रों को राज्य के भीतर ही बेहतर विकल्प मिलेंगे।

इसके अलावा कैबिनेट बैठक में कई अन्य महत्वपूर्ण निर्णय भी लिए गए, जिनमें न्यायिक ढांचे को मजबूत करने के लिए कुछ जिलों में नए न्यायालय भवनों के निर्माण की मंजूरी शामिल है। साथ ही शहरी विकास और बुनियादी ढांचे से जुड़े प्रस्तावों को भी हरी झंडी दी गई।

## भरत तिवारी एनकाउंटरः जो हुआ सही नहीं हुआ : बाबा बागेश्वर

भोजपुर (ईएमएस) : बिहार के भोजपुर में १७ जून को हुए भरत तिवारी एनकाउंटर मामले में बाबा बागेश्वर धीरेंद्र शास्त्री ने प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने घटना को सही नहीं बताया है और इसकी निष्पक्ष जांच की मांग की है। बाबा बागेश्वर ने कहा कि उन्हें तिवारी के बारे में जानकारी मिली है, वह एक हिंदू और सनातनी युवक था जो हिंदुत्व और सनातन के लिए लड़ता था। उन्हें पता चला है कि भरत ने प्रशासन के सामने सरेंडर किया था, लेकिन इसके बाद भी पुलिस ने उस पर गोली चला दी।

धीरेंद्र शास्त्री ने पूरे मामले की गहन जांच की वकालत कर कहा कि अगर भरत अपराधी था, तब उस न्यायपालिका से दंड मिलना चाहिए था। उन्होंने मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी से मामले की जांच कराने का आग्रह कर कहा कि भगवान ने चाहा तब वह भविष्य में भरत तिवारी के परिवार से मिलूंगा। भरत के परिजनों ने भी पुलिस पर गंभीर आरोप लगाए हैं, उनका कहना है कि यह एनकाउंटर नहीं बल्कि एक सुनियोजित हत्या थी, क्योंकि भरत ने हथियार फेंककर आत्मसमर्पण किया था। भरत की मां की शिकायत पर जगदीशपुर के तत्कालीन एसडीपीओ जेश कुमार शर्मा और शाहपुर थानाध्यक्ष सहित अन्य पुलिसकर्मियों के खिलाफ केस दर्ज किया गया है।

इस घटना के बाद से क्षेत्र में रोष व्याप्त है, भरत के गांव में परिजनों और आसपास के ग्रामीणों ने महापंचायत आयोजित कर न्याय की मांग की। राजद सांसद सुधाकर सिंह ने भी मामले में गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि एनकाउंटर के लिए पटना से एसटीएफ की टीम भेजी गई थी और उन्होंने सीधे एडीजी कुंदन कृष्णा पर सवाल उठाकर पूछा कि एसटीएफ को भोजपुर किसने भेजा था। सांसद ने यह भी संकेत दिया कि एसटीएफ भेजने के पीछे मुख्यमंत्री का नाम भी हो सकता है, क्योंकि वाहवाही वही ले रहे हैं। इस फर्जी एनकाउंटर को लेकर अब कानूनी दांवपेंच जारी है।

## भरत तिवारी एनकाउंटर मामले में एसडीपीओ भी हटाए गए

पटना,(ईएमएस) : बिहार के भोजपुर जिले के शाहपुर थाना क्षेत्र में हुए भरत भूषण तिवारी एनकाउंटर मामले ने राजनीति, प्रशासन और पुलिस महकमे में हलचल बढ़ा दी है। बिलौटी गांव में आयोजित होने वाली महापंचायत से ठीक पहले सरकार और पुलिस मुख्यालय ने कई अहम कदम उठाए हैं। पहले एनकाउंटर में शामिल पुलिस अधिकारियों और कर्मियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई और अब जगदीशपुर के एसडीपीओ को पद से हटा दिया गया है।

पुलिस मुख्यालय ने जगदीशपुर के एसडीपीओ राजेश वर्मा को तत्काल प्रभाव से हटाकर अगले आदेश तक मुख्यालय से संबद्ध कर दिया है। उनकी जगह पंकज मिश्रा को नया एसडीपीओ नियुक्त किया गया है। प्रशासनिक सूत्रों के अनुसार यह फैसला उच्चस्तरीय समीक्षा के बाद लिया गया है।

मंगलवार को भरत तिवारी की मां द्वारा दिए गए आवेदन के आधार पर शाहपुर थाने में मामला दर्ज किया गया। प्राथमिकी में तत्कालीन एसडीपीओ राजेश कुमार शर्मा, तत्कालीन थानाध्यक्ष राजेश मालाकार तथा एनकाउंटर में शामिल अन्य पुलिसकर्मियों को नामजद किया गया है। परिजनों का आरोप है कि यह पुलिस मुठभेड़ नहीं बल्कि सुनियोजित हत्या थी। हत्या समेत विभिन्न धाराओं में दर्ज मुकदमे के बाद यह मामला और अधिक गंभीर हो गया है।

गौरतलब है कि भरत तिवारी के पैतृक गांव बिलौटी में बुधवार को बड़ी महापंचायत बुलाई गई है। यह आयोजन कुंडेश्वर महादेव मंदिर के पास प्रस्तावित है। स्थानीय लोगों, सामाजिक संगठनों और समर्थकों के बड़ी संख्या में जुटने की संभावना है।

# नियमों की धज्जियां उड़ाने वाले कई नामी कोचिंग सेंटर सील

लखनऊ(ईएमएस) : राजधानी लखनऊ के अलीगंज स्थित एक कोचिंग संस्थान में हुए दर्दनाक अग्निकांड ने पूरे उत्तर प्रदेश को झकझोर दिया है, जिसके बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सख्त निर्देशों पर प्रदेशभर में सुरक्षा जांच का व्यापक अभियान शुरू हो गया है। इस अभियान में न केवल कोचिंग संस्थानों को बल्कि अस्पतालों, होटलों, लाइब्रेरी और बहुमंजिला इमारतों को भी शामिल किया गया है। शुरुआती जांच में फायर सेफ्टी, इमरजेंसी एग्जिट, भवन मानकों और पंजीकरण से जुड़ी गंभीर खामियां सामने आई हैं, जिसके परिणामस्वरूप कई जिलों में कोचिंग संस्थानों को सील किया गया है और सैकड़ों संस्थान अभी भी जांच के दायरे में हैं। यह अभियान प्रदेश में किसी भी प्रकार की लापरवाही पर शून्य सहनशीलता की नीति को दर्शाता है।

प्रयागराज में प्रशासन की कार्रवाई सबसे अधिक चर्चा में रही, जहां प्रयागराज विकास प्राधिकरण (पीडीए) ने सिविल लाइंस स्थित खान ग्लोबल क्लासेज को सील कर दिया। अधिकारियों के अनुसार, जिस भवन में कोचिंग संचालित हो रही थी, उसका नक्शा व्यावसायिक उपयोग के लिए स्वीकृत था, जबकि कोचिंग संस्थान का संचालन सामुदायिक सुविधा श्रेणी में आता है, जिसके लिए आवश्यक भू-उपयोग स्वीकृति नहीं ली गई थी। नोएडा में भी संयुक्त टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए सेक्टर-१०४ स्थित ओम कोचिंग सेंटर और सेक्टर-४९ स्थित बासु कोचिंग सेंटर को तत्काल सील कर दिया, क्योंकि उनमें केवल एक संकरा प्रवेश/निकास रास्ता, पंजीकरण का अभाव, फायर एनओसी की कमी और आपातकालीन निकास की अनुपलब्धता पाई गई।

प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए मशहूर कानपुर का काकादेव क्षेत्र भी इस जांच के केंद्र में रहा, जहां कानपुर विकास प्राधिकरण और अग्निशमन विभाग की टीमों ने ३० से अधिक कोचिंग संस्थानों को सील किया। जांच में पाया गया कि कई संस्थानों ने बेसमेंट पार्किंग को क्लासरूम में बदल दिया था, जिससे सुरक्षा खतरे बढ़ गए थे। वाराणसी के दुर्गाकुंड क्षेत्र में भी फायर सर्विस, विकास प्राधिकरण और पुलिस की संयुक्त टीम को कुछ संस्थानों के बेसमेंट में जनरेटर, डीजल, पेट्रोल, लकड़ी का कबाड़ और अन्य ज्वलनशील सामग्री मिली, जिसे गंभीर खतरा बताते हुए संचालकों को कड़ी चेतावनी दी गई।

एक प्रतिष्ठित कोचिंग संस्थान तो ऐसी इमारत में संचालित पाया गया जिसका मानचित्र भी स्वीकृत नहीं था, जिसके बाद पूरी इमारत को सील करने का आदेश दिया गया।

गोरखपुर में भी कई खामियां सामने आईं, जहां एक प्रमुख संस्थान में केवल एक सीढ़ी मिली और फायर अलार्म व अग्निशमन व्यवस्था मानकों के अनुरूप नहीं थी, जिसके लिए नोटिस जारी किए गए हैं। उन्नाव में तीन और मिर्जापुर में लगभग एक दर्जन संस्थानों को सीज किया गया। गाजियाबाद विकास प्राधिकरण (जीडीए) ने अभियान को और व्यापक बनाते हुए कोचिंग संस्थानों के साथ-साथ होटल, बैंक्वेट हॉल, अस्पताल और व्यावसायिक भवनों का भी निरीक्षण शुरू किया है, जिसमें अब तक २०६ ऐसे मामले चिन्हित किए गए हैं जहां अग्नि सुरक्षा संबंधी कमियां मिली हैं और इनमें से ५६ मामलों में सीलिंग जैसी कार्रवाई शुरू हो चुकी है। बांदा में कमिश्नर के औचक निरीक्षण के दौरान कई निजी अस्पतालों में फायर उपकरण केवल दिखावे के लिए लगे पाए गए, जो काम नहीं कर रहे थे, जिस पर कमिश्नर ने २४ घंटे के भीतर सभी सुरक्षा उपकरण चालू कराने के निर्देश दिए।

उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय ने स्पष्ट किया है कि प्रदेश में संचालित सभी कोचिंग संस्थानों का व्यापक सर्वे कराया जा रहा है और जो संस्थान उत्तर प्रदेश कोचिंग विनियमन अधिनियम के तहत पंजीकृत नहीं हैं, उनके खिलाफ कठोर कार्रवाई होगी। उन्होंने भवन सुरक्षा, अग्निशमन व्यवस्था, विद्युत सुरक्षा और आधारभूत सुविधाओं का ऑडिट किए जाने पर जोर दिया, क्योंकि विद्यार्थियों की सुरक्षा और गुणवत्तापूर्ण शैक्षिक वातावरण सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इस बड़े पैमाने के अभियान का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि भविष्य में ऐसी कोई भी दुखद घटना दोबारा न हो और सभी सार्वजनिक प्रतिष्ठान सुरक्षा मानकों का कड़ाई से पालन करें।

## सपा फूट पर गलत जानकारीः राजीव राय का ओपी राजभर को कानूनी नोटिस

लखनऊ,(ईएमएस) : समाजवादी पार्टी (सपा) सांसद राजीव राय ने उत्तर प्रदेश के मंत्री ओम प्रकाश राजभर को कानूनी नोटिस भेजने का ऐलान कर दिया है।सांसद राय ने राजभर पर सपा में कथित फूट के संबंध में गलत जानकारी फैलाने का आरोप लगाया है। उन्होंने बताया कि पार्टी का एक भी सांसद अलग नहीं होगा। राय ने चुनौती दी कि यदि सपा प्रमुख अखिलेश यादव कहें, तब पार्टी का हर सांसद भाजपा के पांच विधायकों को सपा में शामिल करा सकता है। बीते हफ्ते, राजभर ने दावा किया था कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और राजीव राय के बीच बैठक हुई थी। उन्होंने आरोप लगाया कि घोसी से सांसद राय एक गुट का नेतृत्व कर और सपा से अलग हो जाएंगे। राजभर ने सपा और उसके नेता रामगोपाल यादव पर तीखा हमला बोला था, आरोप लगाया कि वे राजभर और मौर्य समुदाय को यादवों से कमतर समझते हैं और उनके घरों में अलग बर्तन रखते हैं।

# सीएम हेमंत सोरेन की संवेदनशील पहलः बीमार, दिव्यांग और वरिष्ठ कलाकारों को मिलेगी 4 हजार रुपये मासिक पेंशन



रांची (एजेंसी): मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की पहल पर झारखंड सरकार ने राज्य के वरिष्ठ, गंभीर रूप से बीमार और स्थायी रूप से दिव्यांग कलाकारों को आर्थिक सहारा देने के लिए मासिक निवृत्तिका (कलाकार पेंशन) योजना को मंजूरी दे दी है। योजना के तहत पात्र कलाकारों को प्रतिमाह ४,००० रुपये की सम्मान राशि दी जाएगी।

सरकार ने योजना के लिए आवेदन आमंत्रित किए हैं। चयनित कलाकारों के आधार से जुड़े बैंक खातों में प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) के माध्यम से हर महीने राशि भेजी जाएगी। आवेदन करने की अंतिम तिथि ३१ जुलाई २०२६ निर्धारित की गई है।

कला, संस्कृति एवं युवा कार्य विभाग के निदेशक आसिफ एकराम ने बताया कि यह योजना उम्र, गंभीर बीमारी या स्थायी दिव्यांगता के कारण आर्थिक कठिनाइयों का सामना कर रहे कलाकारों के लिए महत्वपूर्ण सहारा साबित होगी। उन्होंने कहा कि यह पहल कलाकारों के जीवनभर के योगदान के प्रति राज्य सरकार के सम्मान और कृतज्ञता का प्रतीक है।

योजना का लाभ झारखंड के मूल निवासी वृद्ध, गंभीर रूप से बीमार एवं स्थायी रूप से दिव्यांग कलाकारों को मिलेगा। संगीत, नृत्य, रंगमंच, लोककला, चित्रकला, मूर्तिकला तथा अन्य सांस्कृतिक विधाओं से जुड़े कलाकार इसके लिए आवेदन कर सकते हैं।

आवेदन के साथ आयु प्रमाण-पत्र, आय प्रमाण-पत्र, निवास प्रमाण-पत्र, आधार कार्ड, बैंक खाते का विवरण, कला क्षेत्र में उपलब्धियों और सम्मान से संबंधित प्रमाण-पत्र जमा करना होगा। गंभीर बीमारी या दिव्यांगता की स्थिति में सक्षम प्राधिकारी द्वारा जारी प्रमाण-पत्र भी देना अनिवार्य होगा।

योजना से संबंधित दिशा-निर्देश और आवेदन प्रपत्र झारखंड संस्कृति विभाग की वेबसाइट पर उपलब्ध हैं। आवेदन प्रपत्र डाउनलोड कर आवश्यक दस्तावेजों के साथ सांस्कृतिक कार्य निदेशालय, रांची में जमा किया जा सकता।

# महिला प्रसार पदाधिकारियों को एसीपी-एमएसीपी लाभ दिलाने की कवायद तेज, जिलों से मांगे गए सेवा अभिलेख



रांची (एजेंसी): झारखंड राज्य की सेवा में कार्यरत और सेवानिवृत्त महिला प्रसार पदाधिकारियों को एसीपी (सुनिश्चित करियर उन्नयन योजना) और एमएसीपी (संशोधित सुनिश्चित करियर उन्नयन योजना) का वित्तीय लाभ दिलाने की दिशा में ग्रामीण विकास विभाग ने पहल तेज कर दी है। बताया जा रहा है कि महिला प्रसार पदाधिकारियों की लंबे समय से लंबित इस मांग पर विभागीय स्तर पर गंभीरता से कार्रवाई की जा रही है।

ग्रामीण विकास विभाग ने रांची समेत २० जिलों के उप विकास आयुक्तों (डीडीसी) को पत्र भेजकर महिला प्रसार पदाधिकारियों की सेवा पुस्तिका, सेवा सत्यापन और अन्य आवश्यक अभिलेख उपलब्ध कराने को कहा है। इन दस्तावेजों के आधार पर एसीपी और एमएसीपी लाभ से संबंधित प्रस्ताव पर आगे कार्रवाई की जाएगी।

सूत्रों के अनुसार, महिला प्रसार पदाधिकारी वर्षों से सेवा उन्नयन लाभ देने की मांग उठा रही थीं। इसी क्रम में विभाग ने २९ अप्रैल २०२६ को भी जिलों से आवश्यक प्रतिवेदन मांगा था, लेकिन कई जिलों से अब तक अभिलेख उपलब्ध नहीं हो सके हैं। इसके कारण मामला लंबित पड़ा हुआ है। अब विभाग ने दोबारा पत्र जारी कर लंबित सूचनाएं शीघ्र भेजने का निर्देश दिया है।

गौरतलब है कि महिला प्रसार पदाधिकारी ग्रामीण क्षेत्रों में महिला सशक्तीकरण, स्वयं सहायता समूहों के गठन एवं संचालन, स्वरोजगार कार्यक्रमों के क्रियान्वयन तथा विभिन्न सरकारी योजनाओं के प्रचार-प्रसार और निगरानी में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

विभागीय सूत्रों का कहना है कि सभी जिलों से सेवा अभिलेख प्राप्त होने के बाद महिला प्रसार पदाधिकारियों को एसीपी-एमएसीपी का लाभ देने के प्रस्ताव पर अंतिम निर्णय लिया जाएगा। इससे राज्यभर की कार्यरत और सेवानिवृत्त महिला प्रसार पदाधिकारियों को आर्थिक एवं सेवा संबंधी लाभ मिलने का रास्ता साफ हो सकता है।

# मुख्यमंत्री आवास घेराव मामले में आजसू नेताओं को अदालत से झटका, रिवीजन याचिका खारिज




ठरपलहळ : मुख्यमंत्री आवास घेराव मामले में ऑल झारखंड स्टूडेंट यूनियन (आजसू) के नेताओं को अदालत से राहत नहीं मिली है। अपर न्यायायुक्त अमित शेखर की अदालत ने आजसू नेता देवशरण भगत और पूर्व मंत्री रामचंद्र सहिस द्वारा दायर क्रिमिनल रिवीजन याचिका को खारिज कर दिया। दोनों नेताओं ने निचली अदालत के उस आदेश को चुनौती दी थी, जिसमें उनकी डिस्चार्ज पिटीशन खारिज कर दी गई थी।

सुनवाई के दौरान अदालत ने दोनों पक्षों की दलीलों और उपलब्ध दस्तावेजों का परीक्षण करने के बाद याचिका निरस्त कर दी। इसके साथ ही दोनों नेताओं के खिलाफ चल रही आपराधिक कार्यवाही जारी रखने का रास्ता साफ हो गया है।

मामले में आरोप पहले ही तय किए जा चुके हैं और इसकी सुनवाई रांची की एमपी-एमएलए विशेष अदालत में चल रही है। अदालत के ताजा फैसले के बाद मुकदमे की प्रक्रिया पूर्व निर्धारित तरीके से आगे बढ़ेगी।

गौरतलब है कि वर्ष २०२१ में ओबीसी आरक्षण की सीमा बढ़ाने समेत विभिन्न मांगों को लेकर आजसू ने मुख्यमंत्री आवास घेराव कार्यक्रम आयोजित किया था। मोरहाबादी मैदान से मुख्यमंत्री आवास की ओर बढ़ रही रैली को पुलिस ने रोक दिया था, जिसके बाद तनाव की स्थिति पैदा हो गई थी। इस मामले में आजसू प्रमुख सुदेश महतो, सांसद चंद्रप्रकाश चौधरी, रामचंद्र सहिस, शिवपूजन मेहता और देवशरण भगत सहित कई नेताओं के खिलाफ लालपुर थाना में प्राथमिकी दर्ज की गई थी। उन पर बिना अनुमति रैली निकालने, सरकारी कार्य में बाधा पहुंचाने और विधि-व्यवस्था प्रभावित करने जैसे आरोप लगाए गए हैं।

# 3 को मुख्यमंत्री करेंगे 220 केवी दुमका-गोविंदपुर ट्रांसमिशन लाइन का लोकार्पण

रांची (एजेंसी): मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ३ जुलाई २०२६ को रांची से ऑनलाइन माध्यम से २२० केवी दुमका-गोविंदपुर ट्रांसमिशन लाइन का लोकार्पण करेंगे। इस परियोजना के शुरू होने से दुमका, देवघर, गोड्डा, पाकुड़, धनबाद समेत आसपास के क्षेत्रों में गुणवत्तापूर्ण और अधिक स्थिर विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित होगी। हाल के महीनों में इस ट्रांसमिशन नेटवर्क को मजबूत करने के लिए कई तकनीकी कार्य पूरे किए गए हैं, जिससे संथाल परगना और कोयलांचल क्षेत्र में बिजली व्यवस्था को मजबूती मिलेगी।

मिली जानकारी के अनुसार लोकार्पण कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री अमड़ापाड़ा (पाकुड़), सूरदा (पूर्वी सिंहभूम) और नारायणपुर (जामताड़ा) स्थित १३२/३३ केवी ग्रिड सबस्टेशनों का भी उद्घाटन करेंगे। इन परियोजनाओं के चालू होने से संबंधित जिलों में बिजली आपूर्ति की विश्वसनीयता बढ़ेगी तथा उपभोक्ताओं को बेहतर वोल्टेज और कम बाधित आपूर्ति का लाभ मिलेगा।

राज्य सरकार का मानना है कि नई ट्रांसमिशन लाइन और ग्रिड सबस्टेशनों के संचालन से बिजली ढांचे को मजबूती मिलेगी तथा औद्योगिक, व्यावसायिक और घरेलू उपभोक्ताओं को दीर्घकालिक लाभ प्राप्त होगा।

# रांची में -एसीबी के विशेष लोक अभियोजक विनीत वशिष्ठ की कार में टक्कर, हत्या की साजिश की आशंका




रांची (एजेंसी): झारखंड हाईकोर्ट में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (-एसीबी) के विशेष लोक अभियोजक विनीत कुमार वशिष्ठ की कार को सिंह मोड़ के पास एक तेज रफ्तार वाहन ने टक्कर मार दी। घटना के बाद उन्होंने इसे सामान्य सड़क दुर्घटना मानने से इनकार करते हुए हत्या के प्रयास की आशंका जताई है। मामले को लेकर उन्होंने जगन्नाथपुर थाना में बुधवार को लिखित शिकायत दर्ज कर निष्पक्ष जांच की मांग की है।

बताया जा रहा है कि घटना उस समय हुई जब उनकी कार सिंह मोड़ के पास खड़ी थी। इसी दौरान तेज गति से आए एक वाहन ने उनकी कार को जोरदार टक्कर मार दी। हालांकि राहत की बात यह रही कि टक्कर के समय विनीत कुमार वशिष्ठ वाहन के अंदर मौजूद नहीं थे, जिससे वे सुरक्षित बच गए।

विनीत वशिष्ठ ने कहा कि वह लंबे समय से एसीबी, नक्सल मामलों तथा प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) से जुड़े मामलों में राज्य सरकार की ओर से झारखंड हाईकोर्ट में पैरवी कर रहे हैं। ऐसे में इस घटना को लेकर उनके मन में संदेह उत्पन्न हुआ है कि यह महज दुर्घटना नहीं बल्कि किसी सुनियोजित साजिश का हिस्सा भी हो सकती है।

उन्होंने पुलिस प्रशासन से मामले की गहन और निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है, ताकि यह स्पष्ट हो सके कि यह केवल एक हादसा था या फिर किसी साजिश के तहत उनकी कार को निशाना बनाया गया। फिलहाल पुलिस शिकायत के आधार पर मामले की जांच में जुट गई है।

# रांची के जेएससीए- स्टेडियम में बवाल; जेपीएल फाइनल मैच में मची भगदड़, कई घायल

रांची (एजेंसी): रांची के जेएससीए स्टेडियम में मंगलवार को भगदड़ की स्थिति बन गई। झारखंड प्रीमियम लीग का फाइनल मैच देखने हजारों क्रिकेट फैंस पहुंच गए। लेकिन उन्हें प्रशासन की लापरवाही का खामियाजा भुगतना पड़ा। मैच देखने के लिए उम्मीद से कहीं ज्यादा लोग पहुंच गए थे। जबकि पुलिस प्रशासन और मैनेजमेंट की तैयारियां बेहद कमजोर थीं।

स्टेडियम के पश्चिमी दरवाजे पर अचानक अफरा-तफरी मच गई। देखते ही देखते वहां भगदड़ की स्थिति बन गई। भीड़ का दबाव इतना अधिक था कि लोग एक-दूसरे के ऊपर गिरने लगे। इस अव्यवस्था से गुस्साए दर्शकों ने बाद में गेट को तोड़ दिया।

चश्मदीद गोलू ने बताया कि मैच शुरू होने से पहले हजारों लोग एक साथ अंदर घुसने की कोशिश कर रहे थे। वहां भीड़ को संभालने के लिए न तो पर्याप्त बैरिकेड्स थे और न ही पुलिसकर्मी। इस धक्का-मुक्की में बच्चे, महिलाएं और युवा बुरी तरह चोटिल हो गए।

**8 लोग गंभीर रूप से घायल, लड़की की हालत गंभीर**

हादसे में कम से कम ८ लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के तुरंत बाद ५ घायलों को राज अस्पताल, २ को सदर अस्पताल और १ को पारस अस्पताल ले जाया गया। कुछ लोगों को मामूली चोट आई थी, जिन्हें फर्स्ट एड देकर घर भेज दिया गया। डॉक्टरों के मुताबिक, ज्यादातर घायल खतरे से बाहर हैं। हालांकि, एक लड़की के पेट में गंभीर चोट आई है, जिसके कारण उसे डॉक्टरों की खास निगरानी में रखा गया है।

# अवैध अल्ट्रासाउंड सेंटर पर बड़ी कार्रवाई प्रशासन ने मशीनें जब्त कर सेंटर किया सील



रांची (एजेंसी): झारखंड की राजधानी रांची में अवैध रूप से संचालित अल्ट्रासाउंड सेंटरों के खिलाफ जिला प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई की है। उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी मंजूनाथ भजन्त्री के निर्देश पर पीसी एंड पीएनडीटी एक्ट के तहत कांटाटोली चौक स्थित गैलेक्सी कॉम्प्लेक्स के प्रथम तल में संचालित सिटी अल्ट्रासाउंड सेंटर पर छापेमारी की गई।

गुप्त सूचना के आधार पर हुई इस कार्रवाई में पाया गया कि केंद्र संचालक डॉ. राजेश कुमार बिना वैध पंजीकरण के अल्ट्रासाउंड सेंटर चला रहे थे। जांच के दौरान टीम ने अल्ट्रासाउंड मशीन, कंप्यूटर सेट, प्रिंटर, एएनसी रजिस्टर, बिल बुक समेत अन्य महत्वपूर्ण दस्तावेज और उपकरण जब्त कर लिए। इसके बाद केंद्र को तत्काल प्रभाव से सील कर दिया गया। छापेमारी अभियान में प्रशासन द्वारा नामित मजिस्ट्रेट, लोअर बाजार थाना पुलिस, स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी, सिविल सर्जन कार्यालय के प्रतिनिधि तथा अन्य स्वास्थ्यकर्मी शामिल रहे। अभियान की अगुवाई अतिरिक्त जिला दंडाधिकारी ने की।

सिविल सर्जन ने कहा कि पीसी एंड पीएनडीटी एक्ट के तहत आवश्यक अनुमति के बिना किसी भी अल्ट्रासाउंड सेंटर का संचालन पूरी तरह अवैध है। जिला प्रशासन ऐसे मामलों में शून्य सहनशीलता की नीति अपना रहा है। उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री ने स्पष्ट किया कि भ्रूण हत्या और लिंग अनुपात असंतुलन को बढ़ावा देने वाले किसी भी व्यक्ति या संस्थान के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग को अवैध केंद्रों की नियमित निगरानी और छापेमारी जारी रखने के निर्देश दिए हैं।

# झारखंड राज्य बार काउंसिल के 22 सदस्य निर्वाचित नई परिषद के गठन का रास्ता साफ, अधिसूचना जारी

रांची (एजेंसी): झारखंड राज्य बार काउंसिल चुनाव का परिणाम आधिकारिक रूप से घोषित कर दिया गया है। १२ मार्च २०२६ को हुए मतदान के बाद २२ अधिवक्ताओं को झारखंड राज्य बार काउंसिल का सदस्य निर्वाचित घोषित किया गया है। इस संबंध में विधि विभाग ने २४ जून को अधिसूचना जारी कर परिणाम प्रकाशित किया।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी एवं झारखंड उच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश अम्बुज नाथ ने सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशों के अनुपालन में निर्वाचित सदस्यों की सूची जारी की। चुनाव परिणाम घोषित होने के साथ ही नई बार काउंसिल के गठन का रास्ता साफ हो गया है।

निर्वाचित २२ सदस्य इस प्रकार हैं- अब्दुल कलम रशीदी (झारखंड उच्च न्यायालय, रांची), ललित यादव (झारखंड उच्च न्यायालय, रांची), अभिषेक कुमार भारती (व्यवहार न्यायालय, रांची), प्रशांत कुमार सिंह (झारखंड उच्च न्यायालय, रांची), मृत्युंजय कुमार श्रीवास्तव (व्यवहार न्यायालय, बोकारो), पवन कुमार खत्री (व्यवहार न्यायालय, रांची), मनोज कुमार-२ (झारखंड उच्च न्यायालय, रांची), अनिल कुमार तिवारी (व्यवहार न्यायालय, जमशेदपुर), संजय कुमार विद्रोही (व्यवहार न्यायालय, रांची), राज कुमार (व्यवहार न्यायालय, हजारीबाग), निलेश कुमार (झारखंड उच्च न्यायालय, रांची), अनिल कुमार महतो (व्यवहार न्यायालय, चाईबासा), राजेश कुमार शुक्ला (व्यवहार न्यायालय, जमशेदपुर), मनोज कुमार-३ (झारखंड उच्च न्यायालय, रांची), जीतेन्द्र कुमार (व्यवहार न्यायालय, धनबाद), अभय कुमार चतुर्वेदी (झारखंड उच्च न्यायालय, रांची), परमेश्वर मंडल (व्यवहार न्यायालय, गिरिडीह), मधुलता रानी (व्यवहार न्यायालय, डाल्टनगंज), रिंकू भकत (झारखंड उच्च न्यायालय, रांची), मीरा कुमारी (व्यवहार न्यायालय, गिरिडीह), मोली सिन्हा (झारखंड उच्च न्यायालय, रांची), निवेदिता कुंडू (झारखंड उच्च न्यायालय, रांची)।

# 17 जिलों में बारिश का अलर्ट, 50 किलोमीटर की रफ्तार से चलेंगी हवाएं, वज्रपात की चेतावनी



रांची (एजेंसी): झारखंड में दक्षिण-पश्चिम मानसून के प्रभाव के कारण मौसम का मिजाज एक बार फिर बदलने वाला है। मौसम विभाग ने राज्य के कई हिस्सों में बारिश, मेघगर्जन, तेज हवाओं और वज्रपात को लेकर येलो अलर्ट जारी किया है। राजधानी रांची समेत राज्य के १७ जिलों में हल्की से मध्यम वर्षा होने की संभावना जताई गई है। कई क्षेत्रों में तेज बौछारें पड़ सकती हैं, जबकि कुछ इलाकों में आंधी-तूफान और आकाशीय बिजली का खतरा भी बना हुआ है।

मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार वातावरण में नमी की मात्रा बढ़ने और मानसूनी गतिविधियों के सक्रिय होने से झारखंड के पूर्वी, दक्षिणी और मध्य भागों में वर्षा की स्थिति मजबूत हुई है। बादलों की आवाजाही के कारण दिन के तापमान में गिरावट दर्ज की जा सकती है, जिससे लोगों को गर्मी और उमस से राहत मिलने की उम्मीद है।

इन १७ जिलों में बारिश की संभावना

मौसम विभाग के पूर्वानुमान के मुताबिक रांची, खूंटी, सिमडेगा, गुमला, लोहरदगा, पश्चिमी सिंहभूम, पूर्वी सिंहभूम, सरायकेला-खरसावां, बोकारो, रामगढ़, हजारीबाग, गिरिडीह, धनबाद, देवघर, दुमका, जामताड़ा, पाकुड़ और गोड्डा जिलों में हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। कुछ स्थानों पर अच्छी वर्षा होने की भी संभावना है।

विशेषज्ञों का कहना है कि मानसून की सक्रियता बढ़ने के कारण दक्षिणी और पूर्वी झारखंड के जिलों में वर्षा की संभावना अन्य क्षेत्रों की तुलना में अधिक बनी हुई है। खेतों में कार्य कर रहे किसानों और ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को मौसम के ताजा अपडेट पर नजर रखने की सलाह दी गई है।

**कई जिलों में तेज हवा और आंधी की चेतावनी**

मौसम विभाग ने राज्य के कई जिलों में तेज हवाएं चलने की आशंका जताई है। रांची, धनबाद, गिरिडीह, देवघर, दुमका, जामताड़ा, पाकुड़, गोड्डा, बोकारो, पूर्वी सिंहभूम और पश्चिमी सिंहभूम समेत कई इलाकों में हवा की रफ्तार ४० से ५० किलोमीटर प्रति घंटे तक पहुंच सकती है।

इसके साथ ही मेघगर्जन और आंधी-तूफान की भी संभावना व्यक्त की गई है। खराब मौसम के दौरान लोगों को खुले मैदान, ऊंचे पेड़ों और बिजली के खंभों के पास खड़े होने से बचने की सलाह दी गई है। आवश्यकता न होने पर घरों के भीतर सुरक्षित स्थानों पर रहने की अपील की गई है।

**इन क्षेत्रों में वज्रपात का अधिक खतरा**

झारखंड में हाल के दिनों में आकाशीय बिजली की घटनाओं में बढ़ोतरी दर्ज की गई है। मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि आज भी कई जिलों में वज्रपात की आशंका बनी हुई है। विशेष रूप से संथाल परगना, कोल्हान और दक्षिणी छोटानागपुर क्षेत्र के जिलों में बिजली गिरने का खतरा अपेक्षाकृत अधिक माना जा रहा है।

खुले खेतों, जलाशयों और ऊंचे स्थानों पर मौजूद लोगों को अतिरिक्त सावधानी बरतने की सलाह दी गई है। मेघगर्जन सुनाई देने पर तुरंत सुरक्षित स्थान पर पहुंचने और पेड़ों के नीचे शरण लेने से बचने की हिदायत दी गई है।

# झारखंड में रेहड़ी-पटरी विक्रेताओं को 2.69 लाख पीएम स्वनिधि लोन देने का लक्ष्य, सेंसेस टाउन तक योजना होगा का विस्तार




रांची (एजेंसी): झारखंड में प्रधानमंत्री स्ट्रीट वेंडर आत्मनिर्भर निधि (पीएम स्वनिधि) योजना के तहत २.६९ लाख ऋण वितरण का बड़ा लक्ष्य तय किया गया है। इस लक्ष्य को समय पर पूरा करने के लिए राज्य में योजना के क्रियान्वयन की प्रक्रिया तेज कर दी गई है।

केंद्र सरकार द्वारा योजना का पुनर्गठन करते हुए इसकी अवधि मार्च २०३० तक बढ़ाने के बाद राज्य में इस योजना का दायरा बढ़ाया जा रहा है।२०११ की जनगणना के आधार पर चिन्हित सेंसेस टाउन (जनगणना नगर) को भी इसमें शामिल किया गया है।

यानी, पग वैसे ग्रामीण इलाकों जो निकाय के अंतर्गत नहीं है लेकिन शहरी विकास हो गया हो रहा है।

आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय द्वारा झारखंड के ४९ नगर निकायों के साथ-साथ १४९ सेंसेस टाउन को जोड़कर कुल २.६९ लाख ऋणों का संशोधित लक्ष्य निर्धारित किया गया है। नगर विकास विभाग ने इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए राज्य के २० जिलों के ६० प्रखंडों में स्थित सेंसेस टाउन में योजना के क्रियान्वयन की प्रक्रिया शुरू कर दी है। संबंधित प्रखंडों को इसके लिए आवश्यक लॉगिन और तकनीकी व्यवस्था भी उपलब्ध करा दी गई है।

**फुटकर विक्रेताओं को दिया जाता है लोन**

योजना के तहत पथ विक्रेताओं को बिना गारंटी कार्यशील पूंजी ऋण उपलब्ध कराया जाता है, जिससे वे अपने छोटे व्यवसाय को आगे बढ़ा सकें। योजना में तीन चरणों में ऋण दिया जाता है। पहले चरण में १५,००० रुपये, दूसरे चरण में २५,००० रुपये और तीसरे चरण में ५०,००० रुपये तक। समय पर ऋण चुकाने पर अगले चरण का ऋण भी उपलब्ध कराया जाता है।

इसके साथ ही लाभार्थियों को ७ प्रतिशत ब्याज सब्सिडी और डिजिटल लेन-देन को बढ़ावा देने के लिए कैशबैक प्रोत्साहन की सुविधा भी दी जाती है, जिससे छोटे व्यापारियों को अतिरिक्त लाभ मिलता है।

राज्य सरकार का मानना है कि सेंसेस टाउन को योजना में शामिल करने से अधिक से अधिक पथ विक्रेताओं को औपचारिक बैंकिंग व्यवस्था से जोड़ा जा सकेगा और रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे।

# क्या अमरूद खाने से भी बढ़ता है शरीर में हीमोग्लोबिन?

अमरूद में संतरे और नींबू जैसे खट्टे फलों की तुलना में कई गुना अधिक विटामिन-सी पाया जाता है। विटामिन-सी वाली चीजें आयरन के अवशोषण को बढ़ाने में मदद करती हैं।

पोषक तत्वों से भरपूर अमरूद का जूस न सिर्फ इम्यूनिटी को मजबूत बनाता है, बल्कि आयरन के अवशोषण को बेहतर कर हीमोग्लोबिन बढ़ाने में भी मददगार है।

शरीर में हीमोग्लोबिन की कमी होने पर हर वक्त थकान, कमजोरी और चक्कर आने जैसी समस्याएं घेर लेती हैं। ऐसे में लोग अक्सर आयरन से भरपूर चीजों की तलाश करते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि आपके घर में मौजूद अमरूद का जूस भी हीमोग्लोबिन के स्तर को सुधारने में एक 'सुपर-बूस्टर' का काम कर सकता है?

आहर विशेषज्ञ बताते हैं कि अमरूद के जूस में भरपूर मात्रा में विटामिन-सी होता है, जो शरीर को भोजन में मौजूद आयरन को सोखने और उसका सही उपयोग करने में मदद करता है। आइए जानते हैं यह पूरी प्रक्रिया कैसे काम करती है?

हीमोग्लोबिन क्या है और इसकी कमी से क्या होता है?

हीमोग्लोबिन लाल रक्त कोशिकाओं में पाया जाने वाला एक बेहद महत्वपूर्ण प्रोटीन है। इसका मुख्य काम फेफड़ों से शरीर के बाकी अंगों तक ऑक्सीजन पहुंचाना है।

जब शरीर में हीमोग्लोबिन की मात्रा तय मानक से कम हो जाती है, तो व्यक्ति एनीमिया (खून की कमी) का शिकार हो जाता है। महिलाओं, किशोरियों, गर्भवती महिलाओं और छोटे बच्चों में एनीमिया की समस्या सबसे ज्यादा देखने को मिलती है।

### पोषक तत्वों का पावरहाउस है अमरूद

अमरूद को केवल एक साधारण फल समझना भूल होगी; यह विटामिन-सी, फाइबर, पोटैशियम, फोलेट और शक्तिशाली एंटीऑक्सीडेंट्स का भंडार है।

अमरूद में संतरे और नींबू जैसे खट्टे फलों की तुलना में कई गुना अधिक विटामिन-सी पाया जाता है। यही विटामिन-सी शरीर में आयरन के अवशोषण को बढ़ाने के लिए सबसे जरूरी तत्व है। इसीलिए एक्सपर्ट्स हमेशा आयरन रिच फूड के साथ विटामिन-सी लेने की सलाह देते हैं।

हीमोग्लोबिन बढ़ाने में कैसे मदद करता है अमरूद का जूस?

यह समझना जरूरी है कि अमरूद का जूस खुद आयरन का बहुत बड़ा स्रोत नहीं है। लेकिन इसका असली जादू इसके विटामिन-सी में छिपा है

जब आप हरी पत्तेदार सब्जियां, दालें, काला चना, राजमा या अन्य आयरन युक्त चीजें खाते हैं, तो हमारा शरीर उस आयरन को पूरी तरह सोख नहीं पाता।

अगर आप इन चीजों के साथ या इनके ठीक बाद एक गिलास अमरूद का ताजा जूस पीते हैं, तो इसमें मौजूद विटामिन-सी भोजन के आयरन को शरीर में आसानी से एब्जॉर्ब (अवशोषित) करवा देता है। इससे हीमोग्लोबिन का स्तर तेजी से सुधरता है।

सिर्फ हीमोग्लोबिन ही नहीं, इसके और भी हैं कई फायदे

अमरूद में मौजूद फाइबर डाइजेशन को दुरुस्त रखता है और कब्ज की समस्या को जड़ से खत्म करता है।

भारी मात्रा में विटामिन-सी और एंटीऑक्सीडेंट होने के कारण यह मौसमी इंफेक्शंस, सर्दी-खांसी से शरीर की रक्षा करता है।

इसके एंटीऑक्सीडेंट्स फ्री-रेडिकल्स से लड़ते हैं, जिससे चेहरे पर असमय झुर्रियां नहीं आतीं और त्वचा चमकदार बनी रहती है।

अमरूद का जूस पीते समय इन बातों का रखें विशेष ध्यान

बाजार में मिलने वाले डिब्बाबंद जूस में भारी मात्रा में प्रिजर्वेटिव्स और अतिरिक्त चीनी होती है। इसलिए हमेशा घर पर ही ताजा जूस बनाकर पिएं। यदि आपको मधुमेह है, तो जूस पीने के बजाय पूरा अमरूद चबाकर खाना ज्यादा फायदेमंद है। अमरूद का फाइबर ब्लड शुगर को अचानक बढ़ने नहीं देता और पेट को लंबे समय तक भरा रखता है।

केवल अमरूद का जूस पीने से हीमोग्लोबिन नहीं बढ़ेगा। इसके साथ अपनी डाइट में आयरन से भरपूर चीजें जैसे- पालक, बीन्स, गुड़, खजूर, चना और सूखे मेवे जरूर शामिल करें। यदि आपका हीमोग्लोबिन लेवल बहुत ज्यादा कम है या आप गंभीर एनीमिया से पीड़ित हैं, तो घरेलू उपायों के भरोसे रहने के बजाय डॉक्टर से संपर्क कर उचित डॉक्टरी जांच और सप्लीमेंट्स लें।

# स्विमिंग पूल नहाते समय रखें आंखों का ध्यान

बच्चों के लिए स्विमिंग पूल एक पसंदीदा खेल का मैदान बन जाता है। पानी में उछलना-कूदना, तैरना और दोस्तों के साथ मस्ती करना, यह सब उन्हें बेहद पसंद आता है। लेकिन इस आनंद के साथ एक संभावित खतरा भी जुड़ा है, जो उनकी आंखों को प्रभावित कर सकता है। स्विमिंग पूल में मौजूद कीटाणु और रसायन बच्चों की नाजुक आंखों में संक्रमण पैदा कर सकते हैं, जिसे आम भाषा में 'पिंक आई' या कंजंक्टिवाइटिस के नाम से जाना जाता है। यह बच्चों के लिए न केवल असुविधाजनक होता है, बल्कि यदि इसका समय पर ध्यान न रखा जाए तो यह उनके स्विमिंग अनुभव को पूरी तरह बिगाड़ सकता है। इसलिए यह बेहद जरूरी है कि हम अपने बच्चों की आँखों की सुरक्षा के लिए कुछ सरल, लेकिन महत्वपूर्ण सावधानियों को अपनाएं।

स्विमिंग पूल, अगर ठीक से साफ और मेंटेन न किए जाएं, तो वे विभिन्न प्रकार के बैक्टीरिया और अन्य सूक्ष्मजीवों के लिए प्रजनन स्थल बन सकते हैं। इन जीवाणुओं में एडेनोवायरस जैसे वायरस भी शामिल हो सकते हैं, जो आंखों के संक्रमण का एक प्रमुख कारण हैं। जब बच्चे इन प्रदूषित पानी में अपनी आंखें खोलते हैं, तो ये हानिकारक तत्व सीधे उनकी आंखों के संपर्क में आते हैं, जिससे संक्रमण का खतरा कई गुना बढ़ जाता है। इसके अलावा, पूल के पानी को साफ रखने के लिए उपयोग किया जाने वाला क्लोरीन, हालांकि कीटाणुओं को मारने के लिए आवश्यक है, लेकिन इसकी अधिक मात्रा या इसका लंबे समय तक संपर्क आंखों की प्राकृतिक सुरक्षात्मक परत को नुकसान पहुंचा सकता है। यह आंखों में सूखापन, जलन और लालिमा का कारण बन सकता है, जिससे ये बाहरी संक्रमणों के प्रति अधिक संवेदनशील हो जाती हैं। बच्चों की साझा की गई वस्तुएं, जैसे तौलिए या गॉगल्स, भी संक्रमण को एक बच्चे से दूसरे बच्चे में तेजी से फैलाने का माध्यम बन सकती हैं।

यदि आपके बच्चे को स्विमिंग पूल के बाद आंखों में संक्रमण हो गया है, तो कुछ विशिष्ट लक्षण दिखाई दे सकते हैं जिन पर तुरंत ध्यान देना चाहिए। सबसे आम लक्षण आंखों के सफेद हिस्से का गहरा लाल या गुलाबी दिखना है। बच्चे अक्सर अपनी आंखों में जलन, खुजली या ऐसा महसूस होने की शिकायत करते हैं जैसे कोई कण उनकी आंखों में फंस गया हो। आंखों से पानी आना या पीले-सफेद रंग का विपविपा डिस्चार्ज निकलना भी इसके संकेत हो सकते हैं, जो सुबह उठने पर पलकों को आपस में चिपका सकता है। कुछ मामलों में, बच्चों को धुंधला दिखाई दे सकता है और उनकी पलकों में सूजन भी आ सकती है, जिससे उन्हें प्रकाश के प्रति संवेदनशीलता महसूस हो सकती है। इन लक्षणों को कभी भी हल्के में नहीं लेना चाहिए और यदि दिखाई दें तो डॉक्टर से सलाह लेना आवश्यक है।

खुशकिस्मती से, बच्चों को इन असुविधाजनक आंखों के संक्रमणों से बचाना मुश्किल नहीं है। कुछ आसान और प्रभावी उपाय अपनाकर हम उनके स्विमिंग अनुभव को सुरक्षित और आनंददायक बना सकते हैं। सबसे महत्वपूर्ण कदम यह है कि बच्चों को हमेशा स्विमिंग गॉगल्स पहनाकर ही पूल में भेजा जाए। ये गॉगल्स उनकी आंखों को पूल के पानी में मौजूद रसायनों और बैक्टीरिया से सीधे संपर्क में आने से बचाते हैं। दूसरा महत्वपूर्ण उपाय यह सुनिश्चित करना है कि आप केवल उन स्विमिंग पूलों का चुनाव करें जो साफ-सुथरे हों और जिनका रखरखाव नियमित रूप से किया जाता हो। अच्छी तरह से साफ किए गए पूल में संक्रमण का खतरा काफी कम होता है। इसके अलावा, बच्चों को यह सिखाना चाहिए कि वे अपने तौलिए, गॉगल्स या अन्य व्यक्तिगत सामान दूसरों के साथ साझा न करें, क्योंकि यह संक्रमण फैलने का एक सीधा मार्ग है। बड़े बच्चों के लिए, यदि वे कॉन्टैक्ट लेंस पहनते हैं, तो उन्हें स्विमिंग के दौरान उन्हें उतारने की सलाह देनी चाहिए, क्योंकि लेंस पानी में मौजूद बैक्टीरिया को फंसा सकते हैं, जिससे गंभीर संक्रमण हो सकता है। अंत में, हर बार स्विमिंग के बाद, बच्चों को अपनी आंखों को साफ और ताजे पानी से अच्छी तरह धोना चाहिए ताकि किसी भी अवशिष्ट रसायन या कीटाणुओं को हटाया जा सके।

स्विमिंग बच्चों के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए एक बेहतरीन गतिविधि है, जो उन्हें सक्रिय रखती है और नई चीजें सीखने का अवसर देती है। लेकिन जैसा कि कहा गया है, थोड़ी सी सावधानी बड़ी परेशानी से बचा सकती है। सही सावधानियां अपनाकर, जैसे गॉगल्स का उपयोग करना, स्वच्छ पूल का चयन करना और व्यक्तिगत स्वच्छता बनाए रखना, आप अपने बच्चों को पिंक आई जैसे दर्दनाक और असुविधाजनक आंखों के संक्रमण से बचा सकते हैं। यह न केवल उनके स्वास्थ्य को सुरक्षित रखेगा, बल्कि यह सुनिश्चित करेगा कि उनका गर्मियों का स्विमिंग अनुभव पूरी तरह से आनंदमय और चिंतामुक्त रहे।

# बच्चों के दांतों की अनदेखी सेहत के लिए नुकसानदेह

शरीर की समग्र देखभाल करना हमारी जिम्मेदारी का हिस्सा है, लेकिन अक्सर हम बड़े अंगों पर ध्यान देते हुए दांतों की सेहत को नजरअंदाज कर देते हैं, खासकर बच्चों के संदर्भ में। बच्चों के दांतों की अनदेखी करना एक बड़ी गलती साबित हो सकती है, क्योंकि आजकल छोटे बच्चों में दांतों से जुड़ी समस्याएं तेजी से बढ़ रही हैं। बावजूद इसके, कई माता-पिता इस चुनौती को गंभीरता से नहीं लेते। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि बच्चों के दांतों की समय पर और उचित देखभाल न की जाए, तो इसका नकारात्मक प्रभाव केवल मुंह तक सीमित नहीं रहता, बल्कि यह उनके पूरे शरीर की सेहत और विकास पर भी पड़ सकता है।

बच्चों के दांतों में सड़न या कैविटी की शुरुआत धीमी गति से होती है। अक्सर पहले दांतों पर सफेद या हल्के भूरे धब्बे दिखाई देते हैं, जो धीरे-धीरे गहरे होते हुए गड्ढे यानी कैविटी में बदल जाते हैं। यह समस्या मुख्य रूप से बैक्टीरिया और अत्यधिक मीठे खाद्य पदार्थों के सेवन के कारण पनपती है, जो दांतों की ऊपरी परत एनामेल को नुकसान पहुंचाते हैं।

दांतों की बीमारी केवल दर्द तक ही सीमित नहीं रहती। विभिन्न शोध दर्शाते हैं कि बच्चों में दांतों की सड़न से कई गंभीर शारीरिक और विकासात्मक समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं। इनमें खाने में परेशानी, जिससे पोषण की कमी हो सकती है, बोलने की क्षमता पर नकारात्मक असर और यहां तक कि बच्चे के संपूर्ण शारीरिक विकास का प्रभावित होना भी शामिल है। इस प्रकार, खराब दांतों का असर बच्चे के समग्र स्वास्थ्य और उसके विकास पर सीधा पड़ सकता है।

अगर समय रहते इन समस्याओं का इलाज न कराया जाए, तो दांतों की सड़न इतनी गहरी हो सकती है कि यह दांत के भीतर मौजूद नाजुक नस (पल्प) तक पहुंच जाती है। ऐसी गंभीर स्थिति में दंत चिकित्सक के पास आमतौर पर दो ही मुख्य विकल्प बचते हैं: पहला, टूथ एक्सट्रैक्शन यानी दांत निकालना, यदि दांत को बचाना संभव न रहे। यह तब होता है जब सड़न बहुत बढ़ जाए या संक्रमण जड़ों तक फैल जाए, जिससे दर्द से राहत और आगे की जटिलताओं से बचने के लिए दांत को हटाना ही एकमात्र उपाय हो। दूसरा विकल्प है रूट कैनाल ट्रीटमेंट, जिसमें संक्रमित नस को हटाकर दांत को बचाने का प्रयास किया जाता है। विशेषज्ञों के अनुसार, जब संक्रमण जड़ों तक पहुंच जाता है, तभी यह प्रक्रिया आवश्यक हो जाती है। हालांकि, यह जानना बेहद जरूरी है कि हर कैविटी में रूट कैनाल ट्रीटमेंट की आवश्यकता नहीं होती। यदि समस्या को शुरुआती चरण में ही पहचान कर उपचार कर लिया जाए, तो दांत को बिना किसी बड़े हस्तक्षेप के भी बचाया जा सकता है।

बच्चों के दांतों को स्वस्थ रखने के लिए कुछ आसान और प्रभावी उपाय अपनाए जा सकते हैं: बच्चों को दिन में कम से कम दो बार ब्रश करवाएं; उन्हें अत्यधिक मीठे और जंक फूड के सेवन से बचाएं; हर छह महीने में नियमित रूप से डेंटिस्ट को दिखाएं; दूध पीने के बाद उनके मुंह को अच्छी तरह साफ करवाएं और फ्लोराइड युक्त टूथपेस्ट का उपयोग करें, जो दांतों को सड़न से बचाने में मदद करता है।

संक्षेप में कहें तो, बच्चों के दांतों को नजरअंदाज करना एक बड़ी गलती साबित हो सकती है, जिसके गंभीर परिणाम हो सकते हैं। एक छोटी सी कैविटी, यदि समय पर उसका उपचार न किया जाए, तो वह आगे चलकर दांत निकालने या रूट कैनाल जैसी दर्दनाक और महंगी प्रक्रियाओं का कारण बन सकती है। इसलिए, यह अत्यंत आवश्यक है कि माता-पिता शुरुआत से ही बच्चों के दांतों की सही देखभाल करें और नियमित जांच कराएं, ताकि उनके बच्चे स्वस्थ और खुशहाल जीवन जी सकें।

# नवजात शिशु में कम पेशाब सहित ये 4 लक्षण करते हैं गंभीर समस्या का इशारा

अगर आप हाल ही में माता-पिता बने हैं, तो आपको नवजात शिशु से जुड़े कुछ लक्षणों के प्रति सतर्क रहना चाहिए, जिनमें पेशाब का कम होना और बार-बार दस्त होना शामिल है। ये सभी संकेत दिखने पर बि?ना देरी के तुरंत डॉक्टर से संपर्क करना जरूरी होता है। इसीलिए पेरेंट्स इस बात का ध्यान रखें। यूं तो माता-पिता नवजात शिशु की सेहत को लेकर बेहद सतर्क रहते हैं और कोई भी असामान्य लक्षण दिखने पर तुरंत डॉक्टर से सलाह लेते हैं। फि?र भी पेरेंट्स को जागरूक करने के लिए चाइल्ड स्पेशलिस्ट डॉक्टर संदीप गुप्ता ने नवजात शिशुओं में दिखने वाले कुछ ऐसे अहम लक्षणों के बारे में जानकारी दी है, जिन्हें बिल्कुल भी नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। उनके मुताबिक, कम पेशाब होना, बार-बार दस्त लगना और कुछ अन्य संकेत गंभीर स्वास्थ्य समस्या की ओर इशारा कर सकते हैं। ऐसे लक्षण दिखाई देने पर बिना देरी किए विशेषज्ञ से जांच करवाना जरूरी है, ताकि समय रहते इलाज शुरू किया जा सके।

पीडियाट्रिशियन डॉक्टर संदीप गुप्ता के अनुसार, न्यू बॉर्न बेबी में कुछ लक्षण ऐसे होते हैं जो खतरे का संकेत हो सकते हैं। इनमें पहला संकेत है बच्चे के होंठ नीले पड़ना या फिर मुंह और जीभ की झिल्ली का नीला दिखाई देना। यह इस बात का संकेत है कि उन्हें पर्याप्त ऑक्सीजन नहीं मिल रही है, और ऐसी स्थिति में तुरंत डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए। इसके अलावा, अगर दो साल से छोटे बच्चे को बुखार है, तो भी तुरंत विशेषज्ञ से संपर्क करें।

वह आगे कहते हैं अगर बच्चे को सांस लेने में कठिनाई होती है, या उसकी सांस लगातार तेज और भारी हो रही है, तो यह भी सामान्य नहीं है। ऐसे में अक्सर देखा जा सकता है कि बच्चा अपनी छाती की मांसपेशियों का सामान्य से अधिक उपयोग कर रहा है और सांस लेते समय नथुने भी फैल रहे हैं। यह स्थिति रेस्पिरेटरी (श्वसन) समस्या का संकेत हो सकती है।

बच्चे के जन्म के बाद अगर उसका रंग लगातार पीला पड़ रहा है, तो यह पीलिया (जॉन्डिस) का संकेत हो सकता है। हालांकि सभी प्रकार का

जॉन्डिस खतरनाक नहीं होता और कई मामलों में यह समय के साथ अपने आप ठीक हो जाता है। लेकिन अगर यह स्थिति ठीक होने के बजाय बढ़ती जाए, तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए।

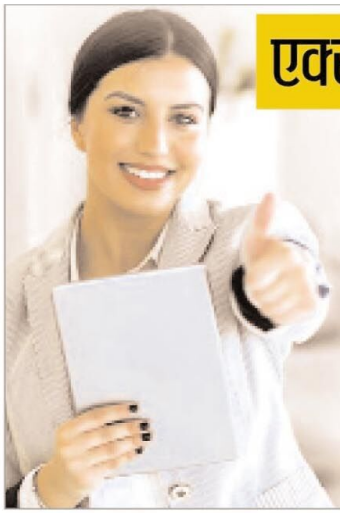

# एक्सपर्ट से जानें कैसे चुनें अपने लिए सही करियर

**करियर के बारे में सोचकर आप भी परेशान हो जाते होंगे? क्या करें और क्या नहीं, कुछ समझ नहीं आता होगा? एक्सपर्ट कहते हैं पहले खुद को जानना है ज्यादा जरूरी उसके बाद ही चुन पाएंगे खुद के लिए बेहतर करियर।**

जब मैं छोटी थी और कोई पूछता था कि मुझे क्या बनना है, तो मैं कहती थी डॉक्टर। फिर बड़ी हुई, लिखने की ओर रुचि बढ़ने लगी तो सोचा इसी फील्ड में कुछ किया जाए। बस, थोड़ा इधर-उधर होने के बाद मैंने अपने लिए एक राह चुन ली। हममें से अधिकांश युवा कभी-कभी तय नहीं कर पाते कि आखिर हम करना क्या चाहते हैं। कुछ जो अपने लिए करियर चुन लेते हैं, उन्हें भी यह दुविधा रहती है कि क्या वे सही दिशा में हैं। किसी भी करियर को चुनने से पहले आपका नजरिया कुछ चीजों के लेकर एकदम साफ होना चाहिए।

## अपने बारे में जानें

हम लोग कई बार अपनी यूनीकनेस, कमजोरियों और प्रतिभाओं से अनजान रहते हैं। अपने सही करियर को चुनने के लिए जरूरी है खुद के बारे में जानना। अपना आत्म-मूल्यांकन कीजिए और अपनी स्ट्रेंथ को पहचानें, जहां आप की कमी रह जाती है, उस एरिया को पहचानें। आत्म खोज की यह यात्रा इंटरनल और पर्सनल होती है। एक लाइफ कोच आपको आपके कौशल को तलाशने में मदद कर सकता है। इसलिए किसी लाइफ कोच की भी मदद ली जा सकती है। जब आपको पता चल जाएगा कि आपकी स्ट्रेंथ क्या है। आपका फोर्टे क्या है, तो आपके लिए करियर चुनना भी मुश्किल नहीं होगा।

## जो भी हो, सब लिखें

अपने करियर को प्लान करें और उसे उसी तरह आगे बढाएं। उस प्लान को ही अपनी सफलता की सड़क समझकर उस पर चल पड़ें। अपने छोटे और बड़े दोनों गोल्स को लिखें और जानने कि कोशिश करें कि आपके लिए क्या बेहतर है। खुद से सवाल करें कि कैसे आप एक गोल से दूसरे गोल तक पहुंचेंगी। क्या आपके लक्ष्यों से आपको खुशी मिलेगी। ऐसे कुछ सावलों को लिखें और उनका मूल्यांकन करें।

## मेहनत करें और आगे बढ़ें

इससे मतलब नहीं है कि आपने कोई छोटी कंपनी स्टार्ट की है या कुछ नया काम शुरू किया है। आपको कड़ी मेहनत और लगन से काम करना होगा, तभी आपको सफलता मिलेगी। उत्साह के साथ ही दृढ़-संकल्प भी बहुत जरूरी है और यही आपको आगे के लिए मानसिक और भावनात्मक रूप से तैयार करेंगे। अगर कल आप कोई करियर चेंज भी करें तो आपका जुनून ही आपके दृष्टिकोण को अधिक सकारात्मक और व्यावहारिक बनाने में अहम भूमिका निभाएगा। आप अपने काम को जितने प्यार से करेंगी उतना ही सफलता के करीब पहुंचेंगी।

## डू नॉट गिव अप

बस यही फेज आपको हमेशा याद रखना है। चाहे कुछ भी हो जाए, आपको चीजें सीखनी है और आगे बढ़ना है। ध्यान रखें कि सारी ताकत आपके अंदर ही होती है। अगर यह आपने समझ लिया तो आप हर कठिनाई को पार कर सकती हैं। इस बात को समझें कि आप जीवन में जो भी हासिल करना चाहें, उसके बीच परेशानियां आएंगी हीं, मगर आपको हार नहीं माननी है। ऐसी स्थिति में कमर कस लें, मजबूत बने रहें और आगे लड़ें। प्रत्येक दिन को वैसे ही लें जैसे वह आता है। सर्वाइवल स्किल्स और अनुभवों से सीखें और इसे अपना अंतिम लक्ष्य बना लें।

## सकारात्मक रहें

हमें कभी भी सकारात्मक ऊर्जा को कम नहीं आंकना चाहिए। यदि आपको लगता है कि आप किसी लक्ष्य को प्राप्त करने में सफल नहीं हो सकते हैं, तो आप उसी तरह से सोचेंगी और वह आपके मन में बैठ जाएगा, जिससे यह अधिक संभावना होगी कि आप वो काम नहीं कर सकें। आपके इरादे आपकी वास्तविकता का निर्माण करते हैं, इसलिए अपने आप से ईमानदार होकर शुरुआत करें और यह पता लगाएं कि वह क्या है जो आपको सच्ची खुशी देता है। यह समझे कि अपने सपने को हकीकत में बदलना रातोंरात नहीं होगा, बल्कि इसके लिए इच्छाशक्ति, कड़ी मेहनत और दृढ़ संकल्प की आवश्यकता होगी।

# नई कंपनी में अपनी नौकरी पक्की करने के लिए अपनाएं ये मजेदार तरीके

**नई कंपनी में शुरुआत में नौकरी पक्की करने के लिए आप चाहे तो कुछ तरीके को अपना सकती हैं। इससे आपका लोगों के साथ बांडिग स्ट्रांग हो जाएगा।**

नई कंपनी में नौकरी शुरू करना इतना आसान नहीं होता है। शुरुआत में आप किसी को नहीं जानते हैं तो आपको काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। कई बार आपकी दोस्ती भी नहीं हो पाती है। हर कोई चाहता है कि उसकी नई नौकरी में उन्हें शुरुआत में किसी भी दिक्कत का सामना ना करना पड़े। शुरुआती कुछ हफ्ते या महीने ही यह तय करते हैं कि आप कंपनी के लिए सही च्वाइस है या नहीं। ऐसे में शुरुआत के 6 महीने में ही आपका मेनेजर यह जान जाता है कि आपको आगे रखना है या नहीं। चलिए जानते हैं नौकरी पक्की करना का आसान तरीका।

## पहले इंप्रेशन को बनाएं मजबूत

आपने यह तो सुना ही होगा कि पहला इंप्रेशन ही आखिरी इंप्रेशन होता है। ऐसे में आपको शुरुआत में अपने काम पर काफी ज्यादा ध्यान देने की जरूरत है। अगर आपका काम शुरुआत में अच्छा होगा तो आपको आगे जाकर ज्यादा दिक्कत नहीं होगी।

## सहकर्मियों से दोस्ती करें

नई नौकरी में आपको तुरंत अपने सहकर्मियों के साथ दोस्ती कर लेनी चाहिए। अगर आप सहकर्मियों के साथ अच्छा बांड शेयर करेंगे तो आपको ज्यादा दिक्कत नहीं होगी। आपको कुछ समय नहीं आ रहा है तो आपको अपने सहकर्मियों की मदद लेनी चाहिए। ध्यान रखें कि शुरुआत में आपको किसी के साथ बदतमीजी नहीं करनी है।

## फीडबैक को समझें

शुरुआत में आपके काम को लेकर आपको फीडबैक दिया जाता है। इससे आपको गंभीरता से लेना है और अपने काम को सुधारने की कोशिश करना चाहिए। ऐसे में आपको मिले हुए फीडबैक को समझना चाहिए और उसी के अनुसार आगे का काम करना चाहिए।

# किसी भी संगठन की इमेज को दर्शाती है फंट ऑफिस मैनेजर की भूमिका

**फंट ऑफिस मैनेजर का काम कमरों, मीटिंग रूम आदि की बुकिंग करने से लेकर रिकॉर्ड रखना और रिपोर्ट तैयार करना इनका काम होता है।**

फंट ऑफिस मैनेजर एक ऐसी भूमिका है, जो किसी भी संगठन के पहले इमेज को दर्शाती है। यह एक ऐसा व्यक्ति होता है, जो ग्राहकों का स्वागत करता है, उनकी पूछताछ का जवाब देता है और उनकी समस्याओं का समाधान करता है। अगर आप इस क्षेत्र में करियर बनाना चाहते हैं, तो यह गाइड आपके लिए बहुत काम की होगी।

## फंट ऑफिस मैनेजर क्या करते हैं?

फंट ऑफिस मैनेजर ग्राहकों का स्वागत करता है, उनकी पूछताछ का जवाब देता है और उनकी समस्याओं का समाधान करता है। रिसेप्शन पर कॉल का जवाब देता है, अपॉइंटमेंट लेना और मैसेजेस लेने का काम करता है। होटल या Hospitality में आने वाले मेहमानों को सर्विस देता है। रिसेप्शन एरिया का मैनेजमेंट करता है और कर्मचारियों की देखरेख भी करता है। कमरों, मीटिंग रूम आदि की बुकिंग करने से लेकर रिकॉर्ड रखना और रिपोर्ट तैयार करना इनका काम होता है।

## फंट ऑफिस मैनेजर की जिम्मेदारियां

- फंट डेस्क के ऑपरेशन को मैनेज करना
- फंट डेस्क के कर्मचारियों को ट्रेन करना और उनकी मदद करना
- मेहमानों का चेक-इन और चेक-आउट मैनेज करना
- मेहमानों की पूछताछ और शिकायतों का समाधान करना
- हाउसकीपिंग और रखरखाव टीमों के साथ समन्वय करना
- आरक्षण और कमरे के आवंटन की देखरेख करना
- बिलिंग और रिकॉर्ड-कीपिंग सुनिश्चित करना
- फंट डेस्क की आपूर्ति और सूची बनाए रखना
- मेहमानों के लिए स्वागतयोग्य माहौल बनाना
- होटल की नीतियों और मानकों का पालन सुनिश्चित करना
- शिफ्ट शेड्यूल बनाना
- कॉल सेंटर एजेंट, सुरक्षा गार्ड, और रिसेप्शनिस्ट समेत फंट-ऑफिस कर्मचारियों की देखरेख करना
- शिकायतों और खास ग्राहक अनुरोधों को संभालना

## फंट ऑफिस मैनेजर बनने के लिए योग्यता

- किसी मान्यता प्राप्त बोर्ड या विश्वविद्यालय से 12वीं या समकक्ष कक्षा पास होना
- Hospitality में डिग्री या डिप्लोमा
- होटल प्रबंधन प्रशिक्षण
- होटल में फंट डेस्क या रिसेप्शन पर पिछला अनुभव
- वैलिड और प्रासंगिक स्वास्थ्य और सुरक्षा प्रशिक्षण

## फंट ऑफिस मैनेजर बनने के लिए आपको इन कौशलों का भी विकास करना होगा

- मजबूत पारस्परिक और संचार कौशल
- नेतृत्व और टीम प्रबंधन क्षमताएं
- बेहतरीन समस्या-समाधान और फैसला लेने का कौशल
- विस्तार पर ध्यान और संगठनात्मक कौशल
- फंट ऑफिस सॉफ्टवेयर और माइक्रोसॉफ्ट ऑफिस सूट का इस्तेमाल करने में दक्षता
- तनावपूर्ण स्थितियों को संभालने और समय का असरदार तरीके से प्रबंधन करने की क्षमता
- एमएस ऑफिस, खासकर एक्सेल और वर्ड का अच्छा व्यावहारिक ज्ञान
- अंग्रेजी में माहिर होना (मौखिक और लिखित)

अगर आप किसी होटल में फंट ऑफिस एजेंट, रिसेप्शनिस्ट, या बेलहॉप जैसे निचले पद पर काम करते हैं, तो इससे आपको फंट ऑफिस मैनेजर बनने के लिए लंबे समय में अनुभव हासिल करने में मदद मिल सकती है। एक बार जब आप अनुभवी फंट ऑफिस मैनेजर बन जाते हैं, तो आप अपना करियर आगे बढ़ाकर डिप्टी मैनेजर या जनरल मैनेजर बन सकते हैं।

## फंट ऑफिस मैनेजर की सैलरी?

फंट ऑफिस मैनेजर की सैलरी कई बातों पर निर्भर करती है। इनमें शामिल हैं

- प्रतिष्ठान का प्रकार (जैसे, लक्जरी होटल या बजट होटल)
- स्थान (महानगरीय क्षेत्रों में अक्सर ज्यादा सैलरी मिलती है)
- मैनेजर का अनुभव और योग्यता
- आम तौर पर, फंट ऑफिस मैनेजर की औसत सालाना सैलरी 5 लाख रुपये से 12 लाख रुपये के बीच होती है। ग्लासडोर के मुताबिक, साल 2024 में भारत में फंट ऑफिस मैनेजर की मासिक सैलरी 43,492 रुपये है। वहीं, टाइम्सप्रो के मुताबिक, होटल में फंट ऑफिस मैनेजर की सालाना औसत सैलरी करीब 4 लाख रुपये होती है, यानी हर महीने 29,531 से 30,852 रुपये।

# अगर आप भी बनना चाहते हैं एस्ट्रोनॉट?

**एस्ट्रोनॉट बनने के लिए आपके पास इंजीनियरिंग, बायोलॉजिकल साइंस, फिजिकल साइंस, कंप्यूटर साइंस या फिर मैथ्स में बैचलर डिग्री होनी जरूरी है. इन कोर्स में एडमिशन लेने के लिए जेईई मेन्स, जेईई एडवांस्ड, गेट, आईआईटी जैम जैसे एंट्रेंस एग्जाम दे सकते हैं. आप चाहें पीजी के बाद पीएचडी की डिग्री भी कर सकते हैं.**

भारतीय मूल की सुनीता विलियम्स एक मशहूर एस्ट्रनॉट हैं। अगर आप भी उनकी तरह बनना चाहते हैं, तो हम आपको बताते हैं कि नासा और इसरो जैसे संस्थानों से जुड़ने के लिए कौन से कोर्स करने जरूरी होते हैं। भारतीय मूल की अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स को कौन नहीं जानता है। सुनीता ने इस साल जून में अंतरिक्ष के लिए उड़ान भरी हैं। इसी के साथ साथ उन्होंने तीसरी बार अपनी बुलंदी का झंडा अंतरिक्ष में गाड़ कर इतिहास रच दिया है। ऐसे में भला कौन नहीं उनके जैसा बनना चाहेगा। लगभग हर कोई एस्ट्रोनॉट सुनीता से प्रेरणा लेकर स्पेस में जाने का सपना देखता है, लेकिन इसके लिए पढ़ाई और कुछ कोर्स करना जरूरी होता है, जिसके बिना आप इसरो या नासा में शामिल नहीं हो सकते हैं। अगर आप सुनीता विलियम्स की तरह ही अंतरिक्ष की यात्रा करना चाहते हैं, तो चलिए आज हम आपको बताते हैं कि इसके लिए आपको कौन से कोर्स करने होंगे और कब से इसकी पढ़ाई शुरू कर देनी चाहिए।

## सुनीता विलियम्स कहां तक है पढ़ी-लिखी?

सुनीता विलियम्स ने साल 1983 में नीधम हाई स्कूल और साल 1987 में यूएस नेवल एकेडमी से फिजिकल साइंस में बीएससी की डिग्री हासिल की है। उन्होंने साल 1995 में फ्लोरिडा इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी से इंजीनियरिंग मैनेजमेंट में मास्टर ऑफ साइंस की डिग्री ली है। मई 1987 में, भारतीय मूल की सुनीता विलियम्स अमेरिकी नौसेना में भर्ती हुईं। 6 महीने के बाद उन्हें बेसिक डाइविंग ऑफिसर का पद मिला। साल 1989 में वे नेवल एविएटर बनीं और इसी के साथ सुनीता लगातार अपनी कामयाबी की सीढ़ी चढ़ रही हैं।

## एस्ट्रोनॉट बनने के लिए करें ये कोर्स

सुनीता विलियम्स की तरह अगर आप भी स्पेस में जाने और तरह-तरह की चीजों को एक्सप्लोर करना चाहते हैं, तो आपको से 12वीं के बाद से ही इसके लिए तैयार कर देनी होगी। इसके लिए आप 12वीं क्लास पास करने के बाद एरोनॉटिक्स, एविएशन, एयरोस्पेस, एस्ट्रोफिजिक्स आदि स्ट्रीम से ग्रेजुएट या पोस्ट ग्रेजुएट कोर्स कर सकते हैं। जानकारी के लिए आपको बता दें कि इन कोर्स में पीएचडी भी उपलब्ध है। आप चाहें तो एयरोस्पेस इंजीनियरिंग में बीटेक भी कर सकते हैं। इन कोर्स को पूरा करने के बाद आपको नासा या इसरो जैसे संस्थानों में काम करने मौका मिल सकता है। साथ ही, इसमें सैलरी भी अच्छी मिलती है।

## संक्षिप्त समाचार

### भारतीय-बांग्लादेशी मजदूरों का हंगामा: महीनों से नहीं मिला वेतन, रोजमर्रा का खर्च चलाना भी मुश्किल

सिंगापुर, एजेंसी। सिंगापुर में काम कर रहे भारत और बांग्लादेश के करीब 400 प्रवासी मजदूर इन



दिनों मुश्किल हालात का सामना कर रहे हैं। इन मजदूरों का आरोप है कि उन्हें कई महीनों से वेतन नहीं मिला है, जिसके कारण उनके सामने रोजमर्रा का खर्च चलाना भी चुनौती बन गया है। यह मामला तब सामने आया जब करीब 100 मजदूरों ने सिंगापुर के श्रम मंत्रालय से शिकायत की। शिकायत मिलने के बाद मंत्रालय ने केपीए इंजीनियरिंग और एसके इंडस्ट्रीज नाम की दो कंपनियों के खिलाफ जांच शुरू कर दी। जांच शुरू होने के बाद और भी मजदूर सामने आए, जिससे प्रभावित कर्मचारियों की संख्या बढ़कर लगभग 400 तक पहुंच गई। जानकारी के मुताबिक, दोनों कंपनियों का संचालन एक ही डायरेक्टर से जुड़ा हुआ है। यह भी सामने आया है कि वह कई अन्य कंपनियों से भी संबद्ध है। इस बीच, कंपनियों के अधिकारियों से संपर्क करने की कोशिश की गई, लेकिन उनका पक्ष सामने नहीं आ सका। स्थिति इतनी गंभीर हो गई है कि मजदूरों को खाना उपलब्ध कराने वाली कंपनियों ने भी भुगतान न मिलने के कारण सप्लाई रोक दी है। ऐसे में कई मजदूरों के सामने भोजन का संकट खड़ा हो गया। राहत की बात यह है कि प्रवासी मजदूरों के लिए काम करने वाले कुछ गैर-सरकारी संगठन आगे आए हैं और प्रभावित श्रमिकों को भोजन व अन्य जरूरी सहायता उपलब्ध करा रहे हैं। माइग्रेंट वर्कर्स सेंटर ने 300 से ज्यादा मजदूरों से मुलाकात कर उन्हें मदद का भरोसा दिया है। वहीं, अधिकारियों ने मजदूरों को सलाह दी है कि वेतन विवाद के निपटारे तक वे नई नौकरी तलाश सकते हैं। इसके लिए उन्हें विशेष पास भी दिया जा सकता है, जिससे वे कानूनी रूप से सिंगापुर में रह सकें।

### जर्मनी में रेल सेवाएं ठप, संचार प्रणाली में आई खराबी; स्टेशनों पर फंसे हजारों यात्री

बर्लिन, एजेंसी। संचार प्रणाली में आई तकनीकी खराबी के कारण मंगलवार देर रात जर्मनी की



रेल सेवाएं ठप हो गईं। इसके चलते देशभर में यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। ट्रेनें रुक जाने से कई यात्री विभिन्न स्टेशनों पर फंस गए। अपने गंतव्य तक पहुंचने की कोशिश कर रहे यात्रियों की स्टेशन सूचना केंद्रों पर लंबी कतारें देखी गईं, जहां वे आगे की यात्रा के बारे में जानकारी लेने पहुंचे थे। जर्मनी की प्रमुख राष्ट्रीय रेल कंपनी डॉयचे बान ने बताया कि जीएसएम-आर डिजिटल संचार प्रणाली में देशव्यापी समस्या आने के कारण सभी ट्रेनों को स्टेशनों पर रोक दिया गया। यह प्रणाली रेलवे नेटवर्क के भीतर आंतरिक संचार के लिए इस्तेमाल की जाती है। डॉयचे बान ने आधी रात जारी बयान में कहा कि समस्या की वजह का पता लगा लिया गया है, लेकिन यह नहीं बताया कि खराबी किस कारण हुई। कंपनी ने कहा, 'तकनीशियन समाधान निकालने के लिए गहनता से काम कर रहे हैं।' कंपनी ने कहा कि प्रभावित यात्रियों को टैक्सी और होटल वाउचर उपलब्ध कराए जाएंगे। जहां संभव होगा, वहां स्टेशनों पर खड़ी ट्रेनों को यात्रियों के बैठने के लिए उपलब्ध कराया जाएगा। कंपनी ने स्थिति के लिए खेद भी जताया। खराबी की सूचना मिलने के करीब दो घंटे बाद नेटवर्क के कुछ हिस्सों में ट्रेन सेवाएं फिर से शुरू हो गईं। बर्लिन के कम्यूटर रेल नेटवर्क ने कहा कि ट्रेनें चल रही हैं, लेकिन यात्रियों को अभी भी देरी और रद्द होने की आशंका के लिए तैयार रहना चाहिए। पश्चिमी और दक्षिण-पश्चिमी जर्मनी के कुछ हिस्सों में क्षेत्रीय रेल सेवाएं संचालित करने वाली डीबी रेजियो मिट्टे ने भी बताया कि सेवाएं बहाल कर दी गई हैं।

# गर्मी से राहत पाने के लिए नदी में कूदे 40 लोगः सभी की डूबने से मौत

लंदन, एजेंसी। यूरोप में जारी भीषण गर्मी अब जानलेवा साबित हो रही है। फ्रांस समेत कई यूरोपीय देशों में हीटवेव के चलते अब तक 18 लोगों की मौत हो चुकी है। इसी बीच एक चौंकाने वाली रिपोर्ट में दावा किया गया है कि गर्मी से राहत पाने के लिए नदी में उतरे करीब 40 लोगों की डूबने से मौत हो गई। मृतकों में अधिकांश युवा बताए जा रहे हैं।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, भीषण गर्मी से परेशान होकर कई लोग असुरक्षित और प्रतिबंधित क्षेत्रों में नदी में नहाने के लिए उतर गए थे। हालांकि, तेज बहाव और सुरक्षा इंतजामों की कमी के कारण ये लोग हादसे का शिकार हो गए। विशेषज्ञ इसे यूरोप में चल रही भीषण गर्मी के खतरनाक प्रभावों का संकेत मान रहे हैं।

### सबसे गर्म रात के बाद बुलाई गई आपात बैठक

फ्रांस में रिकॉर्ड स्तर की गर्म रात दर्ज किए जाने के बाद मंगलवार को सरकार ने आपातकालीन बैठक बुलाई। बैठक में लोगों को गर्मी से बचाव और सुरक्षा उपायों को लेकर कई दिशा-निर्देश जारी किए गए। बैठक के बाद फ्रांसीसी मंत्री सेबेस्टियन लेकोर्नू ने



कहा कि डूबने से जान गंवाने वालों में अधिकांश युवा थे। उन्होंने इन मौतों को ÷दुखद आपदा÷ बताते हुए कहा कि ये लोग उस संकट के पहले शिकार हैं, जिसका सामना पूरा देश कर रहा है। सरकार ने नागरिकों से अपील की है कि हीटवेव के दौरान किसी भी प्रतिबंधित या असुरक्षित जल क्षेत्र में तैराकी करने से बचें। गर्मी का कहर केवल जल दुर्घटनाओं तक सीमित नहीं रहा। दक्षिण-पूर्वी फ्रांस के कारपेंट्रास इलाके में दो और चार वर्ष की उम्र के दो बच्चों की मौत की सबसे संभावित वजह हीट स्ट्रोक बताई गई है। दोनों बच्चे अपने घर के बाहर खड़ी कार में बेहोश पाए गए थे। इसके अलावा, बोर्डो क्षेत्र में गर्मी से जुड़ी स्वास्थ्य समस्याओं के कारण 80 से 95 वर्ष आयु वर्ग के तीन बुजुर्गों की भी मौत हो गई। 1947 के बाद सबसे गर्म रात दर्ज

फ्रांस की मौसम एजेंसी ने बताया कि सोमवार और मंगलवार की रात 1947 से रिकॉर्ड रखे जाने के बाद की सबसे गर्म रात साबित हुई। शुरुआती आंकड़ों के मुताबिक, देश का औसत तापमान 21.6 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया, जिसने 2019 में बने पुराने रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया। हीटवेव की वजह से बोर्डो, पोइटियर्स समेत कई शहरों में तापमान ने नए रिकॉर्ड बना दिए। बढ़ती गर्मी से बिजली आपूर्ति और सार्वजनिक सेवाओं पर भी भारी दबाव देखने को मिला। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए मौसम विभाग ने फ्रांस के 54 शहरों में हीटवेव अलर्ट जारी किया है।

### नीरव मोदी को बड़ा झटका: ब्रिटिश कोर्ट का आदेश- बैंक फ्रॉड मामले में 100 करोड़ से अधिक भुगतान करना होगा

लंदन, एजेंसी। भारत के भगोड़े हीरा कारोबारी नीरव मोदी को ब्रिटिश कोर्ट से बड़ा झटका लगा है। हाईकोर्ट के आदेश के बाद अब नीरव मोदी को बैंक फ्रॉड मामले में 100 करोड़ से अधिक भुगतान करना होगा। हाईकोर्ट के न्यायाधीश साइमन टिंकलर ने नीरव को व्यक्तिगत गारंटी के तहत देनदार ठहराया। खबरों के मुताबिक नीरव पर 4.1 मिलियन डॉलर (लगभग 38.9 करोड़



रुपये) की मूल राशि बकाया है। बैंक इसमें निर्धारित ब्याज भी जोड़ेगा। रिपोर्ट्स के मुताबिक मंगलवार को (ब्रिटिश टाइम) हाईकोर्ट में सुनवाई के दौरान नीरव या उनके वकील ने अपने बचाव में कोई स्पष्टीकरण नहीं दिया। नीरव ने तर्क दिया था कि गारंटी लागू करने योग्य नहीं थी। उसने बैंक से वैध मांगें कभी प्राप्त नहीं की थीं। बैंक ऑफ इंडिया ने जुलाई 2012 में नीरव की कंपनी फायरस्टार डायमंड एफजेडई को दुबई में कर्ज दिया था। नीरव ने 3 अगस्त 2013 को इसकी व्यक्तिगत गारंटी दी थी। 2018 की शुरुआत में, जब नीरव द्वारा पंजाब नेशनल बैंक में कथित धोखाधड़ी की खबर फैली, तो बैंक ऑफ इंडिया ने कर्ज वापस मांगने का फैसला किया। मार्च और अप्रैल 2018 में फायरस्टार और नीरव को भेजे गए नोटिस का जवाब नहीं मिला। 8 मार्च 2024 को बैंक ऑफ इंडिया ने 4.1 मिलियन डॉलर की मूल राशि और ब्याज के लिए सारांश निर्णय प्राप्त किया। बैंक ने अक्तूबर 2025 में नीरव को एक और मांग भेजी। न्यायाधीश टिंकलर ने कहा कि फरवरी 2018 से फायरस्टार समूह की हर कंपनी प्रभावित हुई थी। न्यायाधीश टिंकलर ने बताया कि 17 फरवरी 2018 को नीरव ने बैंक को ईमेल भेजा था। इसमें उसने मीडिया की हलचल से संचालन बंद होने की बात कही थी। उसने समूह की बैंकों को बकाया चुकाने में असमर्थता भी बताई थी। नीरव ने अप्रैल 2018 और अक्तूबर 2025 की मांगें मिलने से इन्कार किया।

### कैलिफोर्निया की लाइब्रेरी में 18 साल के लड़के ने की अंधाधुंध गोलीबारी, 2 की मौत

वाशिंगटन , एजेंसी। अमेरिका के उत्तरी कैलिफोर्निया से एक बेहद दिल दहला देने वाली वारदात सामने आई है। यहां चिको शहर की एक पब्लिक लाइब्रेरी में 18 साल के एक सिरफिरे लड़के ने पूरी प्लानिंग के साथ अंधाधुंध गोलीबारी कर दी। इस खौफनाक हमले में एक पुरुष और एक महिला की मौत हो गई है। राहत की बात यह रही कि अमेरिकी पुलिस ने सूचना मिलने के महज 4 मिनट के भीतर ही जान की बाजी लगाकर शूटर को जिंदा दबोच लिया जिससे लाइब्रेरी के अंदर



मौजूद दर्जनों अन्य लोगों की जान बच गई। अधिकारियों के अनुसार संदिग्ध ने लाइब्रेरी के मुख्य प्रवेश द्वार पर एक व्यक्ति को गोली मार दी और फिर इमारत के भीतर घुसकर एक महिला की भी गोली मारकर हत्या कर दी। चिको के पुलिस प्रमुख बिली एल्ड्रिज ने बताया कि सोमवार शाम ब्यूट काउंटी लाइब्रेरी की चिको शाखा से संबंधित आपातकालीन फोन कॉल में गोलियों की आवाजें और लोगों की चीखें सुनाई दे रही थीं। उन्होंने कहा कि सूचना मिलने के दो मिनट के भीतर पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंच गए थे। एल्ड्रिज ने जान-माल के और नुकसान को रोकने पर पुलिसकर्मियों की सराहना करते हुए कहा, पहली आपातकालीन कॉल मिलने से लेकर संदिग्ध को हिरासत में लेने तक की पूरी कार्रवाई चार मिनट से भी कम समय में पूरी हो गई।

# पुरुषों के बर्ताव से परेशान होकर खुद से ही रचा ली शादी, फिर 1 साल बाद हो गई बोर

रियो डी जनेरियो , एजेंसी। रिलेशनशिप में बार-बार धोखा खाने और पुरुषों के बर्ताव से परेशान होकर खुद से शादी ( करने वाली लंदन की एक मशहूर मॉडल अब एक नए कारण से सुर्खियों में हैं। मर्दों से तंग आकर खुद को अपना जीवनसाथी बनाने वाली 36 वर्षीय ब्राजीलियन इन्फ्लुएंसर सुलेन कैरी ने शादी के ठीक एक साल बाद अब खुद से ही तलाक ले लिया है। सुलेन का कहना है कि वह खुद के साथ इस रिश्ते को निभाते-निभाते इतनी थक गई और बोर हो गई कि अब उन्हें खुद से ही ब्रेकअप करना पड़ा।

बता दें कि पिछले साल सुलेन कैरी की इस अनोखी शादी की तस्वीरें सोशल मीडिया पर खूब वायरल हुई थीं। पुरुषों के साथ बेहद कड़वे अनुभवों के बाद सुलेन ने फैसला किया था कि वह किसी और के भरोसे रहने के बजाय खुद को ही अपनी सोलमेट बनाएगी। उन्होंने लंदन में एक शानदार पार्टी रखी, सफेद वेडिंग गाउन पहना, केक काटा और खुद से हमेशा प्यार करने का वादा किया। शादी के बाद सुलेन खुद ही अकेले डेट पर जाती थीं, खुद को महंगे तोहफे देती थीं और अपनी खुशियां खुद तय करती थीं। शादी के 12 महीनों बाद सुलेन ने



अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक बेहद चौंकाने वाली पोस्ट शेयर की जिसने इंटरनेट पर नई बहस छेड़ दी है। सुलेन ने लिखा कि शुरुआत में सब कुछ बहुत अच्छा और आज़ाद था लेकिन धीरे-धीरे खुद के साथ चौबीसों घंटे रहना एक दबाव बनने लगा। वह अंदर से बेहद अकेलापन महसूस करने लगीं।

मॉडल ने अपनी पोस्ट में कुबूल किया, मैं खुद से शादी करके खुश थी लेकिन अब मुझे लगता है कि मैं खुद को ही एग्जॉस्ट (मानसिक रूप से थका) कर रही हूं। मुझ पर खुद को हमेशा परफेक्ट रखने का इतना प्रेशर था कि मैं खुद को भी सहन नहीं कर पा रही थी। सुलेन के इस सेल्फ-डिवोर्स की खबर आते ही सोशल मीडिया यूजर्स दो गुटों में बंट गए हैं। कुछ लोग इसे केवल सोशल मीडिया पर लाइक्स और फॉलोअर्स बटोरने का एक पब्लिसिटी स्टंट बता रहे हैं जबकि कुछ यूजर्स मजे लेते हुए लिख रहे हैं- जब मैडम से खुद का साथ सहन नहीं हो रहा, तो वो किसी और पुरुष को कैसे झेल पातीं? वहीं रिलेशनशिप एक्सपर्ट्स और मनोवैज्ञानिकों का मानना है कि सोलोगैमी यानी खुद से शादी करना आत्म-सम्मान के लिहाज से एक अच्छा विचार लग सकता है लेकिन लंबे समय तक इंसानी स्वभाव अकेले नहीं रह सकता। इंसान एक सामाजिक प्राणी है। किसी भी रिश्ते में जो भावनात्मक सपोर्ट और सुख-दुख साझा करने के लिए दूसरे पार्टनर की जरूरत होती है वह इंसान खुद अकेले रहकर कभी पूरी नहीं कर सकता।

# 27 वर्षीय भारतीय महिला ने जीता फ्री लग्जरी अपार्टमेंट

दुबई , एजेंसी। दुबई में रहने वाली 27 वर्षीय भारतीय महिला की किस्मत उस समय चमक गई जब उसने एक शॉपिंग कैंपेन के जरिए मुफ्त में एक स्टूडियो अपार्टमेंट जीत लिया। केरल मूल की आयशा अमीर इस विशेष आवासीय अभियान की पहली विजेता बनी हैं, जिसे दुबई में ग्राहकों को आकर्षित करने के लिए शुरू किया गया है।

जानकारी के अनुसार, आयशा ने शहर में खरीदारी के दौरान एक लकी ड्रॉ में हिस्सा लिया था। इस अभियान के तहत ग्राहकों को भाग लेने वाले स्टोर्स से कम से कम 500 दिरहम की खरीदारी करनी होती है। इसके बाद क्क्र कोड स्कैन कर खरीदारी की रसीद अपलोड करनी होती है, जिससे उनका नाम ड्रॉ में शामिल हो जाता है।

आयशा ने बताया कि उन्हें इस अभियान की जानकारी उनके पति ने दी थी। उन्होंने मॉल और सोशल मीडिया पर इसके विज्ञापन देखे थे, जिसके बाद आयशा ने भी इसमें हिस्सा लेने का फैसला किया। जब उन्हें जीत की सूचना देने के लिए फोन आया तो शुरुआत में उन्हें विश्वास नहीं हुआ। उन्हें लगा कि शायद कोई धोखाधड़ी करने की कोशिश कर रहा है। हालांकि बाद में आयोजकों की ओर से आधिकारिक ईमेल और जरूरी जानकारी मिलने के बाद उन्हें यकीन हुआ कि उन्होंने वास्तव में एक लग्जरी स्टूडियो अपार्टमेंट जीत लिया है। आयशा और उनके पति पिछले साल विवाह बंधन में बंधे थे और भविष्य में अपना घर खरीदने की योजना बना रहे थे। लेकिन इस साल क्षेत्रीय परिस्थितियों और अनिश्चितताओं के कारण उन्होंने फिलहाल अपना फैसला टाल दिया था। ऐसे में



मुफ्त अपार्टमेंट जीतना उनके लिए किसी सपने के सच होने जैसा साबित हुआ। उन्होंने कहा कि अक्सर लोग दूसरों को बड़े इनाम जीतते हुए देखते हैं और सोचते हैं कि ऐसा उनके साथ कभी नहीं होगा। लेकिन उनकी जीत यह साबित करती है कि कभी-कभी किस्मत अप्रत्याशित तरीके से भी दरवाजा खटखटा सकती है। इस अभियान के तहत कुल 12 अपार्टमेंट विजेताओं को दिए जाएंगे। अगस्त के अंत तक हर सप्ताह नए विजेताओं की घोषणा की जाएगी। इस पहल में करीब 1,000 ब्रांड और 4,000 से अधिक रिटेल आउटलेट शामिल हैं। आयोजकों का कहना है कि इस अभियान का उद्देश्य सिर्फ खरीदारी को बढ़ावा देना नहीं, बल्कि दुबई के निवासियों और ग्राहकों को खास अनुभव देना भी है। सरल प्रक्रिया और आकर्षक इनामों के कारण यह कैंपेन लोगों के बीच तेजी से लोकप्रिय हो रहा है।

### ग्रीन कार्ड धारकों की बढ़ीं मुश्किलें, अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट का फैसला- अपराध किया तो मिलेगा देश निकाला

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के सर्वोच्च न्यायालय ने मंगलवार को एक अहम फैसला दिया, जिससे अमेरिका में रहने वाले ग्रीन कार्ड धारकों की परेशानी बढ़ना तय है। दरअसल इस फैसले के बाद अगर कोई ग्रीन कार्ड



धारक नैतिक पतन से जुड़ा अपराध करता है तो उसे स्थायी नागरिक होने के बाद भी अमेरिका से निर्वासित किया जा सकेगा। अमेरिका के सीमा सुरक्षा अधिकारियों को अब ऐसे लोगों को अमेरिका से निकालना आसान होगा। अमेरिकी न्यायाधीश क्लेरेंस थॉमस ने फैसले में कहा कि आव्रजन अधिकारियों को अब स्पष्ट सबूतों की जरूरत नहीं होगी और अगर उन्हें लगता है कि अपराध हुआ है तो भी वे कार्रवाई कर सकते हैं। जज ने कहा कि अप्रवासन और नेशनलिटी एक्ट में सबूतों की जरूरत की बात नहीं है। दरअसल एक याचिकाकर्ता मुक चोइ लाउ ने अपनी याचिका में बताया कि वह चीनी नागरिक है, लेकिन उसके पास अमेरिका में स्थायी निवास के लिए ग्रीन कार्ड है। ट्रेडमार्क में जालसाजी के आरोप में लाउ को साल 2012 में चीन से लौटते समय न्यूयॉर्क के जॉन एफ कैनेडी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर प्रवेश नहीं दिया गया था। हालांकि उस समय उन्हें सशर्त प्रवेश की मंजूरी दी गई। एबीसी न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, लाउ ने बाद में जाली नोट बनाने के आरोपों को भी स्वीकार किया। जिसके बाद उसे देश से निर्वासित करने का

मिसाइलों के दम पर बचा ईरान

## राष्ट्रपति पेजेशकियन बोले- यूएस के साथ समझौते में शामिल नहीं हमारा मिसाइल कार्यक्रम

इस्लामाबाद, एजेंसी। ईरानी राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन ने एक बड़ा बयान दिया है। उन्होंने साफ कहा कि ईरान का मिसाइल कार्यक्रम अमेरिका के साथ हुए 14 सूत्रीय समझौते का हिस्सा नहीं है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि भविष्य में भी मिसाइलों को लेकर ऐसा कोई समझौता नहीं होगा। पेजेशकियन ने यह बात पाकिस्तान के इस्लामाबाद में एक मीडिया वार्ता के दौरान कही। राष्ट्रपति ने अपने देश के मिसाइल कार्यक्रम का पुरजोर बचाव किया। उन्होंने कहा कि ये मिसाइलें ईरान की सुरक्षा के लिए बहुत जरूरी हैं। उनके मुताबिक, अगर ईरान के पास ये मिसाइलें नहीं होतीं, तो इस्रायल और अमेरिका अब तक ईरान को पूरी तरह बर्बाद कर चुके होते। उन्होंने मिसाइल क्षमता और अमेरिका के साथ हुए समझौते के बीच किसी भी तरह के जुड़ाव को सिरे से खारिज कर दिया। पेजेशकियन इन दिनों पाकिस्तान के दौरे पर हैं। वहां वे पाकिस्तानी नेताओं के साथ आपसी संबंधों और क्षेत्र के हालातों पर चर्चा कर रहे हैं। यह बयान स्विट्जरलैंड में हुई तकनीकी बातचीत के खत्म होने के बाद आया है। इस 14 सूत्रीय समझौते का मुख्य उद्देश्य इलाके में जारी तनाव और दुश्मनी को खत्म करना है। पिछले हफ्ते ही अमेरिका ने इस समझौते का आधिकारिक मसौदा सबके सामने रखा था। अमेरिकी अधिकारियों के मुताबिक, इस समझौते में कई अहम बातें शामिल हैं। इसमें होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोलने का प्रावधान है। साथ ही ईरान पर लगी कुछ आर्थिक पाबंदियों को कम करने की बात भी कही गई है। समझौते में ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर भविष्य में तकनीकी बातचीत करने की रूपरेखा भी तैयार की गई है।

हालांकि, इस आधिकारिक दस्तावेज में ईरान के मिसाइल कार्यक्रम पर किसी भी तरह की रोक का जिक्र नहीं है। इसमें हथियारों से जुड़ी सिर्फ एक ही शर्त है।

# रूस से तेल-कोयले की सप्लाई के लिए भारत का नया दांव, चेन्नई-व्लादिवोस्तोक कॉरिडोर बना नई लाइफलाइन

मास्को , एजेंसी। पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष और होरमुज़ जलडमरूमध्य में बढ़ते तनाव के कारण वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति और व्यापारिक श्रृंखलाओं पर दबाव बढ़ गया है। ऐसे समय में भारत और रूस के बीच विकसित किया गया ईस्टर्न मैरीटाइम कॉरिडोर भारत के लिए एक महत्वपूर्ण वैकल्पिक व्यापार मार्ग के रूप में उभर रहा है। यह समुद्री मार्ग भारत के चेन्नई बंदरगाह को रूस के सुदूर पूर्व में स्थित व्लादिवोस्तोक बंदरगाह से जोड़ता है और इसे आर्थिक तथा सामरिक दोनों दृष्टि से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। भारत ने वर्ष 2024 में इस मार्ग को सक्रिय किया था, जब लाल सागर क्षेत्र में हमास-इजरायल संघर्ष के प्रभाव के चलते यमन के हूती विद्रोहियों द्वारा अंतरराष्टीय जहाजों को निशाना बनाया जा रहा था। अब अमेरिका, इजरायल और ईरान से जुड़े क्षेत्रीय तनाव



तथा होर्मुज जलडमरूमध्य में संभावित व्यवधान ने इस समुद्री गलियारे की उपयोगिता को और बढ़ा दिया है। विशेषज्ञों के अनुसार, ईएमसी के जरिए रूस से भारत आने वाले जहाजों का ट्रांजिट समय लगभग 24 दिन रह जाता है, जबकि पारंपरिक स्वेज नहर मार्ग से यही यात्रा 40 दिनों से अधिक समय ले सकती है।इससे भारत को रूस से कच्चा तेल, कोकिंग कोल और अन्य महत्वपूर्ण खनिज संसाधनों की तेज और अपेक्षाकृत कम लागत वाली आपूर्ति सुनिश्चित करने में मदद मिलती है।भारत की इस्पात और ऊर्जा जरूरतें लगातार बढ़ रही हैं। ऐसे में रूस से निर्बाध आपूर्ति बनाए रखना रणनीतिक आवश्यकता बन गया है। विश्लेषकों का मानना है कि यदि पश्चिम एशिया में तनाव लंबे समय तक बना रहता है, तो ईएमसी भारत की ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता इससे रूस से आने वाले कच्चे माल और ऊर्जा संसाधनों को भारतीय बंदरगाहों से देश के विभिन्न हिस्सों तक तेज़ी और कम लागत में पहुंचाना संभव होगा। यह समुद्री गलियारा भारत की एक्ट ईस्ट पॉलिसी के अनुरूप भी माना जा रहा है। इसके माध्यम से भारत पूर्वी एशिया और प्रशांत क्षेत्र के देशों के साथ अपनी आर्थिक और सामरिक भागीदारी मजबूत कर सकता है। विशेषज्ञों का मानना है कि यह परियोजना क्षेत्र में चीन के बढ़ते प्रभाव को संतुलित करने की भारत की व्यापक रणनीति का भी हिस्सा है।

## उज्बेकिस्तान के खिलाफ जीत के बाद बोले रोनाल्डो-

# वी आर बैक...

**हुआस्टन, एजेंसी।** पुर्तगाल के स्टार खिलाड़ी क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने उज्बेकिस्तान के खिलाफ मिली जीत के बाद 'वी आर बैक', यानी हम वापस आ गए कहा। रोनाल्डो ने फीफा विश्व कप के इस मैच में दमदार प्रदर्शन किया और दो गोल किए जिससे पुर्तगाल ने ग्रुप के मुकाबले में उज्बेकिस्तान को 5-0 से करारी मात दी। इस जीत के साथ ही पुर्तगाल ने नॉकआउट के लिए दावा मजबूत कर लिया है।

### मैच में चमके रोनाल्डो

रोनाल्डो पिछले मैच में गोल नहीं कर सके थे, जिसका दबाव उन पर दिख रहा था। रोनाल्डो ने इस मैच में शुरुआत से ही आक्रामक रुख अपनाया। उन्होंने पहले छठे मिनट में गोल किया और फिर पहला हाफ खत्म होने से 39वें मिनट में दूसरा गोल दागा। रोनाल्डो इन दो गोल की मदद से पुर्तगाल के लिए विश्व कप में सर्वाधिक गोल करने वाले खिलाड़ी बन गए। इतना ही नहीं रोनाल्डो छह अलग-अलग विश्व कप में गोल करने वाले एकमात्र खिलाड़ी हैं।

### जीत के बाद गदगद हुए रोनाल्डो

उज्बेकिस्तान के खिलाफ जैसे ही पुर्तगाल ने जीत दर्ज की, रोनाल्डो खुशी से झूम उठे। रोनाल्डो दर्शक दीर्घा के पास जाकर कुछ बोलते सुनाई दिए। उन्होंने बाद में इंस्टाग्राम पर पोस्ट डाल लिखा, 'वी आर बैक।' फोटो में वह अपनी सिग्नेचर स्टाइल में खड़े नजर आए। रोनाल्डो और पुर्तगाल के लिए यह जीत काफी अहम है क्योंकि टीम के लिए फीफा विश्व कप की शुरुआत अच्छी नहीं रही थी। टीम ने डीआर कांगो के खिलाफ 1-1 से ड्रॉ खेला था, लेकिन उज्बेकिस्तान के खिलाफ पुर्तगाल पूरे दम में नजर आई और एकतरफा अंदाज में मैच जीता।

## पुर्तगाल ने नॉकआउट की ओर बढ़ाए कदम

क्रिस्टियानो रोनाल्डो के दो गोल की मदद से पुर्तगाल ने उज्बेकिस्तान को 5-0 से हराया। पुर्तगाल ने पिछले मैच में ड्रॉ खेला था, लेकिन टीम इस मैच में बड़ी जीत दर्ज करने में सफल रही। टीम के लिए रोनाल्डो ने दमदार प्रदर्शन किया। रोनाल्डो ने मैच के बाद 'आई एम बैक', यानी मैं वापस आ गया हूं कहा। रोनाल्डो पिछले मैच में गोल नहीं कर सके थे, लेकिन इस मैच में दमदार प्रदर्शन करने में सफल रहे। उज्बेकिस्तान की टीम का सफर ग्रुप चरण में ही थम गया।

पुर्तगाल के लिए रोनाल्डो के अलावा नुनो मेंडेस और राफेल लियाओ ने एक-एक गोल किए। वहीं, उज्बेकिस्तान के नेमातोव ने आत्मघाती गोल किया।इसके साथ ही पुर्तगाल ग्रुप के में चार अंकों के साथ शीर्ष पर पहुंच गई है और उसने नॉकआउट के लिए दावा मजबूत कर लिया है। पुर्तगाल के दो मैचों में एक जीत और एक ड्रा से चार अंक हो गए हैं। दूसरे स्थान पर कोलंबिया है जो एक मैच में एक जीत के साथ तीन अंक लेकर दूसरे नंबर पर है। कांगो डीआर एक अंक के साथ तीसरे और उज्बेकिस्तान दो मैच में दो हार के साथ चौथे स्थान पर है।

### उज्बेक खिलाड़ी ने किया आत्मघाती गोल

दूसरे हाफ में उज्बेकिस्तान के अब्दुखोदिर खुसानोव ने आत्मघाती गोल किया जिससे पुर्तगाल 4-0 की बढ़त बनाने में सफल रहा। दरअसल, पुर्तगाल के ब्रूनो फर्नांडिस ने कॉर्नर पर किक मारा और गोल पोस्ट के पास खड़े खुसानोव के कंधे से लगते ही गेंद गोल पोस्ट को पार कर गई। इसके बाद पुर्तगाल ने पांचवां गोल कर उज्बेकिस्तान के खिलाफ बढ़त को बेहद मजबूत कर लिया। पुर्तगाल के लिए पांचवां गोल राफेल लियाओ ने 87वें मिनट में किया। उज्बेकिस्तान की टीम अंत तक मैच में एक भी गोल नहीं कर सकी।

# लियोनल मेसी: 39 के हुए फुटबॉल के जादूगर!

## संन्यास लिया...वापसी की और फिर दुनिया जीत ली

**न्यूयॉर्क, एजेंसी।** फुटबॉल की दुनिया में महानतम खिलाड़ी को लेकर बहस कभी खत्म नहीं होती, लेकिन जब आंकड़ों, उपलब्धियों और मैदान पर जादू की बात आती है तो लियोनल मेसी का नाम सबसे आगे दिखाई देता है। 24 जून 1987 को अर्जेंटीना के रोसारियो शहर में जन्मे मेसी आज 39 साल के हो गए हैं। उनका यह जन्मदिन इसलिए भी खास है क्योंकि वह फीफा विश्व कप 2026 में शानदार फॉर्म में हैं। मेसी ने विश्वकप में ओवरऑल मिरोस्लाव क्लोज के सबसे ज्यादा गोल का रिकॉर्ड तोड़ा और फिलहाल पांच गोल के साथ टूर्नामेंट के शीर्ष गोल स्कोरर बने हुए हैं और गोल्डन बूट की दौड़ में सबसे आगे चल रहे हैं। ऐसे में पूरी दुनिया एक बार फिर उस खिलाड़ी का जश्न मना रही है जिसने अपने करियर में लगभग हर सपना पूरा किया।

### बीमारी से जंग, फिर दुनिया पर राज

आज जिस खिलाड़ी को दुनिया फुटबॉल का भगवान कहती है, उसका बचपन संघर्षों से भरा था। महज 11 साल की उम्र में मेसी को ग्रोथ हार्मोन डेफिशिएंसी नामक बीमारी हो गई थी। इस बीमारी के कारण उनका शारीरिक विकास रुक गया था और इलाज बेहद महंगा था।उनके परिवार की आर्थिक स्थिति इतनी मजबूत नहीं थी कि लगातार इलाज का खर्च उठा सके। तभी स्पेनिश क्लब बार्सिलोना ने उनकी प्रतिभा को पहचाना और इलाज का पूरा खर्च उठाने का फैसला किया। कहा जाता है कि मेसी का पहला अनुबंध एक नैपकिन पेपर पर लिखा गया था। वही नैपकिन आगे चलकर फुटबॉल इतिहास की सबसे चर्चित कहानियों में शामिल हो गई।

### बार्सिलोना में शुरू हुआ स्वर्णिम युग

बार्सिलोना पहुंचने के बाद मेसी ने पीछे मुड़कर नहीं देखा।अगले डेढ़ दशक तक उन्होंने क्लब फुटबॉल पर लगभग एकछत्र राज किया। बार्सिलोना के लिए उन्होंने 778 मैचों में 672 गोल किए और क्लब के सर्वकालिक सर्वश्रेष्ठ गोल स्कोरर बने।उनके नेतृत्व में बार्सिलोना ने 10 ला लीगा, 4 यूईएफए चैंपियंस लीग, 7 कोपा डेल रे और कई अन्य ट्रॉफियां जीतीं। साल 2012 उन्होंने एक कैलेंडर वर्ष में 91 गोल दागकर विश्व रिकॉर्ड बनाया।

### आलोचनाओं से टूटे, संन्यास लेकर दुनिया को चौंकाया

मेसी के करियर का सबसे भावुक पल 2016 में आया। अर्जेंटीना लगातार बड़े टूर्नामेंटों के फाइनल हार रहा था और कोपा अमेरिका फाइनल में चिली के खिलाफ पेनाल्टी चूकने के बाद मेसी बुरी तरह टूट गए। मैच के बाद उन्होंने अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल से संन्यास लेने की घोषणा कर दी। यह खबर सुनकर अर्जेंटीना ही नहीं, पूरी दुनिया के फुटबॉल प्रशंसक स्तब्ध रह गए। आलोचकों का मानना था कि मेसी दबाव में बड़े खिताब नहीं जिता सकते। लेकिन कहानी यहीं खत्म नहीं हुई।अर्जेंटीना की जनता, पूर्व खिलाड़ियों और देशभर से उठी भावनात्मक अपीलों के बाद मेसी ने अपना फैसला बदला और राष्ट्रीय टीम में लौट आए। इसके बाद उन्होंने वह कर दिखाया जिसका इंतजार करोड़ों अर्जेंटीनी वर्षों से कर रहे थे। 2021 में अर्जेंटीना को कोपा अमेरिका जिताकर उन्होंने 28 साल का खिताबी सूखा खत्म किया। इसके बाद 2022 में फाइनलिसिमा और फिर विश्व कप जीतकर उन्होंने अपने करियर की सबसे बड़ी कमी भी पूरी कर ली। उनकी वापसी फुटबॉल इतिहास की सबसे सफल वापसी में गिनी जाती है।

## एशियन गेम्स से बाहर होने पर मनिका ने उठाए सवाल

# मुझे टीम नहीं, जवाब चाहिए

## कानूनी कार्रवाई की चेतावनी

**नई दिल्ली, एजेंसी।** भारतीय टेबल टेनिस की स्टार खिलाड़ी मनिका बत्रा एशियन गेम्स 2026 के लिए घोषित भारतीय टीम से बाहर किए जाने के बाद लगातार चर्चा में हैं। चयन को लेकर उठे विवाद के बीच मनिका ने एक बार फिर अपना पक्ष रखते हुए स्पष्ट किया है कि वह किसी विशेष रियायत या टीम में जबरन जगह की मांग नहीं कर रही हैं, बल्कि केवल यह जानना चाहती हैं कि आखिर उन्हें चयन के योग्य क्यों नहीं माना गया।मनिका ने चयन प्रक्रिया में पारदर्शिता की कमी और फैसलों में कथित मनमानी पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मांडविया से हस्तक्षेप की अपील करते हुए कहा है कि यदि उन्हें इस फैसले के पीछे की वजह का संतोषजनक जवाब नहीं मिलता है तो वह कानूनी कार्रवाई का रास्ता अपनाने के लिए मजबूर होंगी।

### मुझे टीम नहीं, जवाब चाहिए

मनिका ने अपने बयान में कहा, 'पिछले दो दशकों से मुझे सर्वोच्च स्तर पर भारत का प्रतिनिधित्व करने का अवसर मिला है। अपने पूरे करियर में मैंने जीत, हार, चयन और चयन न होने, सभी परिस्थितियों को स्वीकार किया है। यह खेल का हिस्सा है। लेकिन जिस बात को स्वीकार करना मुश्किल है, वह है पारदर्शिता की कमी और मनमानी।'उन्होंने आगे कहा, 'मैं स्पष्ट करना चाहती हूं कि मैं चयन की मांग नहीं कर रही हूं और न ही किसी से फैसला बदलने को कह रही हूं। मैं सिर्फ जवाब मांग रही हूं। मुझे यह नहीं बताया गया कि मेरा चयन क्यों नहीं किया गया। यदि मुझे इस फैसले के आधार के बारे में संतोषजनक जवाब नहीं मिलता, तो मेरे पास कानूनी विकल्प अपनाने के अलावा कोई रास्ता नहीं बचेगा।'

### रैंकिंग और फॉर्म को लेकर उठाए सवाल

विश्व रैंकिंग में 51वें स्थान पर काबिज मनिका ने पूछा कि आखिर किस आधार पर खिलाड़ियों का मूल्यांकन किया गया। उन्होंने कहा कि टेबल टेनिस की रैंकिंग हर सप्ताह बदलती रहती है, ऐसे में यह स्पष्ट होना चाहिए कि चयन किसी एक सप्ताह, दो महीने, छह महीने या पूरे वर्ष के प्रदर्शन के आधार पर किया गया। मनिका का मानना है कि केवल रैंकिंग ही नहीं, बल्कि हालिया प्रदर्शन और मौजूदा फॉर्म को भी चयन का आधार बनाया जाना चाहिए।

### वोटिंग आधारित चयन पर भी जताई चिंता

मनिका ने उन रिपोर्टों पर भी सवाल उठाए, जिनमें दावा किया गया था कि अंतिम चयन वोटिंग के जरिए किया गया। उन्होंने कहा कि यदि ऐसा हुआ है तो खिलाड़ियों को यह जानने का अधिकार है कि किसने और किन कारणों से फैसला लिया। उन्होंने कहा, 'अगर मेरे खिलाफ वोटिंग हुई है तो उसके पीछे क्या कारण थे? क्या फैसला खिलाड़ियों के प्रदर्शन के आधार पर लिया गया था या व्यक्तिगत राय के आधार पर? इन सवालों के जवाब पारदर्शी तरीके से सामने आने चाहिए।'

## शुभमन गिल वनडे रैंकिंग में दूसरे नंबर पर पहुंच

**दुबई।** भारत के ओपनर शुभमन गिल की ताजा वनडे बल्लेबाजों की रैंकिंग में दूसरे स्थान पर पहुंच गए हैं जबकि न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज मैट हेनरी ने अलग-अलग फॉर्मेट में शानदार प्रदर्शन के बाद टेस्ट बॉलिंग रैंकिंग में भारत के जसप्रीत बुमराह के साथ शीर्ष स्थान हासिल कर लिया है।

टेस्ट बल्लेबाजों की रैंकिंग में भी शीर्ष पर बदलाव हुआ है जिसमें इंग्लैंड के अनुभवी खिलाड़ी जो रूट ने फिर से नंबर 1 स्थान हासिल किया है। न्यूजीलैंड के खिलाफ रूट के 46 और 77 रनों के स्कोर ने उन्हें दो स्थान ऊपर चढ़ने और अपने साथी हैरी ब्रूक और ऑस्ट्रेलिया के ट्रैविस हेड से आगे निकलने में मदद की जिससे वे अपने करियर में 12वीं बार शीर्ष स्थान पर पहुंचे।

हालिया प्रदर्शन के बाद गिल तीन स्थान ऊपर चढ़े और अब वनडे बल्लेबाजों में दूसरे स्थान पर हैं जो शीर्ष रैंकिंग वाले डेरिल मिशेल से केवल 24 रेटिंग अंक पीछे हैं। भारत के ही बल्लेबाज ईशान किशन ने भी उल्लेखनीय प्रगति की है।

## यशस्वी को लेकर भी अटकलों का बाजार गर्म...

# कोलकाता नाइट राइडर्स के लिए खेलेंगे हार्दिक पांड्या !

**नई दिल्ली, एजेंसी।** आईपीएल 2027 का सीजन अभी दूर है, लेकिन फ्रेंचाइजी ने अभी से इसकी रणनीति बनानी शुरू कर दी है। मुंबई इंडियंस में हार्दिक पांड्या की वापसी सुखद नहीं रही है और जब से वह टीम में दोबारा शामिल हुए हैं, तभी से टीम और स्वयं उनके लिए चीजें विपरीत होती चली गई हैं। अब खबर आ रही है कि हार्दिक ने मुंबई इंडियंस से राहें अलग करने का मन बना लिया है और उन्हें इसके लिए दो प्रस्ताव मिले हैं।

### केकेआर ने मुंबई से साधा संपर्क

शाहरुख खान के सहस्वामित्व वाली कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) और राजस्थान रॉयल्स की ओर से हार्दिक को दो प्रस्ताव मिले हैं। सूत्र ने बताया कि नाइट राइडर्स के शीर्ष प्रबंधन और मुंबई इंडियंस के मालिकों के बीच खिलाड़ियों की अदला-बदली को लेकर कई बार बातचीत हुई है। सूत्र ने बताया, अजिंक्य रहाणे केकेआर के लिए हमेशा से एक कामचलाऊ व्यवस्था थे और इस सत्र के बाद उन्हें रिलीज किया जाना तय था। केकेआर के बड़े अधिकारियों ने पिछले सत्र के आखिर में मुंबई इंडियंस के मालिकों से संपर्क किया था लेकिन उस समय रिलायंस की सालाना आम बैठक होने वाली थी इसलिए उस समय आईपीएल ट्रेड उनकी सबसे बड़ी प्राथमिकता नहीं थी। हालांकि पता चला है कि केकेआर ने फिर से मुंबई इंडियंस के बड़े अधिकारियों से संपर्क किया है और इस बारे में कुछ दौर की बातचीत भी हुई है। यह तय है कि अगर हार्दिक पूरी तरह से नकद करार या खिलाड़ी की अदला-बदली के जरिए केकेआर में जाते हैं तो उन्हें कप्तानी मिल सकती है क्योंकि इस समय रिंकू सिंह सही विकल्प नहीं लग रहे हैं। हालांकि जब पूछा गया कि मुंबई की टीम इस स्टार भारतीय ऑलराउंडर के लिए पूरी तरह नकद करार चाहती है या खिलाड़ी की अदला-बदली तो सूत्र ने इसकी पुष्टि नहीं की।

### राजस्थान रॉयल्स से भी मिला प्रस्ताव

### ट्रेड को लेकर क्या कहते हैं आईपीएल के नियम

आईपीएल के नियमों में साफ कहा गया है कि कोई खिलाड़ी टीम छोड़ने को लेकर किसी दूसरी फ्रेंचाइजी के साथ व्यक्तिगत रूप से कोई बातचीत नहीं कर सकता। नियम के अनुसार बातचीत केवल फ्रेंचाइजी के बीच ही हो सकती है। यह भी कहा गया है कि खिलाड़ी की सहमति के बिना ट्रेड नहीं हो सकता। अगर खिलाड़ी सहमति नहीं देता है तो उसे रिलीज करके वापस नीलामी में भेजना होगा।

### राजस्थान से मिली ट्रेड की पेशकश

मुंबई को मिली दूसरी पेशकश यशस्वी जायसवाल और हार्दिक के बीच अदला-बदली की बताई जा रही है, लेकिन पक्के तौर पर यह नहीं कहा जा सकता कि बातचीत आगे बढ़ी है या नहीं। हालांकि रॉयल्स की टीम असम के स्टार रियान पराग को लंबे समय के कप्तान के तौर पर देख रही है इसलिए हार्दिक को कप्तानी की भूमिका मिलना मुश्किल होगा। अगर हार्दिक किसी अन्य टीम के साथ जुड़ते हैं तो राजस्थान रॉयल्स की तुलना में केकेआर फिलहाल कहीं अधिक बेहतर विकल्प लग रहा है।

# ऑस्ट्रेलिया का विजय रथ जारी, पाकिस्तान को 113 रन से रौंदा

**नई दिल्ली, एजेंसी।** महिला टी20 विश्व कप में ऑस्ट्रेलिया ने पाकिस्तान को 113 रन से हराकर लगातार चौथी जीत दर्ज की और सेमीफाइनल की ओर मजबूत कदम बढ़ाया। एलिस पेरी ने 71 रन बनाने के साथ दो विकेट भी लिए। दूसरी ओर श्रीलंका की कप्तान चमारी अटापट्टू ने नाबाद 106 रन की पारी खेलकर आयरलैंड के खिलाफ टीम को नौ विकेट से जीत दिलाई। वहीं न्यूजीलैंड ने स्कॉटलैंड को छह विकेट से हराकर अंतिम चार की उम्मीदें बरकरार रखीं।

ऑस्ट्रेलिया ने पाकिस्तान को हराया

लीड्स में खेले गए मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 199/7 का विशाल स्कोर खड़ा किया। टीम को पहला झटका मैच की पहली ही गेंद पर बेथ मूनी के रूप में लगा, लेकिन इसके बाद एलिस पेरी और जॉर्जिया वोल ने पाकिस्तान के गेंदबाजों की जमकर धुनाई की। दोनों ने दूसरे विकेट के लिए केवल 56 गेंदों में 100 रन की साझेदारी की। वोल ने 39 रन बनाए, जबकि पेरी ने 48 गेंदों में 71 रन की शानदार पारी खेली। अंत में एनाबेल सदरलैंड (27) और निकोला कैरी (26) ने तेजी से रन जोड़कर स्कोर को 199 तक पहुंचाया।जवाब में पाकिस्तान की टीम महज 86 रन पर सिमट गई। टीम की ओर से मुनीबा अली ने सर्वाधिक 32 रन बनाए, लेकिन बाकी बल्लेबाज टिक नहीं सके। पाकिस्तान की पारी तीन रन आउट से भी प्रभावित रही। गेंदबाजी में पेरी ने एक ही ओवर में दो विकेट झटके, जबकि कप्तान सोफी मोलिन्यूक्स और सदरलैंड ने भी दो-दो विकेट लिए।

### सेमीफाइनल अभी भी पूरी तरह तय नहीं

चार मैचों में चार जीत के बावजूद ऑस्ट्रेलिया की सेमीफाइनल की जगह अभी आधिकारिक रूप से पक्की नहीं हुई है। दक्षिण अफ्रीका और भारत भी चार-चार जीत के साथ बराबरी कर सकते हैं। ऑस्ट्रेलिया का अगला मुकाबला रविवार को लॉर्ड्स में भारत से होगा। ऑस्ट्रेलियाई कप्तान सोफी मोलिन्यूक्स ने कहा, 'हमारे पास विकल्प हैं, गहराई है और टीम अच्छी स्थिति में है। हालांकि अभी भी कुछ ऐसे क्षेत्र हैं जिनमें हमें और बेहतर होना है।' ब्रिस्टल में खेले गए मुकाबले में श्रीलंका की कप्तान चमारी अटापट्टू ने आयरलैंड के खिलाफ नाबाद 106 रन की विस्फोटक पारी खेली। यह महिला टी20 विश्व कप इतिहास का आठवां शतक और अटापट्टू के टी20 अंतरराष्ट्रीय करियर का चौथा शतक रहा। उन्होंने टीम के 134 रन में से 106 रन अकेले बनाए। उनकी पारी में 17 चौके शामिल रहे और उन्होंने विजयी रन भी खुद ही लगाए। दो दिन पहले ही अटापट्टू ने खुद को कप्तान के रूप में असफल बताया था, लेकिन इस मुकाबले में उन्होंने बल्ले से शानदार जवाब दिया। मैच के बाद उन्होंने कहा, 'पिछले मैच में मैं जल्दी आउट हो गई थी और उससे निराश थी। लेकिन आज हमने जीत हासिल की और एक खिलाड़ी तथा कप्तान के रूप में मेरे लिए यही सबसे महत्वपूर्ण है। मैंने अपना स्वाभाविक खेल खेला और हमेशा की तरह आक्रामक बल्लेबाजी की।' श्रीलंका ने यह मुकाबला 4.3 ओवर शेष रहते नौ विकेट से जीत लिया। दिन के दूसरे मुकाबले में न्यूजीलैंड ने स्कॉटलैंड को छह विकेट से हराकर सेमीफाइनल की उम्मीदों को जीवित रखा। स्कॉटलैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 131/7 का स्कोर बनाया। डासी कार्टर ने शानदार नाबाद 72 रन बनाए।